जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 28 फरवरी, 2026

राजस्थान सरकार

माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी

के कर कमलों द्वारा

21,800 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी
के नियुक्ति पत्रों का वितरण तथा

राजस्थान को ₹16,600 करोड़ से अधिक की
पेयजल, सिंचाई, विद्युत, अक्षय ऊर्जा, सड़क एवं अन्य परियोजनाओं का उपहार

शिलान्यास

- नागौर, सवाई माधोपुर, जयपुर, बीकानेर, जोधपुर एवं डीग जिलों में विद्युत से जुड़े विकास कार्य (₹1,781 करोड़)
- जोधपुर शहर में महामंदिर से आखलिया चौराहा तक 4-लेन एलिवेटेड रोड़ का निर्माण कार्य (₹1,243 करोड़)
- बीकानेर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ एवं बारां जिलों में पेयजल से जुड़े विकास कार्य (₹3,928 करोड़)
- पाली जिले में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े निर्माण एवं विकास कार्य (₹526 करोड़)
- जयपुर जिले के सांगानेर में एलिवेटेड रोड़ का निर्माण कार्य (₹287 करोड़)
- बारां एवं सवाई माधोपुर जिलों में सड़क से जुड़े विकास कार्य (₹434 करोड़)

बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं डूंगरपुर जिलों में नहरों के विकास एवं जीर्णोद्धार के कार्य (₹1,600 करोड़)

लोकार्पण

- राष्ट्रीय राजमार्ग - 248A पर शाहपुरा से थानागाज़ी तक पक्के शोल्डर के साथ 2-लेन का निर्माण (₹103 करोड़)
- एनएच-76 के जंक्शन से उम्मेदपुरा गांव के निकट एनएच-12 के जंक्शन तक आठ लेन कैरिज - वे का निर्माण (₹1,114 करोड़)
- देवगढ़ (धंधनिया के निकट) से राजस्थान/गुजरात सीमा तक (चरण-I) सड़क का निर्माण (₹546 करोड़)
- बांदीकुई (दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस-वे) से जयपुर तक 4-लेन एक्सप्रेस-वे का निर्माण (₹1,208 करोड़)
- जैसलमेर सम धनाना रोड़ का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण (₹110 करोड़)
- नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से 28.1 गीगावाट विद्युत निकासी हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली (₹3,616 करोड़)

राष्ट्रीय राजमार्ग-89 (नया NH 58) के अजमेर - नागौर सेक्शन के पेव शोल्डर के साथ दो लेन में अपग्रेडेशन का कार्य (₹190 करोड़)

28 फरवरी, 2026 | प्रात: 09:30 बजे | कायड़ विश्राम स्थली, अजमेर

गरिमामयी उपस्थिति

श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे
माननीय राज्यपाल, राजस्थान

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री भागीरथ चौधरी
माननीय केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री

डी.डी. न्यूज़ पर लाइव प्रसारण

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

कार्य ही सफलता की बुनियाद है। –पाब्लो पिकासो

साहित्य में सन्नाटा : दो साल से अकादमियों का पुनर्गठन नहीं

स्वस्थ, रचनात्मक और सुसंस्कृत समाज की स्थापना के लिए शिक्षा, साहित्य, कला संगीत और भाषा की बेहतरी बहुत ज़रूरी है। देश और प्रदेश में सर्वांगीण विकास के साथ साहित्य – संस्कृति का उन्नयन मानव की बेहतर जिंदगी के लिए आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए साहित्य, कला, भाषा और संगीत अकादमियों का गठन किया गया था। मगर धीरे–धीरे ये संस्थाएं सरकारी बेरुखी का शिकार होती गई। सरकारें बदलती गई मगर इस दिशा में कोई अपेक्षित सुधार परिलक्षित नहीं हुआ। हम बात कर रहे है राजस्थान की जहां सरकारी बेरुखी साहित्य, कला, भाषा और संगीत अकादमियों पर भारी पड़ रही है। लगता है सरकारों ने साहित्य, संस्कृति और कला से अपना मुंह मोड़ लाया है। इसका एक ताज़ा उदाहरण राजस्थान है। पिछली गहलोत सरकार का अनुसरण करते हुए वर्तमान भजन लाल सरकार ने भी इस दिशा में अपनी कोई रूचि प्रदर्शित नहीं की है। राज्य में भजन लाल शर्मा सरकार के गठन के दो साल बाद भी प्रदेश की साहित्य कला, भाषा और संस्कृति के उन्नयन के लिए गठित एक दर्ज़न से अधिक अकादमियों में सन्नाटा पसरा है। अकादमियों में व्याप्त इस सन्नाटे को अगर जल्द नहीं तोड़ा गया तो इसका असर बहुत गहरा होगा। राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने गत वर्ष मुख्यमंत्री भजनलाल को एक खुला पत्र लिखकर राज्य की साहित्यिक और सांस्कृतिक अकादमियों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने अकादमियों को पुनः सक्रिय करने और साहित्यकारों–कलाकारों के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए 20 महत्वपूर्ण सुझाव पेश किए हैं। इस पत्र पर आज तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

देखा जाता है समय समय पर सरकार के मुखिया अपने भाषणों में साहित्य और संस्कृति केउन्नयन की बात जोर–शोर से करते रहते है मगर असल में सरकार का साहित्य और संस्कृति से कोई लेना देना नहीं है। इसका ज्वलंत उदाहरण राजस्थान का लिया जा सकता है। हो सकता है अन्य सरकारों का भी यही रवैया हो। साहित्यकार भी संतोषजीवी है। वे अपने अधिकारों के प्रति सजग और सतर्क नहीं है। यही कारण है कि सरकारों का रवैया साहित्य के प्रति कभी अनुकूल नहीं होता। साहित्य और साहित्यकार किसी सरकार के प्रश्रय और मोहताज़ नहीं होते है। सत्य और तथ्य को बेलाग उद्घाटित करना रचनाधर्मिता है। साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से समाज हित में सामाजिक मूल्यों और सम्वेदनाओं को दृष्टि प्रदान करते हैं। संघर्ष पथ के राही के रूप में जीवन मूल्यों को प्रशस्त करते हुए दीनहीन की आवाज को बुलन्द करते हैं। शोषण विहीन समाज की स्थापना में साहित्य का अहम योगदान है। साहित्यकार समाज में जनजागरण का कार्य करते हैं। आज यही साहित्य सरकारों के कोपभाजन का शिकार है।

राज्य में भजन लाल शर्मा सरकार के गठन के दो साल बाद भी प्रदेश की साहित्य कला, भाषा और संस्कृति के उन्नयन के लिए गठित एक दर्ज़न से अधिक अकादमियों में सन्नाटा पसरा है। अकादमियों में व्याप्त इस सन्नाटे को अगर जल्द नहीं तोड़ा गया तो इसका असर बहुत गहरा होगा। गहलोत सरकार के दौरान गठित अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी सरकार के एक आदेश से हटाए जा चुके है। मगर भजन लाल सरकार एक लम्बे अर्से बाद भी अब तक इन अकादमियों को पुनर्गठित नहीं कर पायी है जिससे सम्बंधित सभी प्रकार की गतिविधियां ठप्प पड़ी है। कला, संस्कृति और साहित्य के बिना जीवन अधूरा है। इसीलिए किसी भी देश, प्रदेश, सरकार और समाज को वहां की संस्कृति, कला साहित्य को बढ़ावा देने के लिए समुचित प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार की अकादमियों के प्रति इस बेरुखी से प्रदेश भर के साहित्य और संस्कृति कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है। एक जानकारी के मुताबिक राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, राजस्थान ललित कला अकादमी, राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, राजस्थान उर्दू अकादमी, राजस्थान सिंधी अकादमी, राजस्थान संस्कृत अकादमी, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी एवं राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी, बाल साहित्य अकादमी, पंजाबी अकादमी, आदि प्रशासनिक अधिकारियों के हवाले है। अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों की नियुक्तियां नहीं होने से प्रशासनिक अधिकारियों के भरोसे चल रही अकादमियां कलाकारों और विद्वानों के लिए पुरस्कार समारोह के आयोजन, ग्रंथों के प्रकाशन के साथ ही नीतिगत निर्णय नहीं ले पा रही हैं। पिछली गहलोत सरकार के दौरान भी कई वर्षों तक अकादमियों में नियुक्तियां नहीं हुई थी। इन स्वायत्तशाषी संस्थाओं का प्रमुख उद्देश्य, क्षेत्रीय भाषाओं और लोक साहित्य का संरक्षण, कलाकारों, लेखकों और साहित्यकारों को प्रोत्साहन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, नाट्यय महोत्सवों का आयोजन, पारंपरिक लोककलाओं को आधुनिक मंच देना, युवा पीढ़ी में रुचि और चेतना पैदा करना हैं। राज्य सरकार की उपेक्षा के कारण कलाकारों, शोधार्थियों और संस्कृति क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे कला, साहित्य, भाषा, संगीत और संस्कृसर्ता से जुड़ी अकादमयिों के कार्य प्रभावति हो रहे हैं। इन संस्थाओं के लेखकों और कला प्रेमियों के जुड़े होने से नराशा का सामना करना पड़ रहा है।

कला, संस्कृति और साहित्य के बिना जीवन अधूरा है। इसीलिए किसी भी देश, प्रदेश, सरकार और समाज को वहां की संस्कृति, कला साहित्य को बढ़ावा देने के लिए समुचित प्रयास करने होंगे। राज्य सरकार की अकादमियों के प्रति इस बेरुखी से प्रदेश भर के साहित्य और संस्कृति कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है।

राजस्थान अपनी आन, बान, शान, शौर्य, साहस, कुर्बानी, त्याग, बलिदान तथा वीरता के लिए सम्पूर्ण विश्व में ख्यात है। कला, साहित्य और सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि विश्व में अपनी अलग पहचान रखती है। राजस्थान को भारतीय संस्कृति का गौरव कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यहाँ की स्थापत्य कला, संगीत, नृत्य, लोकगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प, वीर–प्रथाएँ, लोक कथाएँ और बोलियाँ – ये सभी भारत की विविधता में एकता का भव्य उदाहरण हैं। यहाँ ढोला–मारू की प्रेमगाथा है, तेजाजी महाराज की लोक आस्था है, मांड और पिंगल जैसी काव्य विधाएँ हैं। मेवाड़, मारवाड़, हाड़ौती, शेखावाटी आदि क्षेत्रों की अपनी–अपनी सांस्कृतिक पहचान है। राजस्थान की कला और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं से पूरी दुनिया प्रभावित है। राजस्थान साहित्य और संस्कृति के साथ त्योहारों और मेलों के लिए विश्व विख्यात है जो आमजन को कोई न कोई सन्देश देते है। इस सांस्कृतिक सम्पदा को संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का कार्य अकादमियों, संस्कृति विभागों और साहित्य संस्थानों का होता है। लेकिन जब वही संस्थान निष्क्रिय हो जाएँ या खाली पड़े हों, तो यह सम्पदा दम तोड़ने लगती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि अकादमियों में बिना भेदभाव के योग्य साहित्यकार, लेखक, संस्कृतकर्मी और कलाकारों की नियुक्ति की जाये ताकि नए प्रतिभाशाली लोगों को उनका समुचित सम्मान और प्रोत्साहन मिले।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 28 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पुर्नवसु नक्षत्र प्रातः 9:35 तक, सौभाग्य योग सायं 5:02 तक, बव करण प्रातः 9:38 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 9:35 तक है। आज गोविन्द द्वादशी जयन्ती महाद्वादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:22 से 9:48 तक, चर 12:40 से 2:05 तक, लाभ–अमृत 2:05 से 4:57 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:56, सूर्यास्त 6:23

मेष
घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मकर
घर–परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन
घर–परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का अजमेर आगमन

राजस्थान के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने का प्रेरक अवसर

अरुण चतुर्वेदी

राजस्थान की वीर भूमि और अजमेर की पावन धरा, आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बन रही है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अजमेर आगमन विकसित राजस्थान के संकल्प को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला प्रेरक अवसर है।

आज राजस्थान में 16,686 करोड़ की परियोजनाओं की अभूतपूर्व सौगात दी जा रही है। इन परियोजनाओं में पेयजल, विद्युत, अक्षय ऊर्जा, सिंचाई, सीवरेज और शहरी आधारभूत ढांचे से जुड़े अनेक कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित 'रोजगार उत्सव' मे 21 हजार 863 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन की 1000 करोड़ रुपए की राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री प्रदेश की 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान का भी शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के विजन 2047 ने राज्यों को संसाधन उपलब्ध कराने के साथ ही स्पष्ट लक्ष्य और दीर्घकालिक दृष्टि भी दी है। उनकी इसी प्रेरणा से राजस्थान ने विगत दो वर्षों में विकास की तीव्र गति पकड़ी है। केंद्रीय बजट 2026-27 में राजस्थान को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में 90,445 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। यह गत वर्ष की तुलना में 6,505 करोड़ रुपए अधिक है।

इन संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने 6,10,956 करोड़ रुपए का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया है। इसमें पूंजीगत व्यय और सामाजिक क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। मरुस्थलीय प्रदेश के लिए जल सुरक्षा सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की संवेदनशीलता से राम जल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल परियोजना को मिली गति से जल समस्याओं के स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। जल जीवन मिशन को मिली राष्ट्रीय प्राथमिकता और केंद्र से बढ़े आवंटन के चलते लाखों ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाया जा सकेगा।

राष्ट्रीय राजमार्गों, रेल परियोजनाओं और लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर में केंद्र के निवेश तथा राज्य स्तर पर 53,978 करोड़ रुपए के पूंजीगत प्रावधान ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह निवेश औद्योगिक विकास और कृषि उत्पादकता दोनों को गति प्रदान कर रहा है।

राजस्थान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा जनसंख्या है। गत दो वर्षों में राज्य सरकार ने पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है। अब तक विभिन्न विभागों में एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। लगभग डेढ़ लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए राजस्थान स्टेट टेस्टिंग एजेंसी की स्थापना और ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों का विस्तार किया किया जा रहा है।

आगामी वर्ष के लिए राज्य सरकार ने कैलेंडर जारी कर भर्ती की स्पष्ट समय सीमा निर्धारित की है। इसमें शिक्षकों, पुलिस कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, तकनीकी सहायकों और विभिन्न प्रशासनिक पदों की भर्ती का विस्तृत कार्यक्रम शामिल है।

हमारा लक्ष्य पांच वर्षों में चार लाख सरकारी नौकरियों का सृजन सुनिश्चित करना है। यह रोजगार प्रदान करने के साथ ही युवाओं के आत्मविश्वास का पुनर्निर्माण है। केंद्र की स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप योजनाओं के साथ समन्वय कर कौशल उन्नयन कार्यक्रमों का विस्तार करने से सरकारी नौकरियों के साथ–साथ निजी क्षेत्र में भी रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

राइजिंग राजस्थान निवेश शिखर सम्मेलन ने प्रदेश की आर्थिक दिशा को नई गति प्रदान की है। हमारी सरकार के कार्यकाल के पहले वर्ष में आयोजित इस पहल के अंतर्गत 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हस्ताक्षिरत हुए। इनमें ऊर्जा, विनिर्माण, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश प्रस्ताव शामिल हैं। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इन एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपए के एमओयू धरातल पर उतर चुके है।

औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, भूमि आवंटन, निर्माण कार्य और उत्पादन आरंभ होने की प्रक्रियाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अनेक परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों रोजगार सृजित हुए हैं। निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध स्वीकृति देने, सिंगल विंडो प्रणाली को सुदृढ़ करने और औद्योगिक अवसंरचना विकसित करने के कारण निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। निजी क्षेत्र में दो लाख से अधिक रोजगार अवसरों का सृजन इस समन्वित नीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

प्रदेश में शिक्षा बजट में 35 प्रतिशत वृद्धि कर लगभग 69,000 करोड़ रुपए का प्रावधान युवाओं के भविष्य में निवेश है। प्रदेश के 400 विद्यालयों को सीएम राइज मॉडल में उन्नत करना और प्रत्येक जिले में बालिका छात्रावास स्थापित करना गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में 32,526 करोड़ रुपए का प्रावधान, जयपुर के जेके लॉन हॉस्पिटल में 500 बेड का आईपीडी टावर और आरयूएचएस में 200 बेड की बाल चिकित्सा सुविधा चिकित्सा आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।महिला सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों की ऋण सीमा में वृद्धि और लखपति दीदी जैसी योजनाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त करेगी।

राजस्थान ने वर्ष 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को 4.3 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राज्य की जीएसडीपी 21.52 लाख करोड़ रुपए तक पंहुचने का अनुमान और प्रति व्यक्ति आय का दो लाख रुपए से अधिक होना इस दिशा में सकारात्मक संकेत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प में भागीदारी सुनिश्चित करने का यह विनम्र प्रयास है। बीते दो वर्षों में केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप विकास की गति दोगुनी हो रही है। बढ़े हुए केंद्रीय संसाधन, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, स्पष्ट भर्ती कैलेंडर, धरातल पर उतरते एमओयू और निवेश की नई धाराओं ने राजस्थान को नया आत्मविश्वास प्रदान किया है।

प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को सदैव नई शक्ति, नई प्रेरणा और नया आत्मविश्वास देती है। राष्ट्रीय नेतृत्व और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के एक साथ आगे बढ़ने से विकास की गति दोगुनी हो रही है। यही डबल इंजन मॉडल की सार्थकता है। अजमेर से उठने वाली विकास की गूंज धरातल पर परिणामों में परिवर्तित होगी।

–अरुण चतुर्वेदी,
अध्यक्ष, राजस्थान वित्त आयोग

विज्ञान उत्सव और विकसित भारत के सम्मुख यक्ष प्रश्न

प्रो. अशोक कुमार

28 फरवरी को भारत में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज की स्मृति में समर्पित है, जिसके लिए उन्हें 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वर्ष 2026 के लिए इस अवसर पर राजस्थान में विशेष आयोजन किए जा रहे हैं ! वर्तमान में राजस्थान का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग विज्ञान उत्सव के माध्यम से प्रदेश में वैज्ञानिक चेतना जागृत करने का सराहनीय प्रयास कर रहा है। साथ ही, एक नई स्टेट साइंस एकेडमी की प्रस्तावित योजना भी चर्चा में है, जिसका ध्येय विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करना है। हम सभी इन पहलों का स्वागत करते हैं, परंतु साथ ही एक अत्यंत गंभीर और मौलिक प्रश्न भी है –विज्ञान में वास्तविक शोध कौन करेगा?

जब हम 'विकसित भारत' की बात करते हैं, तो हमारा अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता भी होता है। लेकिन क्या केवल भव्य आयोजनों, सम्मेलनों और कागजी योजनाओं से शोध संभव है? हकीकत यह है कि हमारे अधिकांश महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में न तो आधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं, न पर्याप्त उपकरण और न ही शिक्षकों की उपलब्धता। बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन के इस अभाव में शोध का सपना केवल एक मृगतृष्णा बनकर रह सकता है।

चुनौती संख्या 1 : शिक्षकों का अभाव और शोध की निरंतरता

शोध केवल प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि एक प्रबुद्ध मस्तिष्क के मार्गदर्शन में फलीभूत होता है। दुर्भाग्यवश, राजस्थान के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के सैकड़ों पद रिक्त हैं। बिना स्थाई मेंटोर के छात्र शोध की दिशा तय नहीं कर सकते। वर्तमान में एड–हॉक या गेस्ट फैकल्टी के भरोसे शिक्षण कार्य तो चल सकता है, लेकिन दीर्घकालिक शोध परियोजनाएं संभव नहीं हैं। शोध के लिए एक निरंतरता और समर्पण की आवश्यकता होती है, जो केवल स्थाई और सुरक्षित शैक्षिणक वातावरण में ही मिल सकती है।

चुनौती संख्या 2: आधुनिक प्रयोगशालाओं और उपकरणों का अकाल

आज का विज्ञान अल्ट्रा–मॉडर्न उपकरणों का युग है। नैनोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी और एआई आधारित शोध के लिए जिन उपकरणों की आवश्यकता है, वे हमारे अधिकांश राज्य विश्वविद्यालयों की पहुंच से बाहर हैं। कई महाविद्यालयों में तो बुनियादी केमिकल्स और कांच के सामान तक का बजट समय पर नहीं मिल पाता। ऐसे में हम विश्व स्तरीय शोध की प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं।

समाधान की राहः पाँच सूत्रीय सुधारात्मक रणनीति

इस संकट से उबरने और विज्ञान उत्सव की सार्थकता सिद्ध करने के लिए हमें निम्नलिखित पाँच क्षेत्रों में युद्धस्तर पर कार्य करना होगा:–

1. क्लस्टर मॉडल और संसाधन साझाकरण

हर महाविद्यालय में करोड़ों रुपये की लैब बनाना आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अतः हमें 'हब और स्पोक' मॉडल को अपनाना चाहिए। राज्य के चुनिंदा विश्वविद्यालयों या प्रस्तावित साइंस एकेडमी को सेंट्रल हब के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध हों। आस–पास के सभी छोटे महाविद्यालयों को इस हब से जोड़ा जाए, ताकि उनके छात्र और शोधकर्ता एक निश्चित समय–सारणी के अनुसार इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

2. रिक्त पदों पर तत्काल और स्थाई नियुक्तियाँ

सरकार को शोध की गुणवत्ता सुधारने के लिए विश्वविद्यालयों में रिक्त पड़े संकाय पदों को प्राथमिकता पर भरना होगा। चयन प्रक्रिया पारदर्शी और योग्यता आधारित होनी चाहिए। साथ ही, युवा शोधकर्ताओं को आकर्षित करने के लिए पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप की संख्या बढ़ानी होगी, ताकि मेधावी छात्र विदेश जाने के बजाय अपने राज्य में योगदान दें।

3. लैब–ऑन–व्हील्स और डिजिटल नवाचार

राजस्थान की भौगोलिक विविधता को देखते हुए लैब–ऑन–व्हील्स (चलता–फिरता विज्ञान केंद्र) एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। यह वैन ग्रामीण क्षेत्रों के महाविद्यालयों तक पहुंचकर छात्रों को प्रायोगिक ज्ञान दे सकती है। इसके अलावा, वर्चुअल लैब का विस्तार किया जाना चाहिए।

आई आई टी दिल्ली और अन्य केंद्रीय संस्थानों के सहयोग से वर्चुअल सिमुलेशन के जरिए छात्र उन प्रयोगों को भी सीख सकते हैं जिनके उपकरण भौतिक रूप से उपलब्ध नहीं हैं।

4. उद्योग–अकादमिक साझेदारी

विज्ञान और उद्योग को एक–दूसरे का पूरक बनना होगा। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जिससे निजी उद्योग अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर), फंड का उपयोग सरकारी महाविद्यालयों की प्रयोगशालाओं को गोद लेने में करें। इससे दो लाभ होंगे: उद्योगों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कुशल वर्कफोर्स मिलेगा और कॉलेजों को अत्याधुनिक लैब और फंडिंग।

5. शोध बजट की स्वायत्तता और प्रशासनिक सुधार

विज्ञान का बजट केवल उत्सवों और आयोजनों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। बजट का एक बड़ा हिस्सा प्रयोगशालाओं के केमिकल, किट्स आदि के लिए आरक्षित हो। वर्तमान में शोधकर्ताओं को एक छोटा उपकरण खरीदने के लिए भी लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। इस रेड–टेपिज्म को खत्म कर शोधकर्ताओं को वित्तीय स्वायत्तता देनी होगी।

निष्कर्षः इवेंट मैनेजमेंट से टैलेंट मैनेजमेंट की ओर

'विकसित भारत' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें अपनी प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। विज्ञान उत्सव जन–जागरूकता के लिए अच्छे हैं, लेकिन वैज्ञानिक क्रांति के लिए हमें इन्वेंटरी मैनेजमेंट (उपकरणों की उपलब्धता) और टैलेंट मैनेजमेंट (शिक्षकों की नियुक्ति) पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जब तक हमारे पास सुसज्जित प्रयोगशालाएँ और समर्पित शिक्षक नहीं होंगे, तब तक शोध केवल एक प्रशासनिक औपचारिकता बनकर रह जाएगा। यदि हम चाहते हैं कि राजस्थान का युवा नोबेल पुरस्कार या बड़े आविष्कारों का सपना देखे, तो हमें उसे केवल उत्सवों का दर्शक नहीं, बल्कि प्रयोगशालाओं का सक्रिय शोधकर्ता बनाना होगा। अब समय आ गया है कि हम कागजी योजनाओं से बाहर निकलकर धरातल पर विज्ञान की नींव मज़बूत करें। तभी सही मायनों में राजस्थान और भारत विज्ञान के शिखर पर पहुंच पाएंगे।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

उदयपुर के मेनार में 451 साल से खेली जा रही है पटाखों और बारूद की ऐतिहासिक होली

- **होली के बाद चार मार्च को ''जमराबीज'' पर जीवंत होगा रणभूमि का नजारा, सैनिक छावनी जैसा होगा माहौल**
- **आसपास के गांवों सहित उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, निंबाहेड़ा, मालवा और मध्यप्रदेश के हजारों लोग कार्यक्रम के साक्षी बनेंगे**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के मेनार की ऐतिहासिक पटाखों और बारूद की होली इस वर्ष चार मार्च को धूमधाम से खेली जाएगी। होली के बाद मनाए जाने वाला ''जमराबीज'' इस बार चार मार्च को मनाया जाएगा, जिसमें आसपास के गांवों सहित मेवाड़ के उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, निंबाहेड़ा, मालवा और मध्यप्रदेश के हजारों लोग साक्षी बनेंगे। मेनार प्राचीन ठाकुरजी मंदिर ओंकारेश्वर चौक में मनाए जाने वाले पर्व की तैयारियों की जा रही है।

ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा धोती–कुर्ता और पगड़ी पहने ग्रामीणों की टोलियां, गरजती तोपें, लहराती बंदूकें, हाथों में तलवारें और आसमान को रोशन करती भव्य आतिशबाजी पूरे माहौल को रोमांच से भर देती है। इस अनूठी परंपरा को देखने के लिए दूर–दराज क्षेत्रों सहित मध्यप्रदेश से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। आधी रात होते ही ओंकारेश्वर चौक मानो रणभूमि में तब्दील हो जाता है। करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में यहां मेनारिया समाज बारूद की होली खेल रहा है।

गांव के बुजुर्ग बताते है कि यह प्रसंग महाराणा अमर सिंह प्रथम के समय की एक ऐतिहासिक घटना से जुड़ा है। 1576 में हुए हल्दीघाटी युद्ध के बाद मेवाड़ के जन मानस में राष्ट्रभक्ति की ऐसी लहर उठी कि हर गांव मुगल शासकों के खिलाफ उठ खड़ा हुआ था। जगह–जगह मुगलों की चौकियां नष्ट की जाने लगी। मुगलों की एक मुख्य चौकी ऊंटाला वल्लभगढ़ (वर्तमान वल्लभनगर) में स्थापित थी, जिसकी उप चौकी इसी मेनार गांव में थी। महाराणा प्रताप के निधन के बाद मुगलों के आतंक से त्रस्त होकर मेनार के मेनारिया ब्राह्मणों ने मुगल सेना को हटाने की रणनीति बनाई। एक दिन समाज के पंचों ने गोपनीय बैठक बुलाकर इस चौकी को नष्ट करने की योजना तैयार की। करीब साढे चार सौ साल पहले होली के दूसरे दिन जमराबीज पर मेनारिया वीरों ने मुगलों पर हमला कर दिया। विक्रम संवत 1657 (सन् 1600) चैत्र सुदी द्वितीया को मुगलों की चौकी नष्ट कर दी। तब उस समय महाराणा अमर सिंह ने मेनार के मेनारिया ब्राह्मणों को शाही लाल जाजम, रणबांकुरा ढोल, सिर पर कलंकी धारण, ठाकुर की पदवी और मेवाड़ की 17वीं उमराव की उपाधि दी। साथ ही आजादी तक गांव की 52 हजार बीघा जमीन पर लगान नहीं वसूलने की घोषणा की। ओंकार महाराज के चबूतरे से शुरु हुई लड़ाई छावनी तक पहुंच गई और मुगलों को मार गिराया। ऐसे मेवाड़ को मुगलों के आतंक से बचाया था। करीब 451 साल पहले मुगल चौकी ध्वस्त करने की खुशी में यहां मेनारिया समाज बारूद की होली खेल रहा है। युवाओं, बुजुर्गों की ओर से एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज जोशीले अंदाज में दोनों हाथों में तलवारें लेकर घुमाई जाती है और आग के गोटे को घुमाते हैं। इस आयोजन को लेकर शाम को पांच बजे से आठ बजे तक घरों में कई प्रकार के व्यंजन बनाए जाते है और मेहमानबाजी होती है।

अजमेर मंडल के रेल सेवा पुरस्कार समारोह में अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

अजमेर, (कासं)। उत्तर–पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल पर 69वां एवं 70वां संयुक्त रेल सेवा पुरस्कार समारोह 27 फरवरी को रेलवे ऑफिसर्स क्लब, कचहरी रोड में आयोजित किया गया। समारोह में मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत और कार्यकुशलता के कारण अजमेर मंडल को रेलवे बोर्ड स्तर पर आबूरोड रनिंग रूम के लिए सर्वश्रेष्ठ रनिंग रूम ढाल तथा मुख्यालय स्तर पर पांच ढाल प्राप्त हुई हैं। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर महाप्रबंधक पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा दी। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत नृत्य एवं गीतों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक विकास बूरा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी रघुवीर सिंह चारण सहित विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में सहायक कार्मिक अधिकारी वंदना चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पुरस्कार विजेताओं में मोहित सैनी, राजेश कुमावत, गौरव मिलक, राहुल भारद्वाज, ताराचंद, सुरेंद्र सोनी, जोताराम देवासी, नीरज कुमार सैनी, ओमवीर सिंह, राजेश कुमार सोनी, तरुणा पाठक, सुनील कुमार मिश्रा, रामजीलाल सैनी, मनीष शर्मा, जगदीश अरोड़ा, अनिल, धर्मेंद्र, एंथोनी जोसेफ, भारती शर्मा, निजामुद्दीन खान, गरिमा सहित लेखा, अभियांत्रिकी, वाणिज्य, विद्युत, चिकित्सा, यांत्रिक, परिचालन, कार्मिक, सामान्य प्रशासन, सुरक्षा, संकेत एवं दूरसंचार तथा स्काउट गाइड के कुल 68 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल रहे।

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

My Great-Grand-father's Armchair

So, I decided to be a good boy and use my Great Grand Father's Arm Chair. It is the only family heirloom I had been able to scrounge

Books Over Rest

History in Minutes The Major Ralengnao Bob Khathing Who Saved Tawang from China

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध शुरू हुआ

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। अफगानिस्तान फिर अपने पुराने स्वाभाविक हालात में लौट आया है, यानी युद्ध की स्थिति में। दो दशकों तक चली लड़ाई में शक्तिशाली नाटो और अमेरिका को हराने के बाद अब यह देश अपने पड़ोसी पाकिस्तान के साथ संघर्ष में है।

कम से कम पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख़्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से तो यही लिखा है। पाकिस्तान ने पड़ोसी अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों पर हमला किया है। उसे शक है कि कुछ खतरनाक आतंकवादी अफगानिस्तान के सीमा क्षेत्रों में छिपे हैं और वहीं से पाकिस्तान के अंदर आतंकी हमलों की योजना बना रहे हैं।

जानलेवा घातक हमलों के नए दौर में, दोनों देशों ने बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने का दावा किया है। दोनों ने एक-दूसरे की सेना और सैन्य ठिकानों पर हमले की भी बात कही है। इन दोनों पड़ोसियों के बीच की यह मारकाट पिछले साल हुई आपसी हत्याओं की कड़वी यादें भी ताजा कर देती है।

हाल ही में पाकिस्तान के अंदर कई हिंसक आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें कुछ मस्जिदों पर हमले भी शामिल हैं। इन हमलों में कई लोगों की जान गई है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो देश के भीतर तबाही मचा रहे हैं। पाकिस्तान का कहना है कि इन आतंकी घटनाओं के पीछे पाकिस्तान में सक्रिय तालिबान गुट हैं, जिन्हें अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान का समर्थन प्राप्त है।

दोनों पड़ोसियों के बीच यह खुली जंग साफ तौर पर बराबरी की नहीं है और अफगान तालिबान के हक में नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाक की सेना बड़ी व भारी है, पर अफगानी योद्धाओं का भी जवाब नहीं

- युद्ध का कारण है, पाकिस्तान का यह मानना कि अफगान सीमा के आस-पास दुर्दन्त आतंकवादी छुपे हैं, जो पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी हमले करते हैं।
- अफगानिस्तान सेना संख्या बल व आधुनिकतम हथियारों की बहुतायत की दृष्टि से कमज़ोर लगती है। पर, अपनी भौगोलिक बनावट व योद्धाओं की गुरिल्ला तकनीकों के कारण, अफगानिस्तान ने, पाकिस्तान से कहीं ज्यादा बेहतर व सुसज्जित रूस व नाटो सेना, जिसमें अमेरिका भी तन-मन-धन से शामिल था, की दाल नहीं गलने दी अपनी भूमि पर।
- अफगानी योद्धाओं को सीमांत क्षेत्र में वहाँ के ट्राइबल्स की ओर से समर्थन व सुरक्षा मिलती है। इन क्षेत्रों में पाकिस्तान की सेना को "एंट्री" भी नहीं मिल पाती। जबकि, अफगानिस्तान के तालिबान योद्धाओं की पाकिस्तान में काफी गहरी पहुँच व पकड़ है। जिससे अफगानी तालिबानी योद्धा पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों को अंगूठा दिखाते हुए, खुले रूप से विचरण करते हैं और मनचाहे जब-तब तोड़फोड़ व आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देते हैं।
- इन अशांत स्थितियों के कारण ही, पाकिस्तान के नए मित्र अमेरिका ने अपने नागरिकों को हाल ही में ट्रेवल एडवाइज़री जारी की है कि पाकिस्तान की यात्रा न करें और अगर किन्हीं कारण से अभी भी पाकिस्तान में हैं, तो तुरंत वहाँ से बाहर आएं।

प्रधानमंत्री की अजमेर में जनसभा आज

अजमेर, 27 फरवरी (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को अजमेर की कायड़ विश्राम स्थली में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री दिल्ली से वायुसेना के विशेष विमान द्वारा किशनगढ़ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से सेना के हैलीकॉप्टर से सीधे सभा स्थल जाएंगे। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप ने एयरपोर्ट और सभा स्थल की सुरक्षा की कमान संभाल ली है। एयरपोर्ट पर केवल पासधारकों को प्रवेश दिया जाएगा तथा सीसीटीवी और ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है।

- सुरक्षा व यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए 8 घंटे का हाईवे ट्रैफिक प्लान बनाया

शनिवार सुबह 6 बजे से अजमेर-किशनगढ़ नेशनल हाईवे सहित कई मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। हाईवे लगभग 8 घंटे तक बंद रहेगा। लंबी दूरी के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। ब्यावर से जयपुर जाने वाले वाहन मांगलियावास तिराहे से नसीराबाद रोड होते हुए भेजे जाएंगे। भीलवाड़ा से आने वाले वाहन नसीराबाद बाईपास से डायवर्ट होंगे। जयपुर से ब्यावर जाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल व सिसोदिया "एक्साइज़ पॉलिसी केस" में पूर्णतया बरी

ट्रायल कोर्ट ने पुरजोर शब्दों में निर्णय सुनाया कि प्रथमा दृष्टया कोई प्रमाण नज़र नहीं आया, इन दोनों के खिलाफ "क्रिमिनल केस' चलाने का

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। एक बड़े कानूनी और राजनीतिक घटनाक्रम में, दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य आरोपियों को आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि क्रिमिनल चार्ज आगे बढ़ाने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त सबूत नहीं हैं। ट्रायल कोर्ट के इस आदेश से इस चरण पर मुकदमे की कार्यवाही प्रभावी रूप से समाप्त हो गई है, हालांकि केन्द्रीय एजेंसियों ने संकेत दिया है कि वे इस फैसले को चुनौती दे सकती हैं।

अदालत से बाहर निकलते हुए केजरीवाल भावुक नजर आए और उन्होंने इस फैसले को सच्चाई की जीत बताया। उन्होंने कहा, "हमें हमेशा न्याय व्यवस्था पर विश्वास था... सच्चाई की जीत हुई है... आज सच्चाई जीत गई।" समर्थकों को संबोधित करते समय उनकी आवाज भर आई। इस मामले को "पूरी तरह झूठा मामला" बताते हुए उन्होंने कहा, "मैंने जीवन में केवल ईमानदारी कमाई है।" उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला आम आदमी पार्टी को खत्म करने की राजनीतिक साजिश का हिस्सा था। उन्होंने कहा, "मेरे खिलाफ झूठे केस बनाए गए, यह कहते हुए कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भ्रष्ट हैं। लेकिन अदालत ने साबित कर दिया कि केजरीवाल, सिसोदिया और आप कट्टर ईमानदार हैं।" उन्होंने राजनीतिक विरोधियों पर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर उनकी पार्टी को निशाना बनाने का आरोप भी लगाया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि "जब कोई ठोस सबूत नहीं था, तो एक मौजूदा मुख्यमंत्री को घर से घसीटकर जेल क्यों भेजा गया?"

सिसोदिया ने भी फैसले के तुरंत बाद जारी संदेश में यही भावना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, "सत्य की ही विजय होती है। आज एक बार फिर मुझे बाबा साहेब अंबेडकर जी की दूरदर्शी सोच और उनके बनाए संविधान पर गर्व महसूस हो रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि "मोदी जी की पूरी पार्टी और उनकी सभी एजेंसियों ने हमें बेईमान साबित करने की पूरी कोशिश की, लेकिन आज साबित हो गया कि अरविंद केजरीवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सीबीआई इस ट्रायल कोर्ट के निर्णय को हाई कोर्ट में चुनौती देगी। भाजपा ने कहा कि हाई कोर्ट में "टैस्ट" हो जाएगा ट्रायल कोर्ट के तर्कों का।
- निर्णय के बाद, केजरीवाल ने भावुक व रूंधे हुए शब्दों में कहा, "मैने जीवन में केवल ईमानदारी ही कमाई है। न्यायालय ने इसे स्वीकार किया है।"

पाँच राज्यों के आगामी चुनाव में भाजपा "आर्टिफिशल इंटैलिजैंस" आधारित चुनाव प्रचार चलाएगी

हर विधानसभा क्षेत्र के लिए एक "स्पैसिफिक" (विशेष) चार्जशीट जैनरेट की जाएगी ए.आई. की मदद से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। डिजिटल चुनाव प्रचार को नया रूप देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पाँच राज्यों, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी, में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए एक उन्नत और बहु-स्तरीय सोशल मीडिया रणनीति को अंतिम रूप दिया है।

इस योजना का केन्द्र बिन्दु आर्टिफिशल इंटैलिजैंस (ए.आई.) का नैतिक उपयोग और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के स्तर पर जवाबदेही तय करने के लिए "चार्जशीट" तैयार करना है।

पार्टी ने उक्त राज्यों में मौजूदा सरकार के आधार पर अपनी रणनीति तय की है।

विपक्ष शासित पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में रणनीति पूरी तरह आक्रामक है। इसका मुख्य उद्देश्य टीएमसी, डीएमके और एलडीएफ सरकारों की कथित "विफलताओं" को उजागर करना है।

एनडीए शासित असम और पुडुचेरी में अभियान रक्षात्मक और उपलब्धियों पर आधारित होगा। इसमें हिमंत बिस्वा सरमा और एनडीए सरकारों की उपलब्धियों को प्रमुखता से दिखाया जाएगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व केरल के हर चुनाव क्षेत्र के लिए अलग-अलग इंस्टाग्राम, रील्स, यू-ट्यूब तथा ए.आई. जैनरेटेड स्टोरीज़, जिसमें टीएमसी, डीएमके व एलडीएफ सरकारों की असफलताओं पर आक्रमण होगा।
- पर, आसाम व पुडुचेरी, जहाँ भाजपा व एनडीए की सरकार है, को बधाई देते हुए उनकी प्रशासनिक सफलताएँ गिनाईं जाएंगी, अलग-अलग चुनाव क्षेत्र की अलग-अलग ए.आई. जैनरेटेड सामग्री विकसित करके।

पति की हत्या की आरोपी पत्नी को अदालत ने बरी किया

जयपुर, 27 फरवरी। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-5, महानगर द्वितीय ने साथी के साथ मिलकर पति की हत्या करने के आरोप से पत्नी मंजू राठौड़ और पंकज शर्मा को दोषमुक्त कर दिया है। पीठासीन अधिकारी लोकेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह असफल रहा है कि आरोपियों ने शक्ति सिंह की हत्या की है। ऐसे में आरोपियों को दोषमुक्त किया जाता है।

- अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि पत्नी ने अपने साथी के साथ मिलकर पति की हत्या की।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि 9 नवंबर, 2021 को करधनी थाने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति अस्वीकार की

तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति थी कि ज्युडिशियल ऑफिसर्स को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर प्रक्रिया की ट्रेनिंग देना गलत है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस द्वारा उठाई गई उस आपत्ति पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिवीजन-एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दावों की जांच के लिए तैनात न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दे रहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग का प्रशिक्षण मॉड्यूल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना नहीं कर सकता और न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा किया ही जाना चाहिए।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याण बंदोपाध्याय और गोपाल शंकर नारायणन ने शुक्रवार सुबह मुख्य न्यायाधीश के समक्ष मामले का मौखिक उल्लेख किया। सिब्बल ने कहा, "कुछ अजीब हुआ है। अदालत के आदेश के बाद, आपके संज्ञान में लाए बिना, निर्वाचन आयोग ने न्यायिक अधिकारियों के लिए निर्देश और प्रक्रिया तय की है।" उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने न्यायिक अधिकारियों को एक प्रशिक्षण मॉड्यूल दिया है, जिसमें यह बताया गया है कि कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार किए जाएं।

मामले की सुनवाई में अनिच्छा जताते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, "आप हमारे न्यायिक अधिकारियों पर संदेह मत कीजिए, अंततः फैसला वही करेंगे।"

सिब्बल ने कहा कि अदालत के आदेश के अनुसार, कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को तौर-तरीके तय करने हैं। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि तौर-तरीकों का मतलब लॉजिस्टिकल अरेंजमैंट से है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "छोटी-छोटी बातों के बहाने प्रक्रिया को मत रोकिए। हम इस तरह सुनवाई नहीं कर सकते। इसका अंत होना चाहिए। हमने आपकी सोच से परे एक आदेश दिया है।" उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारी जानते हैं कि उन्हें क्या करना है और आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि कौन-कौन से दस्तावेज स्वीकार किए जा सकते हैं। निर्वाचन आयोग इन्हें निरस्त नहीं कर सकता।

न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "निर्वाचन आयोग के अलावा और कौन प्रशिक्षण देगा? हमने स्पष्ट कर दिया है कि किन दस्तावेजों को देखना है। हमारे निर्देश बिल्कुल स्पष्ट हैं, उनकी अवहेलना नहीं की जा सकती।" सिब्बल ने कहा कि प्रशिक्षण मॉड्यूल में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें ज्युडिशियल ऑफिसर्स के विवेक पर भरोसा करना चाहिए, वे पूर्णतया परिचित हैं, सुप्रीम कोर्ट किन-किन दस्तावेजों को नागरिक के प्रमाण के रूप में स्वीकार करे या न करे।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, चुनाव आयोग अगर "प्रमाणिकता" (वैरिफिकेशन) आदि की प्रक्रिया की ट्रेनिंग नहीं देगा, तो कौन देगा?

मालपुराः साम्प्रदायिक दंगे के दोहरे हत्याकांड के 14 आरोपी दोष मुक्त

जयपुर, 27 फरवरी। शहर की साम्प्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने 25 साल पहले 10 जुलाई, 2000 को टोंक के मालपुरा थाना क्षेत्र में हुए सांप्रदायिक दंगों से जुड़े बच्चों के दोहरा हत्याकांड प्रकरण में 14 आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया। पीठासीन अधिकारी श्वेता गुप्ता ने अपने आदेश में माना कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश किए गए साक्ष्य अपूर्ण और संदेहास्पद हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में मालपुरा निवासी राम प्रसाद, रतनलाल, रामस्वरूप, देवकरण, श्योजीराम, राम किशोर,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपराध साबित करने में निष्फल रहा है।

अमेरिका के कृषि मंत्रालय ने काफी खतरनाक रिपोर्ट दी, पाकिस्तान की "फूड सिचुएशन" के बारे में

रिपोर्ट के अनुसार, अगर पाक-अफगान युद्ध जारी रहा तो पाकिस्तान में फूड, विशेषकर गेहूँ के लाले पड़ जाएंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 फरवरी। पाकिस्तान ने "ऑपरेशन ग़ज़ब लिल हक़" शुरू करके अफगानिस्तान के खिलाफ "खुली जंग" का ऐलान कर दिया है। इसी बीच अमेरिका के कृषि विभाग (यूएस डिपार्टमैंट ऑफ एग्रीकल्चर-यूएसडीए) की एक रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी दी है कि जारी युद्ध से पाकिस्तान में खाद्यान्न की भारी कमी हो सकती है, खासकर गेहूं उत्पादन में अनुमानित कमी के कारण। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष पाकिस्तान में गेहूं उत्पादन पिछले साल की तुलना में लगभग 22 लाख टन कम रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध से गेहूं की कमी की स्थिति और गंभीर हो जाएगी।

पाकिस्तान द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद, जिनमें कथित तौर पर 130 तालिबान लड़ाके मारे गए, अफगानिस्तान ने, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के गेहूं उत्पादन क्षेत्र में रहने वाले बलोच अलगाववादियों के समर्थन से, जवाबी हमला किया। अमेरिकी रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध से पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर गेहूं की कमी हो सकती है, क्योंकि संघर्ष का केन्द्र वही गेहूं उत्पादन क्षेत्र है, जो बलोच नियंत्रण में बताया जाता है।

पाकिस्तान में इस साल गेहूं उत्पादन यूँ भी कई कारणों से कम रहने का अनुमान है। इनमें लंबे समय से चला आ रहा सूखा और सरकार द्वारा 2025-26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य घोषित करने में देरी शामिल है, जिसके कारण किसान दूसरी फसलों की ओर जा रहे हैं। भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के फैसले ने भी इस संकट को बढ़ा दिया है। नई दिल्ली ने साझा नदियों के जल स्तर का डेटा साझा करने का तरीका बंद कर दिया है, जिससे, पाकिस्तान की अपने बांधों का प्रबंधन करने की क्षमता प्रभावित हुई है, क्योंकि देश की जल भंडारण क्षमता पहले से ही कम है।

इस बीच, टकराव की स्थिति में कोई कमी नहीं दिख रही है। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करज़ाई ने कहा है कि "अफगान अपने प्रिय देश की रक्षा एकता और साहस के साथ करेंगे।"

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अता उल्लाह तरार ने कहा है कि 133 अफगान तालिबान लड़ाके मारे गए और 200 से अधिक घायल हुए हैं। वहीं इसी बीच, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि 2611 किलोमीटर लंबी डूरंड रेखा पर जवाबी कार्रवाई में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पहले तो पाकिस्तान में काफी लम्बा सूखे का दौर चला और फिर सरकार ने गेहूँ की "सपोर्ट प्राइज़" (समर्थन मूल्य) घोषित करने में काफी विलम्ब किया। अतः किसानों ने अन्य फसलें बो दीं, विकल्प के रूप में।
- अतः, पाकिस्तान में गेहूँ का उत्पादन इस वर्ष, गत वर्ष की तुलना में, 22 लाख टन कम होने की आशंका है।
- युद्ध के बाद, बलूच अलगाववादियों व अफगानी तालिबानी योद्धाओं ने हाथ मिला लिया है, तथा पाकिस्तान की "व्हीट बैल्ट", पख्तूनरववा क्षेत्र, जो बलूचियों के कब्जे में है, में गेहूँ का उत्पादन काफी प्रभावित हुआ है और पाकिस्तान को गेहूँ की भारी "शॉर्टेज़" का सामना करना पड़ेगा।
- साथ ही भारत द्वारा "इंडस वॉटर ट्रीटी" को अस्वीकार करने के बाद, नदियों के जल स्तर की जानकारियाँ साझा करने की परम्परा खत्म हो गई है। अतः, पाकिस्तान अपने बाँधों का जल स्तर ठीक से मैनेज नहीं कर पा रहा है और इससे भी गेहूँ के उत्पादन को काफी नुकसान हुआ है।

ममेरे भाई की हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जयपुर, 27 फरवरी। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 महानगर प्रथम ने तीन साल पहले शहर के निर्माण नगर इलाके में सिर पर गोली मारकर ममेरे भाई की हत्या करने वाले अभियुक्त विकास शर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर नौ हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को सजा से दंडित किया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने अदालत को बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तीन साल पहले निर्माण नगर में अभियुक्त के घर पर उसके ममेरे भाई की गोली लगने से मौत हुई थी।

निवेश का झांसा देकर ठगने वाला शातिर गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन साइबर शील्ड के तहत एयरपोर्ट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए लोगों को कम समय में पैसा दोगुना करने का लालच देकर साइबर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और टेलीग्राम के जरिए लोगों को कम समय में पैसा दोगुना करने का लालच देकर साइबर ठगी करने वाले आरोपी गणेश मीणा सोशल मीडिया पर लोगों से संपर्क कर 5 हजार रुपए को 25 हजार रुपए बनाने का झांसा देता था। निवेश के नाम पर वह लोगों से पैसे लेकर ठगी करता था।

इस पर थानाधिकारी रुपनारायण यादव के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए शातिर साइबर अपराधी गणेश मीणा (22) निवासी बाटोडा जिला सवाई माधोपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं, जिनका उपयोग ठगी में किया जाता था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खोला सौगातों का पिटारा

- **आगामी वर्ष में 1.25 लाख पदों का भर्ती कैलेंडर जारी होगा। माउंट आबू का नाम अब ''आबू राज'', जहाजपुर का नाम ''यज्ञपुर'' तथा कामां का नाम ''काम वन'' होगा। सरकार अगले साल 150 रुपये बोनस के साथ गेहूं की खरीद 2735 प्रति क्विंटल की दर से करेगी।**

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विधानसभा में शुक्रवार को वित्त एवं विनियोग विधेयक पर जवाब के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को एक बार फिर बड़ी सौगात देते हुए आगामी वर्ष में 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती हेतु कैलेंडर जारी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास तथा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जयपुर में 450 करोड़ रुपये की लागत से अटल बिहारी वाजपेयी ग्लोबल सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विरासत संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए माउंट आबू का नाम ''आबू राज'', जहाजपुर का नाम ''यज्ञपुर'' तथा कामां का नाम ''काम वन'' करने की घोषणा की। उन्होंने संकल्प पत्र में 2 हजार 700 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेंहू खरीद का वादा पूरा करते हुए आगामी वर्ष में 150 रुपये बोनस के साथ गेहूं की खरीद 2735 रुपये प्रति क्विंटल से करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

'चुनौती दी, लेकिन विपक्ष में सामना करने की हिम्मत नहीं थी : भजनलाल शर्मा

जयपुर। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान एप्रोप्रिएशन बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और ''दो साल बनाम पांच साल'' की बहस को लेकर विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष ने बहस की चुनौती दी थी, लेकिन जब सरकार ने उसे स्वीकार किया तो सामना करने की हिम्मत नहीं दिखाई और हंगामा कर सदन छोड़ दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के भीतर आपसी अंतर्कलह है और कुछ लोग नहीं चाहते थे कि नेता प्रतिपक्ष अपनी बात रखें। इसी कारण जानबूझकर व्यवधान खड़ा किया गया। आज उन्हें रोकने वाले सदन में नहीं है, इसलिए वे बोल पाए।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में की महत्वपूर्ण घोषणाएं.....

- पंचायतीराज संस्थाओं और नगरीय निकायों को आगामी वर्ष में 9200 करोड़ रु. मिलेंगे।
- प्रदेश में 2000 करोड़ रुपए का विद्यालय आधारभूत संरचना कोष।
- वीबीजीरामजी योजना में 4000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।
- सामाजिक सुरक्षा पैंशन 150 रु. बढ़ोतरी के साथ 1450 रु. मिलेगी।
- 653 करोड़ की लागत से सिंचाई सुविधाओं से संबंधित कार्य होंगे।
- मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 500 करोड़ रु. का अतिरिक्त प्रावधान।
- 900 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण, सुदृढ़ीकरण व पुल निर्माण।
- 83.25 करोड़ की लागत से विभिन्न जिलों में नई पाइपलाइन, जलाशय, नलकूप स्थापना व पुनर्जीवन कार्य।
- 132 केवी के दो एवं 33/11 केवी के 11 जीएसएस स्थापित होंगे
- 33 केवी तक विद्युत कनेक्शन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।
- नॉन एससी/एसटी श्रेणी के काश्तकारों को अपनी कृषि भूमि का अक्षय ऊर्जा परियोजना के लिए भू-रूपान्तरण, अप्रोच रोड के लिए स्वप्रमाणन के आधार पर, उपखण्ड अधिकारी या सहायक आयुक्त, उपनिवेशन के स्तर पर ही किये जाने की व्यवस्था।
- जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण में लगभग 42.80 किलोमीटर दूरी में 13600 करोड़ रु. लागत के कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।
- जयपुर में द्रव्यवती नदी पर 36 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड की डीपीआर बनेगी।
- रोडवेज के लिए 300 नई बसें खरीदेंगे, उप नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 नए परमिट।
- संभाग मुख्यालयों एवं बड़े शहरों में 20 टाउन प्लानिंग योजनाएं
- भिवाड़ी में जल भराव की समस्या दूर करने के लिए 150 करोड़ रु. के कार्य।
- बालोतरा जिले में कौशल विकास हब बनेगा।
- औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल व विद्युत व्यवस्था पर 300 करोड़ रु. खर्चेंगे।
- पंजीकृत दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति का प्रस्ताव।
- 25 हजार दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण तथा 2500 दिव्यांगजनों को निःशुल्क स्कूटी।
- व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पट्टे जारी करने हेतु विशेष अभियान, वनाधिकार पट्टों की राजस्व रिकॉर्ड में प्रविष्टि।
- 8.50 लाख जनजाति कृषकों को निःशुल्क संकर मक्का बीज देंगे।
- जनजाति क्षेत्र 5 हजार युवाओं को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ब्याजमुक्त ऋण।
- चिकित्सा क्षेत्र में आधारभूत संरचना के निर्माण व मरम्मत के लिए 1500 करोड़ का प्रावधान।
- 50 नए पशु चिकित्सा उपकेन्द्र, 25 पशु चिकित्सालय खोले जाएंगे।
- प्रतापगढ़ एवं बांसवाड़ा में 50 हजार लीटर के डेयरी प्लांट।
- गौ-सेवा नीति-2026 लाई जाएगी। 1000 नए अटल ज्ञान केन्द्रों की स्थापना।
- 2 नवीन पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय, एक नया पुलिस थाना, 4 पुलिस चौकियों का क्रमोन्नयन।
- डिजिटल स्किल रखने वाले युवाओं के लिए ऑरेंज इकोनॉमी इंसेंटिव स्कीम
- पत्रकारों के लिए राजस्थान आवासन मंडल से जयपुर में आवासीय योजना।
- विधायकों के वेतन में महंगाई भत्ते के अनुसार बढ़ोतरी आगामी वित्तीय वर्ष से लागू होगी।
- 60 वर्ष से अधिक आयु के अधिस्वीकृत पत्रकारों को 18 हजार रु. प्रतिमाह व दिवंगत अधिस्वीकृत पत्रकारों की पत्नी को 9 हजार रुपये प्रतिमाह की सम्मान राशि की घोषणा।

जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष मेहता सहित अन्य आरोप मुक्त

जयपुर (कासं)। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने हजारों फर्जी डिग्री जारी करने के मामले में चर्चा में आए जोधपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के पूर्व अध्यक्ष कमल मेहता सहित अन्य को विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित कराने के मामले में आरोप मुक्त कर दिया है। पीठासीन अधिकारी कन्हैयालाल पारीक ने कमल मेहता के साथ ही संध्या नागोरी, शैलेन्द्र और जयदीपदास गुप्ता को आईपीसी की विभिन्न धाराओं से आरोप मुक्त करते हुए कहा है कि अभियोजन पक्ष की ओर से पेश साक्ष्य से यह साबित नहीं होता कि आरोपियों ने किसी व्यक्ति से छल कर संपत्ति प्राप्त की हो।

अदालत ने कहा कि मामले में जो एफआईआर दर्ज कराई गई है, वह विवि की ओर से विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजन कराने के संबंध में है, न किसी किसी के साथ छल को लेकर। इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से 3 जुलाई, 2015 को जारी आदेश केवल नए विद्यार्थियों को प्रवेश देने पर रोक लगाने के लिए था। पूर्व के अध्ययनरत विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित करने या नहीं कराने के संबंध में कोई आदेश नहीं था। इसके अलावा यह भी साबित नहीं है कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज बनाया हो।

अदालत ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ फर्जी अंकतालिकाओं के संबंध में मामला अदालत में लंबित है। उस प्रकरण में यह सामने नहीं आया कि अदालत ने किसी अंकतालिका को फर्जी माना हो। इसके अलावा जांच इस आधार पर केन्द्रित थी कि जिन विद्यार्थियों की सूची राज्य सरकार ने फर्जी बताई थी, विवि ने उनकी परीक्षा आयोजित कराई। जबकि मामले में हाईकोर्ट ने समय-समय पर परीक्षा आयोजित कराने के संबंध में निर्देश दिए। ऐसे में परीक्षा आयोजित कराना अवैध नहीं माना जा सकता। इसके अलावा परीक्षा आयोजित कराने का आदेश भी विवि के रजिस्ट्रार ने जारी किया था। जिसमें अन्य आरोपियों की कोई भूमिका नहीं थी। अदालत ने कहा कि विवि की ओर से परीक्षा आयोजित कराने पर रोक नहीं थी और यदि परीक्षा नहीं ली जाती तो इसका प्रभाव विद्यार्थियों के भविष्य, शैक्षिणक वर्ष और उनकी प्रगति पर भी पड़ता। गौरतलब है कि पैरा इन्फोटेक लि. के निदेशक विनय नारायण ने एसओजी को शिकायत दी थी। जिसमें कहा गया कि जिन विद्यार्थियों को फर्जी घोषित किया गया, विवि उनकी परीक्षा आयोजित कर रहा है।

चोर गिरफ्तार

जयपुर। सेज थाना पुलिस ने पान की दुकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर फरार हुए शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। पुलिस उपायुक्त हनुमान प्रसाद ने बताया कि सेज पुलिस ने पान की दुकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर फरार हुए शातिर चोर तैय्यब खान (27) निवासी कुड़गांव करौली को गिरफ्तार किया।

नाम परिवर्तन

मै खुशबू कुमारी, सेना क्रमांक 13766975N हावलदार बदन सिंह, 18 जेक राइफल, निवासी ग्रामध्पोस्ट–कैमरी (ढंड का पुरा), तहसील–नादौती, जिला– करौली (राजस्थान) पिन-322216 की पुत्री हूँ। मेरा नाम मेरे पिताजी के सेवा अभिलेख में गलती से खुशबू कुमारी दर्ज हो गया जो कि गलत है। मेरे आधार कार्ड और अन्य दस्ताबेजों में सही नाम खुसबू बाई है। अतः भविष्य मै मेरे पिताजी के सेवा अभिलेख में भी यही नाम मान्य होगा।

खोया पाया

मेरे आवास 66/167 वी.टी. रोड मानसरोवर जयपुर के मूल कागजात अलोटमेंट लैटर Perpetual Deed, Connivance Deed, Possession letter, Hand over taken over, No dues, Declaration कही खो गये हैं (जो कि आवासन मण्डल द्वारा चमेली देवी के नाम से जारी है) कृपया मिलने पर सूचित करें-8076127117

मेरे प्लाट नंबर 864 आनंद लोक, फेज-2 सीकर रोड, जयपुर के मल अलॉटमेंट कम डिमांड लेटर स्वर्ण पथ, मानसरोवर में कहीं खो गया है जो कि जेडीए द्वारा ओम प्रकाश गोयल के नाम से जारी है मिलने पर कृपया सूचित करें। 9829051945

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र सात्विक (SATVIK) का नाम बदलकर सात्विक गुप्ता (SATVIK GUPTA) रख लिया है। सम्पूर्ण दस्तावेजों, शैक्षणिक दस्तावेजों में भी (SATVIK GUPTA) ही है। भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। अंकुर गुप्ता, एफ-16, दीनदयाल कॉलोनी, निवाई, जिला-टोंक (राज.)

मैं आर्मी नंबर 1568747एफ हवालदार प्रजापति प्रकाश भाई निवासी फोरना बनासकांठा गुजरात मेरे सैनिक दस्तावेज में नाम प्रजापति प्रकाश ऐस.बी. है। जो कि गलत है मेरा नाम प्रजापति प्रकाश भाई है। जो कि सही और सत्य है।

I, APPANI LINGU mother of No. 8039076N L/NK(GD) APPANI RAMU R/o Vill: Perkapally, Po:Thippannapeta, Teh: Jagityal, PS: Jagityal, Dist: Karimnagar, State: Andhra Pradesh, PIN: 505529 have changed my name from APPANI LINGU to APPANI LINGAMMA and date of birth also changed from 14 JUN 1968 to 01 JAN 1966 Vide affidavit No. CE830584 Date 27/02/2026 (Jaipur)

I, APPANI RAJAMALLU Father of No. 8039076N L/NK(GD) APPANI RAMU R/o Vill: Perkapally, Po:Thippannapeta, Teh: Jagityal, PS: Jagityal, Dist: Karimnagar, State: Andhra Pradesh, PIN: 505529 have changed my name from APPANI RAJAMALLU to APPANI RAYAMALLU and date of birth also changed from 14 JUN 1964 to 01 JAN 1961 Vide affidavit No. CE830585 Date 27/02/2026 (Jaipur)

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853
क्रमांक : 703 आम जाहिर सूचना दिनांक : 27.02.2026
राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 3/ब/23 जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 198.00 वर्ग गज का आवंटन श्री पदम चन्द जैन को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 133 दिनांक 28/01/1976 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 27.03.1991 को करवाया गया। एवं कार्यालय आदेश क्रमांक 3923 दिनांक 04/11/2025 जारी कर आवास संख्या 3/ब/24 जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 199.00 वर्ग गज का हस्तान्तरण संयुक्त रूप से श्रीमती राजरानी जैन पत्नी श्री पदम चन्द जैन एवं श्री रवि जैन पुत्र श्री पदम चन्द जैन के पक्ष में किया गया है। ... सम्पदा प्रबंधक, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1471 ... सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर
आवश्यक सूचना मूलतः आवास संख्या 7/31 ए.ई.बी. 82, योजना, अलवर जोकि श्री बाबूलाल शर्मा पुत्र श्री कल्याण सहाय शर्मा को आवंटन पत्रांक 2672 दिनांक 16.07.1987 के द्वारा आवंटित किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त आवास का बेचान जर्ये अपंजीकृत दस्तावेज द्वारा श्री पी.डी. सेमुअल को कर दिया गया। उक्त दस्तावेजों के आधार पर मण्डल द्वारा आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 6426 दिनांक 21.02.2003 को श्री पी.डी. सेमुअल पुत्र श्री डेनियल पी.जे. के नाम जारी कर दिया गया था। ... उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-अलवर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2026/331 ...
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 04.05.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 134/2025 (ऑनलाईन) ...
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.04.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान करौली (राज.)
क्रमांक:-डाइट/करौली/लेखा/2025-26/978 दिनांक: 27.2.2026
खुली बोली आमंत्रण सूचना सं. 11/2025-26
डाइट संस्थान करौली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में कम्प्यूटर सेट, प्रिण्टर, एलईडी एफएचडी, हार्ड ड्राईव एवं पैन ड्राईव आपूर्ति हेतु इच्छुक संवेदक/फर्मो से खुली बोली दिनांक 07.03.2026 तक आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित अनुमानित लागत राशि 1.70 लाख रूपये है। विस्तृत जानकारी स्थानीय कार्यालय एवं बेवसाईट sppp.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।
UBN CODE:- EED2526GSOB02524
प्राचार्य डाइट करौली

VACANCIES: ARMY PRE PRIMARY SCHOOL, NIWARU
STAFF REQUIRED

1. Army Pre Primary School Niwaru, Jaipur invites applications for post of teachers and administrative staff on contractual basis.

Ser No.	Vacancios for	No. of Vacancy	Age limit	Qualification
(a)	Teacher	07	Minimum age 25 Yrs.	(a) Graduate with NTT/B.Ed from any recognized institute with minimum 50% Marks (b) Basic Knowledge of computers (c) Minimum one year teaching expenience
(b)	Ayah	04		(a) Minimum 8th class passed.

2. Last date of submission of application is 10 Mar 2026 at APPS Niwaru alongwith photocopy of above mentioned documents.
3. The offered salary will be competitive and comparable to what other reputable private schools in the area are offering.
4. For query contact no 0141-2982268, 9530267341
5. e-mail id- appsniwaru45ib@gmail.com

आम-सूचना श्रीमती ललिता सैनी पत्नी श्री महेश कुमार सैनी, जयपुर ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि0, जयपुर की योजना हनुमान नगर, मीनावाला, जयपुर के भूखण्ड संख्या-21 के मूल दस्तावेज गुम हो जाने बाबत गुमशुदगी रपट संख्या- LR.No. 2810808 दिनांक 27/06/2025 को पुलिस थाना-करणी विहार, जयपुर (पश्चिम) में दर्ज करवाई है तथा उक्त रिपोर्ट की प्रतिलिपि व बन्ध पत्र, शपथ पत्र समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बाबत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 15 दिवस की अवधि में उज्र व आपत्ति पेश करें: अन्यथा डुप्लीकेट पट्टा जारी किया जावेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांकः-एफ ()/न.नि.ज./मा0न0 जोन /2025/658
सार्वजनिक सूचना दिनांक : 27/2/26
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संदीप भटनागर पुत्र श्री जे0 पी0 भटनागर द्वारा भूखण्ड सं. जी 23 बजाज नगर गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर क्षेत्रफल 225.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख चाहा गया है। बजाज नगर गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या जी 23 क्षेत्रफल 225. 00 वर्गगज का आवंटन श्रीमती चन्द्रकुमारी पत्नी श्री आर0 के. वर्मा के पक्ष में स्वीकृति किया गया। श्रीमती चन्द्र कुमारी पत्नी श्री रामकिशन द्वारा जरिये नोटेरी प्रमाणित वसीयत दिनांक 04.06.1993 के द्वारा भूखण्ड संख्या जी 23 क्षेत्रफल 225.00 वर्गगज की संदीप भटनागर पुत्र श्री जे0 पी0 भटनागर के पक्ष में सम्पादित की गई। श्रीमती चन्द्रकुमारी पत्नी श्री राधाकिशन की मृत्यु दिनांक 24.11.1993 को हो चुकी है। आवेदक के द्वारा आवेदन के साथ प्रस्तुत किये गये अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड सं. जी 23 बजाज नगर गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का पट्टा विलेख नगर निगम जयपुर द्वारा श्री संदीप भटनागर पुत्र श्री जे0 पी0 भटनागर के पक्ष में किया जाना है। इस पट्टा विलेख बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार पट्टा विलेख की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त-मालवीय नगर जोन नगर निगम जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मंगलम विहार सीकर रोड जयपुर स्थित प्लाट नंबर ए-30, ए-78, ए-136 ... (लक्ष्मीकान्त शर्मा) एडवोकेट, जयपुर, दिनांक-27.2.26, फोन-0141-2222555, मो.-9414068234

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 60/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री साकिर हुसैन पुत्र बच्चू खान निवासी मोजपुर, तहसील लक्ष्मणगढ अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत तामीर ए मिल्लत शिक्षण संस्थान ग्राम साहोडी पंचायत समिति उमरैन तहसील अलवर जिला अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित ...
आज दिनांक 26.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30.04.2026
सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट (पश्चिम) जयपुर महानगर द्वितीय जयपुर
श्रीमति केली देवी व अन्य बनाम भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र.....
प्रार्थना-पत्र संख्या 22 सन 2026
1. भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर जरिये अधिकृत प्रतिनिधि राजेश गोयल पुत्र श्री रामपाल गोयल निवासी प्लाट नम्बर ए-60 लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर। 2. राजेश गोयल पुत्र श्री रामपाल गोयल आयु व्यस्क, निवासी प्लाट नम्बर ए-60, लक्ष्मीनारायणपुरी, जयपुर। 3. रूचिका गोयल पुत्री श्री निर्मल कुमार गोयल आयु व्यस्क निवासी बी-8-ए, गोविन्द मार्ग, सेठी कॉलोनी, जयपुर। 4. रीता गोयल पुत्री श्री दीपचन्द गोयल आयु व्यस्क, निवासी एस आर-3, ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर। 5. शीतल गोयल पुत्री श्री दीपचन्द गोयल आयु व्यस्क, निवासी एसआर-3 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर। 6. किरण देवी पत्नी श्री अशोक कुमार आयु व्यस्क निवासी एसआर-5 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर ...
रीडर, सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, (पश्चिम) जयपुर महानगर द्वितीय

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.) ... अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश संख्या 12 जयपुर महानगर प्रथम मुख्यालय सांगानेर

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 व किराए के दावा/बेदखली बाबत ... राकेश रावत विरुद्ध पवन खूंटेटा ... सचिव, अपील अधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21) राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस ... मुकदमा नम्बर : DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1487 ... सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
Mobile No.: 8005842512 Email: dean.coabharatpur@sknau.ac.in
No. F. /OT/COA-K/2026/6635 Dated: 25.02.2026
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding supply of **Sports Items and Laboratory Equipment's** are invited from interested bidders upto 01 PM of 06.03.2026 and the tender will be opened on 06.03.2026 at 02.30 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan state; and www.sknau.ac.in University Website.
NIB code: SKN2526A0474 and UBN is: SKN2526GSOB00511
Yours faithfully,
Raj.Samwad/C/25/21526 DEAN

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY)
Kumher, Distt. - Deeg, PIN- 321201
Mobile No.: 8005842512 Email: dean.coabharatpur@sknau.ac.in
No. F. /OT/COA-K/2026/6632 Dated: 24.02.2026
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding supply of **Computers i3 Desktop** are invited from interested bidders upto 01 PM of 06.03.2026 and the tender will be opened on 06.03.2026 at 02.30 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan state; and www.sknau.ac.in University Website.
NIB code: SKN2526A0473 and UBN is: SKN2526GSOB00510
Yours faithfully,
Raj.Samwad/C/25/21528 DEAN

कार्यालय राजधानी कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) जयपुर
क्रमांकः–2966–89 दिनांकः– 24.02.2026
विज्ञप्ति
सर्व सूचित किया जाता है कि राजधानी मण्डी प्रांगण में सीकर रोड़ जयपुर में आवंटन समिति की बैठक दिनांक 13.03.2026 में 'ख' वर्ग दलाल संघ को 1000 वर्गमीटर का भूखण्ड प्रभावी डी.एल.सी. दर पर आवंटन पर विचार किया जाना है तथा न्यायालय से सम्बधित विभिन्न निर्णित प्रकरणों पर भी विचार किया जाना है, अतः रजिस्टर्ड दलाल संघ जिन्हें भूखण्ड आंवटन के लिए आवेदन करना है, तथा आवंटन से सम्बंधित न्यायालय में पूर्व में निर्णित प्रकरणो को निस्तारण करवाना हो तो मण्डी कार्यालय में दिनांक 09.03.2026 तक आवेदन प्रस्तुत करें, इसके पश्चात प्राप्त प्रकरणों पर विचार नहीं किया जावेगा।
राज.संवाद/सी/25/21531 सचिव प्रशासक

BIKE BAZAAR
व्हील्सईएमआई प्राइवेट लिमिटेड
3A श्याम शकुंतल हाइट्स, मोदी बाग, गणेशखिंड रोड, डेक्कन व्हील्स शोरूम के पीछे, शिवाजीनगर, पुणे – 411016, महाराष्ट्र
सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि व्हील्सईएमआई प्राइवेट लिमिटेड, जो कि भारतीय रिज़र्व बैंक में पंजीकृत एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है तथा जिसका पंजीकृत कार्यालय 3A श्याम शकुंतल हाइट्स, मोदी बाग, गणेशखिंड रोड, डेक्कन व्हील्स शोरूम के पीछे, शिवाजीनगर, पुणे – 411016, महाराष्ट्र में स्थित है, अपने शाखा कार्यालय को बंद करने का प्रस्ताव कर रही है, जो दूसरी मंजिल, गणपति प्लाजा, एमआई रोड, जयपुर -302001 में स्थित है। यह शाखा बंद करने की प्रक्रिया आंतरिक व्यावसायिक पुनर्गठन के अंतर्गत की जा रही है।
आरबीआई के निर्देशों के अनुपालन में, यह सूचना प्रस्तावित बंदी की तिथि 30/05/2026 से पूर्व प्रकाशित की जा रही है, ताकि ग्राहकों, उधारकर्ताओं, व्यापारिक भागीदारों एवं आम जनता को निरंतर सेवाओं की व्यवस्था के बारे में सूचित किया जा सके। संबंधित शाखा से जुड़े सभी ग्राहकों को हमारी अन्य शाखा से जो ओरियन प्लाज़ा, प्लॉट नंबर 2E/23, चौथी मंज़िल, कार्यालय संख्या 403 – 404, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली – 110055 में स्थित है, बिना किसी व्यवधान के सेवाएं प्रदान की जाती रहेंगी। शाखा बंद होने के पश्चात, ग्राहक हमारे कस्टमर सपोर्ट सेंटर से संपर्क कर सकते हैं: ई-मेल: customercare@bikebazaar.com ; संपर्क नंबर: 07770005566
व्हील्सईएमआई प्राइवेट लिमिटेड के लिए
हस्ताक्षरित/-
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता दिनांक: 28-02-2026

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.
सूचनाः पते में परिवर्तन
संबंधितों को सूचित किया जाता है कि **30/04/2026** से हमारी मौजूदा क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर (कोड-0481) निम्न पते पर स्थानांतरित होगी :
नया पताः
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड., ''सिद्धि राज एमिनेंस'', द्वितीय तल, प्लॉट नं. 98 से 104, स्कीम नं.16ए, गिरनार कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर-302021, राजस्थान
पुराना पताः
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड., द्वितीय तल, एआरजी कोरपोरेट पार्क, प्लॉट नं. 8 व 9, गोपालबाड़ी, अजमेर रोड, जयपुर-302001, राजस्थान
ऊपर दर्शाया गया ट्रेड लोगो भारतीय स्टेट बैंक का है जिसे एसबीआई लाइफ इंस्योरेंस कंपनी लाइसेंस के अधीन उपयोग करती है। कंपनी का प्रधान कार्यालय ''नटराज'', एमवी रोड वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे जंक्शन, अंधेरी (पूर्व), मुंबई-400069 है जिसका पंजीयन विवरण निम्नानुसार है: IRDAI Regn. No.111 | CIN : L99999MH2000PLC129113 | Website: www.sbilife.co.in | Email: info@sbilife.co.in | टॉल फ्री नं.: 1800 267 9090 (ग्राहक सेवा समय : 24X7)

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID:bdo.jai.gov@gmail.com Phone No. 01423-230025
क्रमाकः- पंसगो / लेखा/ई-निविदा/2025/245 दिनांकः-27.02.2026
निविदा सूचना संख्या /2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 में पंचायत समिति गोविन्दगढ एवं अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनओं में स्वीकृत कार्यो / संकर्म हेतु सक्षम श्रेणी मे पंजीकृत प्रतिष्ठानों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र मे निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।
NIB NO online PFA2526A0488 To PFA2526A0491
UBN NO online- PFA2526WSOB00489 To PFA2526WSOB0049
NIB NO OFFLINE-PFA2526A0493 To 2 PFA2526A0501
UBN NO OFFLINE-PFA2526WSOB00494 To PFA2526WSOB00503
विकास अधिकारी
पंचायत समिति गोविन्दगढ़ (जयपुर)

समाचार पत्र राष्ट्रदूत दैनिक, जयपुर
फार्म नं. 4 (नियम 8 देखें)

1. प्रकाशन स्थान	जयपुर
2. प्रकाशन अवधि	दैनिक
3. मुद्रक का नाम	सोमेश शर्मा
नागरिकता	भारतीय
पता	1. सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर 2. सुधर्मा-II, लालकोठी, शॉपिंग सेन्टर, टोंक रोड़, जयपुर
4. प्रकाशन का नाम	सोमेश शर्मा
नागरिकता	भारतीय
क्या विदेशी है?	नहीं
पता	सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर
5. सम्पादक का नाम	राजेश शर्मा
नागरिकता	भारतीय
क्या विदेशी है?	नहीं
पता	सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार व हिस्सेदार हों।	राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) कर्ता श्री राजेश शर्मा सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर

मैं सोमेश शर्मा, एतद् घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य है।

28-02-2026 ह. सोमेश शर्मा, प्रकाशक के हस्ताक्षर

शेरो-शायरी के साथ नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा में सरकार पर तंज कसे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में वित्त और विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को सदन का माहौल उस समय गरमा गया, जब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने राज्य सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए तीखा भाषण दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर चला।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

- **टीकाराम जूली ने कहा कि ''सिलेंडर की कीमत, बिजली दर, रोजगार सृजन और किसान हित योजनाओं को लेकर किए गए दावे धरातल पर पूरी तरह लागू नहीं हुए।''**
- **नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे, जयपुर-जोधपुर की सड़क दुर्घटनाओं तथा सवाई मानसिंह अस्पताल में आग की घटनाओं का जिक्रकरते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया व प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए।**

जूली ने अपने संबोधन की शुरुआत शेरो-शायरी से करते हुए सत्ता के अहंकार पर तंज कसा और 'दो साल बनाम पांच साल' के विकास मॉडल पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के पांच वर्षों की तुलना में मौजूदा सरकार अपने दो वर्षों में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाई है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री के 2023 के चुनावी वादों का हवाला देते हुए कहा कि सिलेंडर की कीमत, बिजली दर, रोजगार सृजन और किसान हित योजनाओं को लेकर किए गए दावे धरातल पर पूरी तरह लागू नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ योजनाओं का नाम बदलकर दोबारा पेश किया गया, लेकिन उनका वास्तविक लाभ आमजन तक सीमित रूप से पहुंचा। जूली ने मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कई जगह छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई करनी पड़ रही है। भरतपुर के आरबीएम अस्पताल भवन और महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस की इमारत का जिक्र करते हुए उन्होंने संचालन में देरी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों को लेकर कहा कि राजस्थान में दरें पडौसी राज्यों से अधिक हैं। बजट में 0.81 प्रतिशत महंगाई दर बताए जाने पर उन्होंने आंकड़ों का स्रोत पूछा। एमओयू के जरिए 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के दावों पर भी उन्होंने पारदर्शिता की मांग की और कहा कि घोषित निवेश और धरातल पर आए निवेश में अंतर स्पष्ट किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे, जयपुर और जोधपुर की सड़क दुर्घटनाओं तथा सवाई मानसिंह अस्पताल में आग की घटना का उल्लेख करते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई।

अपने भाषण में जूली ने कहा कि 'एप्सटीन फाइल्स' से भी बड़ी 'उदयपुर फाइल्स' है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि इन फाइलों का खुलासा हो जाए तो कई परतें सामने आ सकती हैं। हालांकि उन्होंने सदन की मर्यादा का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की, लेकिन सरकार पर गंभीर आरोपों के संकेत दिए। उनके इस बयान के बाद सदन में हलचल और बढ़ गई। जूली ने आरोप लगाया कि करीब 20 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को प्रभावी प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बजाय 'टेलीफोन ऑपरेटर' की तरह कार्य में लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अनुभवी अधिकारियों की क्षमता का सही उपयोग नहीं हो रहा और प्रशासनिक ढांचे में असंतुलन पैदा हो रहा है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति भी जताई। उन्होंने स्मार्ट सिटी, हर घर बिजली, गेहूं खरीद के आंकड़ों और केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता में राज्य की रैंकिंग गिरने का मुद्दा भी उठाया। पेपर लीक और कर्मचारी चयन बोर्ड से जुड़े मामलों में जांच की धीमी गति पर भी सवाल उठाए।

विधायक कार्यकर्ताओं पर एन.एस.यू.आई. के प्रदेश महासचिव से मारपीट का आरोप

जयपुर । राजधानी में खींवसर विधायक के कार्यकर्ताओं पर एनएसयूआई प्रदेश महासचिव के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। इस संबंध में पीड़ित ने ज्योति नगर थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस के अनुसार नागौर के खींवसर निवासी एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अनिल सारण (22) ने शिकायत में बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह राजस्थान विधानसभा के सामने स्थित विधायक आवास में जनप्रतिनिधियों से मिलने पहुंचे थे। वह किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी से मुलाकात करने जा रहे थे। इसी दौरान लिफ्ट में खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा का ड्राइवर मौजूद था, हालांकि लिफ्ट में कोई बातचीत नहीं हुई।

पुलिस के अनुसार विकास चौधरी के विधानसभा में होने की जानकारी मिलने पर वह भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़ से मिलने उनके फ्लैट पर पहुंचे। वहां बैठे होने के दौरान उन्हें विधायक रेवंतराम डांगा के सोशल मीडिया इंचार्ज के नाम से व्हाट्सएप कॉल आया। जिसमें किसी काम के बहाने नीचे बुलाया गया। पीड़ित का आरोप है कि बिल्डिंग के नीचे पहुंचने पर 8-10 लोग पहले से खड़े थे। उनके पास जाते ही रविंद्र डांगा, सुरेंद्र डांगा और ड्राइवर सहित अन्य लोगों ने गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। किसी तरह वहां से भागकर उन्होंने अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी।

निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है राजस्थान : भजनलाल शर्मा

प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है राजस्थान : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और नीतियों व प्रक्रियाओं को सरल बनाकर निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने उद्यिमयों से आव्हान किया कि वे राजस्थान में निवेश कर राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बनें और आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहयोग दें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित 'राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर में 'राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026' का उद्घाटन करने के बाद युवाओं से उनके प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डीपटेक, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले 2 वर्षों में आई-स्टार्ट कार्यक्रम से प्रदेश में 3450 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए थे, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डीपटेक, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों में आई-स्टार्ट कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में 3450 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं। एनिमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बजट 2026-27 में स्टार्टअप हब्स को टिंकरिंग लैब, डीप-टेक लैब्स और एआई लैब्स से सुसज्जित करने के लिए प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026 और राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को कैबिनेट से अनुमोदन मिल चुका है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के तहत पात्र उद्यमों को प्रीमियम में 75 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और 'राजनिवेश' पोर्टल के एकीकरण से निवेश प्रक्रिया और सरल हुई है। इस पोर्टल पर 49 हजार करोड़ रुपये के 2000 से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सशक्तीकरण के लिए राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की गई है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए राज्य के 33 जिलों में स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित किए गए हैं।

आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने कहा कि भारत और आर्मेनिया के बीच तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग किया जा रहा है। समिट से दोनों देशों के स्टार्टअप्स, निवेशक और नीति-निर्माता एक साझा मंच पर आए हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीक 'न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन' की अवधारणा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समिट के दौरान मुख्यमंत्री ने आर्मेनिया और राजस्थान के विभिन्न स्टार्टअप फाउंडर्स से संवाद भी किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, निवेशक और बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए प्रदेश में कानून की मांग

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान बच्चों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। शाहपुरा से विधायक मनीष यादव ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के डिजिटल उपयोग को नियंत्रित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर कानून बनाने की मांग की।यादव ने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चों और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताई कि कई बच्चे गैंगस्टरों को अपना आदर्श मानने लगे हैं, जो समाज के लिए गंभीर संकेत है। उन्होंने सुझाव दिया कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए आयु-आधारित डिजिटल विनियमन लागू किया जाए। इसके तहत डिफॉल्ट समय सीमा, रात्रिकालीन ऑटो-लॉक व्यवस्था और सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पैरेंटल कंट्रोल लागू किए जाएं। साथ ही, अवांछित कंटेंट पर त्वरित नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

- **शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए गए हैं।**
- **उन्होंने कहा कि देश के कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में भी इस प्रकार के कानून पर विचार किया जा रहा है।**

विधायक मनीष यादव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए गए हैं। देश के कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में भी इस प्रकार के कानून पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने पूरे सदन से मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाया जा सके और उनका बचपन सुरक्षित रह सके। उन्होंने इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा की भी मांग की।

इसी दौरान सदन में गुरुवार को हुए गतिरोध को लेकर नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा अध्यक्ष के बीच बहस भी हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने निर्धारित नियमों से अधिक समय विपक्ष को दिया है और किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया गया है। उन्होंने दोनों पक्षों को दिए गए समय का ब्यौरा भी सदन में रखा। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्य सचेतक की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया था, जैसा आरोप लगाया जा रहा है।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनके वॉकआउट के पीछे की गई टिप्पणी उचित नहीं थी। हास्य-व्यंग्य के बीच विभिन्न विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों के मुद्दे भी उठाए। शून्यकाल के बाद सदन में वित्त विनियोग पर चर्चा शुरू हुई।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर ट्रोमा सेंटर के निर्माण में गड़बड़ियों के आरोप गूंजे

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयकों पर चर्चा के दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दों पर आड़े हाथों लिया। विधायक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन में नरेगा सहित कई योजनाओं में घोटालों की शिकायतें केन्द्र सरकार तक पहुंची, जांच में ऐसे मामले सामने आए जहां वर्षों तक कागजों में तालाब खुदाई दिखाई गई, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं मिला। उन्होंने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्रॉमा सैंटर निर्माण में अनियमितताओं और जल जीवन मिशन में गड़बड़ियों पर भी सवाल उठाए। गोपाल शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि ''कांग्रेस की नीति : खाओ, पीयो, पचाओ और डकार मत लो'' वाली रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों में अच्छे बजट के बाद वित्त मंत्रियों को हटा दिया जाता था।

- **सिविल लाइंस विधायक ने सदन में भ्रष्टाचार पर कांग्रेस को घेरा**

जबकि भजनलाल शर्मा सरकार स्थिरता और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विपक्ष द्वारा सरकारी मुख्य सचेतक के साथ किए गए व्यवहार को उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और दलित समाज का अपमान बताया और इसकी कड़ी निंदा की। विधायक शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में समझाइश से सैकड़ों वर्गमीटर भूमि अतिक्रमण मुक्त कर सरकार को सौंपी गई है। उन्होंने सिविल लाइंस में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने, पूर्व में पारित नाम परिवर्तन प्रस्ताव लागू करने, एलिवेटेड रोड की शीघ्र स्वीकृति तथा कलेक्ट्रेट सर्किल पर तीन मंजिला भूमिगत पार्किंग निर्माण की मांग की।

हाईवे पर ट्रेलर में कार घुसी

जयपुर । जमवारामगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। हाईवे पर केबल से भरे ट्रेलर में बेकाबू कार पीछे से जा घुसी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। हालांकि आग भड़कने से पहले ही कार में सवार दोनों युवकों को बाहर निकाल लिया गया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। थानाधिकारी भगवान सहाय ने बताया कि घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे पिलर नंबर-42 के पास हुई। उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी प्रियांशु और हिमांशु कार से जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रेलर में उनकी कार पीछे से टकरा गई। प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि ब्रेक नहीं लग पाने के कारण कार ट्रेलर में जा घुसी। हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक ने कार में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला।

सार-समाचार

निर्वाण यूनिवर्सिटी में पुस्तक का विमोचन

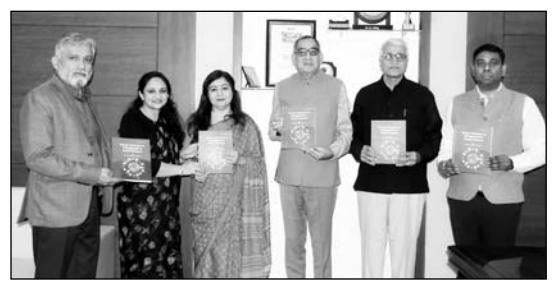

जयपुर । निर्वाण यूनिवर्सिटी जयपुर के शैक्षिणक परिवेश में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जुड़ गई, जब डॉ. विजयलक्ष्मी चौधरी द्वारा संकलित पुस्तक रीसेंट एडवांसमेंट इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज पुस्तक का गरिमामय लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग, कुलपति प्रो. एस. एल. गोदारा, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. भावना देथा, ओएसडी डॉ. संजय खन्ना तथा रजिस्ट्रार डॉ. सी. एम. राजोरिया ने पुस्तक का विमोचन किया। अतिथियों ने पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन के लिए डॉ. विजय लक्ष्मी चौधरी, एसोसिएट डीन, कला मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय को हार्दिक बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय की शैक्षिणक उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. विजय लक्ष्मी चौधरी ने बताया कि यह पुस्तक प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान के विविध आयामों पर आधारित बहु-विषयक अध्ययनों का सशक्त संकलन है।

जर्जर सड़कें दे रही हादसे को न्यौता

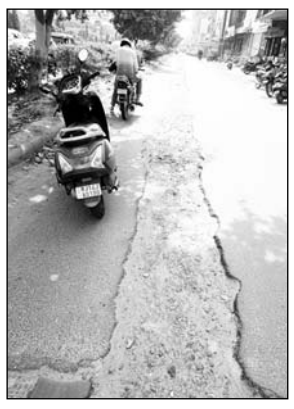

जयपुर । सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन की लापरवाही से लोग परेशान है। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर स्थित मॉडल टाउन इलाके में बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कें की मरम्मत तो आज तक हुई नहीं, अपितु जलदाय विभाग सहित कुछ दूसरे सरकारी विभागों द्वारा खोदी गई सड़कें आज तक सरकार ठीक नहीं कर पायी है। इसका खामियाजा जनता को उठाना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त सड़कें दुर्घटना का मुख्य कारण बन रही है। टूटी सड़क और गहरे गड्ढों के कारण सड़कों पर वाहन चलाते समय दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है। देखा जाता है मिलीभगत के चलते सडक निर्माण में घटिया सामग्री लगा दी जाती है। इससे सडक बनने के कुछ ही समय के बाद क्षतिग्रस्त हो जाती है।

प्रिंसिपल के तबादले पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग में कार्यरत दूसरे कर्मचारी को निकट स्थान पर समायोजित करने के लिए मौजूदा प्रिंसिपल का तीन सौ किलोमीटर दूर किए तबादला आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा विभाग सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश इंदिरा मीणा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में अधिवक्ता विकास सोमानी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जमवारामगढ़ के एक स्कूल में प्रिंसिपल के तौर पर तैनात है। उसका गत 22 सितंबर को यहां से करीब तीन सौ किलोमीटर दूर करौली जिले के रतियापुरा स्कूल में तबादला कर दिया गया। याचिका में आरोप लगाया गया की विभाग ने एक अन्य प्रिंसिपल भूरा सिंह मीणा को निकट स्थान पर समायोजित करने के लिए अपीलार्थी को सुदूर क्षेत्र में तबादला किया गया है। अपील में यह भी कहा गया कि अपीलार्थी अपने सेवाकाल के 19 सालों में अधिकांश समय जयपुर से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में रही है। वहीं उसके पति रेलवे में है और उन्होंने 23 साल राजस्थान के बाहर सेवाएं दी हैं। गत 14 अगस्त को उन्हें जयपुर में तबादला किया गया, लेकिन अपीलार्थी को बाहर भेज दिया गया। ऐसे में उसके तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने तबादला आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

पुलिस कमिश्नर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल शनिवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक शिप्रा पथ थाने पर उपस्थित रह कर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान मानसरोवर सर्कल के शिप्रा पथ, मानसरोवर, मुहाना, नारायण विहार एवं पत्रकार कॉलोनी पुलिस थाने क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

भू-अभिलेख निरीक्षक 3.80 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर नगर-द्वितीय टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए वृत्त जयपुर-पश्चिम में पदस्थापित भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को 3 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई इस ट्रैप कार्रवाई में आरोपी को परिवादी से नकद राशि लेते पकड़ा गया। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार पुश्तैनी जमीन के तकासमा कार्य के बदले 5 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा था और भुगतान के लिए दबाव बना रहा था।

शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने परिवादी से 20 हजार रुपए प्राप्त कर शेष 4 लाख रुपए लेने पर सहमति जताई। आरोप है कि वह 1 लाख रुपए स्वयं के लिए और 3 लाख

आरोपी अनिल कुमार

रुपए उपखंड अधिकारी जयपुर-प्रथम के लिए लेने की बात कह रहा था। सत्यापन के बाद एसीबी ने जाल बिछाया। जहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई करते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को 3.80 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

चलती रोडवेज बस में आग

जयपुर। मानसरोवर इलाके में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया, जब चलती राजस्थान रोडवेज की बस में अचानक आग लग गई। घटना करीब 2:40 बजे मानसरोवर रीको चौराहा के पास हुई। बस में सवार करीब 70 यात्रियों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

राजस्थान रोडवेज की यह बस सिंधी कैंप से केकडी के लिए रवाना हुई थी। मानसरोवर से सांगानेर की ओर जाते समय अचानक बस से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को तुरंत सड़क किनारे रोक दिया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। मानसरोवर फायर स्टेशन की फायरमैन शकुंतला सैनी के अनुसार शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग वायरिंग के जरिए इंजन तक पहुंच गई, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाडियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

अवैध हथियार फैक्ट्री चलाने वाले दो बदमाश एस.ओ.जी. के हत्थे चढ़े

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने अवैध हथियार बनाने वाले दो फरार आरोपियों को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पिछले सात साल से फरार चल रहे थे और अपने घर पर ही हथियार बनाने की फैक्ट्री संचालित कर रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलवीर सिंह उर्फ बल्लू उर्फ बलवीर सरदार (54) और पंडित उर्फ अनिल डावर (28) निवासी गंधवानी धार (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर मध्य प्रदेश में दबिश देकर दोनों को पकड़ा।

- **पिछले 7 साल से फरार थे आरोपी, घर पर ही बना रहे थे हथियार**

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी लंबे समय से अवैध पिस्टल और माउजर तैयार कर तस्करों को सप्लाई कर रहे थे। आरोपियों के ठिकाने से हथियार बनाने में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि जुलाई 2020 में एसओजी ने कार्रवाई करते हुए हथियार तस्कर अंकुर लाल मीणा और हेमराज मीणा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 अवैध

गिरफ्तार आरोपी दलवीर सिंह और अनिल डावर

देसी पिस्टल व 2 अतिरिक्त मैग्जीन बरामद की थीं। इसके बाद मई 2023 में अकलेश मीणा और श्याम बिहारी मीणा को गिरफ्तार कर 6 अवैध देसी पिस्टल व 2 मैग्जीन जब्त की गई थीं। दोनों मामलों में पूछताछ के दौरान दलवीर सिंह और अनिल डावर के नाम सामने आए थे। एसओजी टीम दोनों आरोपियों की पिछले सात वर्षों से तलाश कर रही थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट पुरस्कार से नवाजा

मोहाली । भारत एवं विश्व स्तर पर आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान को बल देने वाले अग्रणी वैज्ञानिक और आयुर्वेदाचार्य, आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान मोहाली में आयोजित सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन एथनोफार्माकोलॉजी इंटेग्रटिंग ट्रैडिशनल मेडिसिन इन मॉडर्न हेल्थकेयर में ''एस.एफ.ई. उत्कृष्ट राष्ट्रीय एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान एथनोफार्माकोलॉजी एवं पारंपरिक औषधियों के शोध तथा विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शोधकर्ताओं को प्रदान किया जाता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आयुर्वेद की उपलब्धि है, यह सम्पूर्ण भारत की उपलब्धि है। पतंजलि, आयुर्वेद के उत्थान और जनमानस को सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में

प्रगतिशील है। पतंजलि द्वारा विकसित 90 से अधिक साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक दवाइयाँ और प्राकृतिक उपचार आज लोगों को सुरक्षित तथा प्रभावी स्वास्थ्य विकल्प प्रदान कर रहे हैं। पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोधकार्य प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो रहे हैं, जो आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों तथा पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों पर वैज्ञानिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

- **आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि ''यह व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आयुर्वेद व पूरे भारत की उपलब्धि है।''**

पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण की यह उपलब्धि हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण और साक्ष्य-आधारित शोधों की दिशा में पतंजलि की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का मजबूत प्रमाण है।

आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में पतंजलि ने आयुर्वेद को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण में प्रस्तुत करने के लिए अनेक शोध कार्य किए है। आचार्य बालकृष्ण को उनके शोध कार्यों के लिए अनेक वर्षों से स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिकों की सूची में विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में भी सम्मिलित किया जा रहा है।

ऑटो चोरी करने वाला दबोचा

जयपुर । श्याम नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ऑटो बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 19 फरवरी 2026 को दिलीप कुमार (24) निवासी जिला जमुई, बिहार हाल किरायेदार सुंदर नगर गणेशपुरी, मीणा पेट्रोल पंप के पीछे, दिल्ली रोड जयपुर ने थाना श्याम नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 9 फरवरी की रात करीब 11 बजे वह सिंधी कैंप से दो सवारियों को लेकर महिंद्रा सेज की ओर जा रहा था। रात करीब 11:30 बजे अजमेर रोड स्थित 200 फीट बाईपास पर पानी पीने के लिए नीचे उतरा, तभी दोनों युवक उसका ऑटो लेकर फरार हो गए थे।

ARBiT
it happens here...

Celebrating National Science Day: Honouring Innovation and Discovery

National Science Day, observed every year on February 28, celebrates the remarkable contributions of scientists and innovators in shaping our world. Commemorating the discovery of the Raman Effect by Sir C.V. Raman, this day inspires curiosity, critical thinking, and a passion for research across generations. Schools, universities, and scientific institutions organize exhibitions, lectures, and workshops to promote awareness about the role of science in everyday life. It is a reminder of the power of knowledge, experimentation, and discovery in driving progress, solving challenges, and building a brighter, more informed future for society.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
28 February 2026
A-B

#PADMASHRI

Books Over Rest

No entry fee. No ID cards. No questions asked. Just shelves of knowledge, open to anyone who walks in, students, researchers, writers, civil service aspirants, even judges

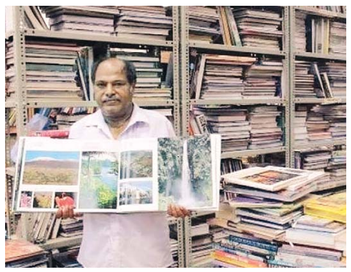

Anke Gowda.

Every night, Anke Gowda chose books over rest. Once a bus conductor, later a timekeeper at the Pandavapur Cooperative Sugar Factory, Gowda spent nearly 30 years working while quietly building a dream.

After long days as a bus conductor, he'd search for what others had left behind, old textbooks, torn novels, discarded dictionaries.

Over decades, that quiet habit grew into Pustak Mane, the world's largest free-access library with 2M+ books in 20 languages, rare manuscripts, documents from the Mysore dynasty, and newspapers dating back to the 1800s.

No entry fee. No ID cards. No questions asked. Just shelves of knowledge, open to anyone who walks in, students, researchers, writers, civil service aspirants, even judges.

"Books are my breath. It is my duty to preserve them for the next generation," Gowda says. Nearly 80% of his salary, his retirement pension of 40-45 lakh, and even his house and plots in Mysuru, all of it went into building the library.

Today, at 75, he doesn't just run the library, he lives inside it with his wife. Because for him, books were never a hobby. They were a responsibility. This Republic Day,

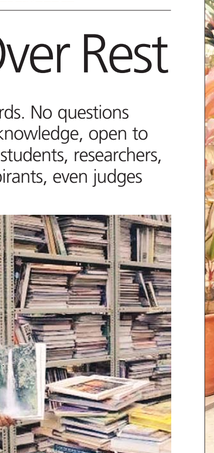

India honoured him with the *Padma Shri*. Impact doesn't always begin with a big idea. Sometimes, it begins with loving one small thing deeply and choosing it, every single day.

My Great-Grandfather's Armchair

My son looks at it with admiration. He believes that such a family heirloom never goes into retirement. It will always add to the glory of its past. He will sit on it when I am gone and so will Kabir, his grandson. There will be a space of honour for it in the years to come. It will never look incongruous amongst the present-day utilitarian furniture. The weight of its memories will give it the honoured place of a time machine.

The armchair in the garden today

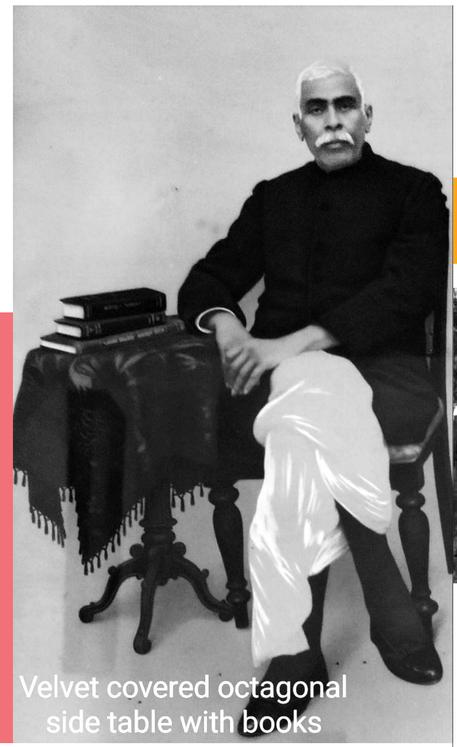

Velvet covered octagonal side table with books

As I sit on this chair, I often wonder who all sat on it? What did this chair witness in the last century and more. I can imagine my great grandfather, the Dewan of Jaipur, seated in his Baitakh Khana (sitting room). I imagine he looked quite elegant in the traditional white kurta dhoti while he sat there wearing embroidered Nagra shoes. He also liked to wear black leather locally made chappals with a curl on the tip when he went walking in the garden.

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

I have been having a wry neck for the last month. My son, an orthopedician, has told me that this is the result of bad posture. I tend to read in bed. A few pillows randomly placed behind my shoulder and head are what I use. I admit that while it is a comfortable way to sprawl and read books, newspapers and Kindle, it does end up with quite a bit of stiffness in the neck.

So, I decided to be a good boy and use my Great Grand Father's Arm Chair. It is the only family heirloom I had been able to scrounge from my ancestral home when things had become bad and the property was being sold in bits and pieces. As to why that happened is another story for another day.

The arm chair was a part of the rest of the furniture and it had no special significance. By itself, it has become one of the cherished items in my home. It is in my bedroom and I love to look at it even when nobody is sitting on it. By the present-day standards, it is ornate. It is made of teak wood with finely woven Burma cane for the seat and the back. The amazing thing is that even after more than 100 years, the cane has neither split nor gives any indication of doing so. The legs are finely tooled with multiple rings and intermittent globes which are not only elegant but also strong. The back is sloped at a comfortable 80 degree angle and the top part is an intricate wood carving with curls and fenestrations. The upper edge climbs from the sides to a central point giving a suggestion of it being throne like. At least it indicates that it was not a common chair but meant for someone eminent in the family.

As I sit on this chair, I often wonder who all sat on it? What did this chair witness in the last century and more. I can imagine my great grandfather, the Dewan of Jaipur, seated in his Baitakh Khana (sitting room). I imagine he looked quite elegant in the traditional white kurta dhoti while he sat there wearing embroidered Nagra shoes. He also liked to wear black leather locally made chappals with a curl on the tip when he went walking in the garden.

The chair would be placed differently according to his mood. If he was contemplating, it would face the long window through which the garden could be seen. While he sat thinking about matters grave and mundane, he would also appreciate the green well-trimmed lawn surrounded with colourful flower beds on the edge. He would observe the gardener trimming the bigger bougainvillea along the wall while the Bhishti (Water man) with his full-sized buffalo skin water bag was giving small quotas of water to the parched plants.

I do not know whether he could see the butterflies and bees flitting from plant to plant, but I am sure sitting there, the calmness would help him to sort out his thoughts and plans in a comfortable way. He would also see the Marble Chowki on which Swami Vivekananda sat when he passed through Jaipur on his visit to Khetri. It helped to recall the visits of the eminent people who came and stayed as guest in Sansar Villa. I do not think he smoked a Hukkah but I do remember seeing a silver cigarette case with his name and the family crest etched on it.

My great grandmother would put in the ten cigarettes he would smoke every day in it. The cigarettes used to come in sealed tins in packs of fifty from England. The cigarette case would be placed on an octagonal side table with a velvet embroidered table cloth on it. Beside the case, there would be silver Ronson lighter. The lighter was never removed from there. While going to office, he would carry the thin black ebonite holder and matchbox in his pocket.

He loved books, although he found little spare time to read. There was always a consignment on the side table of books in Bengali and English ordered from Calcutta.

As time passed, the chair had been passed on to the next generation. His eldest son, Abinash Chandra, my grandfather, too, was the Dewan of Jaipur and a very busy man. I wonder whether he had the leisure to sit on the arm chair. He did sit there once in a while when his ten children would be around clamouring for his attention. Or did he have the time for them? Once in a while, an elder of the family would visit and he would be offered straight chair while grandfather sat in the arm chair to listen to him.

What else did the arm chair see? Many momentous events had taken place there.

Who was sitting on the chair when my great grandmother was given the honour of wearing the golden anklet by the king?

Who was there when discussions were made on which prince was to be adopted as Madho Singhji had no son of his. Man Singh II was a controversial selection. It needed negotiation at the state level as well as the British Resident.

Who would come and tell my grandfather about the intrigues of the court. The tales of Balabuksh whispering in the ears of the Maharaja were well known. How one Thakur was trying to get into the good books of the ruler by backbiting another? I now wonder what the arm chair thinks now. She has been the silent confidante of many generations of men used to having to think out the lives of too many people. Encasing the contemplation in its arms with care and supporting with unobtrusive comfort. Without complaint of mis or overuse, ready each day to do what no one else can do as well. Yes, it has been ignored, for long enough. It has passed through a period of inattention.

Now, it lies in a simple middle class home. Does it feel that there is loss of prestige? Does it feel it has done its bit and now glows in retirement?

My son looks at it with admiration. He believes that such a family heirloom never goes into retirement. It will always add to the glory of its past. He will sit on it when I am gone and so will Kabir, his grandson. There will be a space of honour for it in the years to come. It will never look incongruous amongst the present-day utilitarian furniture. The weight of its memories will give it the honoured place of a time machine.

rajeshsharma1049@gmail.com

#STEPPING IN

Ornate upper end of the chair's back

#THE BRAVE

History in Minutes

The Major Ralengnao Bob Khathing Who Saved Tawang from China

Major Ralengnao Bob Khathing is a name central to the history of India's northeastern borders. Few know about his pivotal role in integrating Tawang, a region of Arunachal Pradesh, into the Indian Union, a feat he accomplished in 1951 without firing a single shot.

The Brave Journey to Tawang

In 1951, Tawang was still under Tibetan rule, and the situation was precarious. After China's invasion of Tibet in 1950, India's position in the region was uncertain. The Chinese were advancing towards the east, with the capital of Tibet, Lhasa, eventually falling to China.

Amid these tensions, Major Bob Khathing, a brave soldier from the Naga tribe of Manipur, undertook a mission to secure Tawang. At the time, there was no road access to the region, and Khathing had to navigate through the difficult terrain of Arunachal Pradesh to reach Tawang with three platoons of Assam Rifles.

Had Major Khathing not reached Tawang, it is widely believed that the Chinese would have taken control of the region, solidifying their presence before India could act.

Diplomacy Over Force

What sets Major Khathing's efforts apart is that he didn't rely on military might alone. Once in Tawang, he embraced the role of a soldier-negotiator. Using diplomacy and dialogue, he won over local village elders, monks from the Tawang Monastery, and the common people. These meetings were instrumental in winning the local population's support for India.

The people of Tawang, under Tibetan feudal rule, found Khathing's offer of joining a democratic India far more appealing. As a result, Tawang acceded to the Indian Union, and Khathing became the first person to hoist the Indian flag in the region. He also brought Bum La under Indian control, further solidifying India's hold on the strategically significant region.

A Legacy of Peace and Valor

Major Khathing's peaceful integration of Tawang remains one of the most remarkable stories of post-independence India. In recognition of his contributions, Khathing Point in Bomdila was named after him, and in 2023, a Museum of Valor was inaugurated in Tawang in his honor.

In addition to his military achievements, Khathing played a vital role in establishing lasting institutions such as the Sahastra Sena Bal, the Naga Regiment, and the Naga Armed Police, all of which strengthened India's northeastern defenses.

A Hero of World War II

Before his crucial role in Tawang, Khathing was already a decorated World War II hero. He fought as part of the V-Force, a special guerrilla unit set up by General Archibald Wavell, to disrupt Japanese forces in Southeast Asia. Khathing's bravery was legendary; he would often ambush smaller Japanese patrols himself and direct RAF bombers to strike larger Japanese formations.

One of his most heroic acts involved ordering the bombing of his own house after discovering that it had been occupied by Japanese soldiers. By doing so, he ensured that none of the enemy forces escaped. For his extraordinary valor, he was awarded the Military Cross, the Order of the British Empire (MBE), and the Padma Shri.

A Life of Service Beyond the Military

After World War II, Khathing left the army at the suggestion of the Maharaja of Manipur and entered civil service. He became the Minister of Hill Administration in Manipur and served as an MLA in the state's first assembly election. He also held the position of Assistant Commandant of the 2 Assam Rifles and was appointed Assistant Political Officer for NEFA (North-Eastern Frontier Agency), where he played a crucial role in integrating Tawang.

Later, he became the Chief Secretary of Nagaland and in 1972, was appointed as India's first tribal ambassador to Myanmar. Khathing also played an instrumental role in the Shillong Accord, which led to the formation of Nagaland as a state.

The Memorial and Continued Legacy

Major Khathing passed away in 1990, but his legacy lives on. Each year, the Major Bob Khathing Memorial Event is held to honour his contributions, with the Defence Minister Rajnath Singh delivering the memorial address. Arunachal Pradesh Chief Minister Pema Khandu also attended the Major Ralengnao Bob Khathing Museum of Valor opening in Tawang.

Khathing's journey from a World War II hero to a statesman who helped integrate Tawang and other northeastern regions into India remains an inspiring story of bravery, diplomacy, and dedication to his country.

Major Bob Khathing may have passed on, but his contributions to India's northeastern frontier and his efforts in integrating Tawang will never be forgotten. He truly remains one of India's unsung heroes, whose courage and diplomacy helped shape the nation's borders and ensure peace in the region.

THE WALL

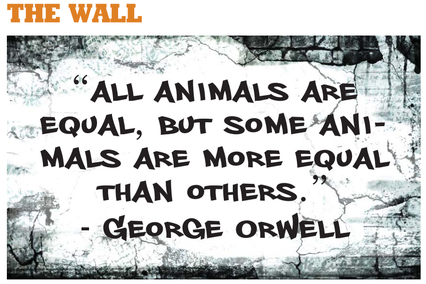

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर बवाल, भरतपुर में पुतला दहन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समर्थन में नारे लगाए

भरतपुर। शहर के बिजली घर चौराहे पर आमजन ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 26 फरवरी को विधानसभा में बयान दिया था कि सीएम सांगानेर से जीते और, बजट भरतपुर और सीकर को दे रहे हैं। बाकी सभी सीएम ने गायब कर दिए। अगर वह भरतपुर से विधानसभा का चुनाव लड़े और, अगर जीत जाएं तो, हमें बता देना। ओमवीर सरपंच निवासी घुसियारी ने बताया कि डोटासरा ने अपने बयान में कहा था कि मुख्यमंत्री सांगानेर से जीतते हैं और बजट भरतपुर व सीकर को दे रहे हैं।

इस बयान को लेकर लोगों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि भरतपुर भी राजस्थान का ही हिस्सा है और यहां विकास कार्य होना स्वाभाविक है ओमवीर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं की सोच भरतपुर के प्रति नकारात्मक रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं और भरतपुर में भी कई परियोजनाएं चल रही हैं।

प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

■ प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि 26 फरवरी को विधानसभा में बयान दिया था कि सीएम सांगानेर से जीते और, बजट भरतपुर और सीकर को दे रहे हैं

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समर्थन में नारे लगाए और कहा कि मैं पूछना चाहता हूँ और ये भरतपुर की जनता पूछना चाहती है क्या भरतपुर जिला राजस्थान से बाहर है, इन कांग्रेसियों की आदत बन गयी है जैसे की इनके सांसद राजस्थान से बाहर दूसरे प्रांतों में पैसों को बांट रहे हैं। ये क्या चाहते है की राजस्थान का पैसा पाकिस्तान और चीन में जाकर लगाए। और रही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भरतपुर से चुनाव लड़ेंगें उनको भेजिए। हम भी आग्रह करते हैं की भजनलाल लाल शर्मा भरतपुर से चुनाव लड़े और देखते है। किसका बोरिया बोलता है कांग्रेस वालों कितने लाख से भजनलाल चुनाव जीतते है। कांग्रेस के नेता डोटासरा अपने आकाओं को जिनके कहने पर आप खतरा करवाने के लिए तैयार है। उन आकाओं को भरतपुर से ही नहीं पूरे राजस्थान में कहीं से भी चुनाव लड़ाए आपको पता चल जाएगा दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

राजस्थान की जनता पूर्ण रूप से मन बना चुकी है। भजनलाल के साथ है। मुख्यमंत्री भजनलाल जन का समर्थन बढ़ता जा रहा है और इसका प्रमाण आपको आने वाले पंचायती, राज और निकाय चुनाव में मिल जायेगा। पूरी तरह से डोटासरा आपका और कांग्रेस का बोरिया बोलने वाला है। राजस्थान की जनता आने वाले चुनाव में जवाब देगी। भरतपुर की जनता डोटासरा के बयान की निंदा करती है।

सांभर झील में दिव्य एवं भव्य सांभर बर्ड फेस्टिवल का आयोजन

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध खारे जल की झील सांभर लेक में आज वन विभाग के तत्वावधान में कोच्या की ढाणी स्थित इंटरप्रिटेशन सेंटर परिसर में एक दिवसीय सांभर बर्ड फेस्टिवल का दिव्य एवं भव्य आयोजन हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों, पर्यटकों एवं स्थानीय समुदाय को झील की समृद्ध वेटलैंड पारिस्थितिकी, जैव विविधता तथा प्रवासी पक्षियों के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण और सामुदायिक सहभागिता को केंद्र में रखकर आयोजित इस फेस्टिवल ने पर्यावरण जागरूकता का सशक्त संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ जयपुर श्री वी. केतन कुमार उपस्थित रहे। उपखंड अधिकारी सांभर श्री ऋषिराज कपिल, सांभर साल्ट्स लिमिटेड के जीएम श्री वी. जी. मेहरिया, पशुपालन विभाग के नोडल अधिकारी श्री गणेश कुमार गर्ग सहित वन विभाग के अधिकारीगण, रेंज स्टाफ, एनजीओ प्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक एवं 250 से अधिक स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

सांभर बर्ड फेस्टिवल में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

■ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएफओ जयपुर वी. केतन कुमार उपस्थित रहे

सांभर की जैव विविधता एवं दुर्लभ पक्षियों की आकर्षक फोटो प्रदर्शनी, नमक उत्पादन की पारंपरिक प्रक्रिया का जीवंत प्रदर्शन, एवियन बोटुलिज़्म प्रबंधन एवं पक्षी रोगों की रोकथाम संबंधी जानकारी तथा एक जिला एक प्रजाति अंतर्गत पंच गौरव लिसोड़ा की प्रदर्शनी ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से आकर्षित किया। स्कूली बच्चों के लिए ड्राइंग, क्विज एवं जागरूकता प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेताओं को सम्मानित किया गया। बच्चों को झील क्षेत्र में बर्ड वॉचिंग करवाई गई तथा कठपुतली नृत्य के माध्यम से संरक्षण का संदेश दिया गया।

आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देते हुए ऐप के माध्यम से पक्षियों की पहचान एवं डिजिटल रिकॉर्डिंग का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

16 सिलेंडर सीज

कोटपूतली। घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग के मामलों पर नियंत्रण के लिए चलाया जा रहे अभियान के तहत जिला रसद अधिकारी शशिशेखर शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को प्रवर्तन अधिकारी पुष्पेंद्र सिंह एवं प्रवर्तन निरीक्षक विश्राम गुर्जर द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई। इस दौरान बानसूर कस्बे में विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 16 घरेलू एलपीजी सिलेंडर सीज किए गए। यह प्रकरण आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 6(ए) के अंतर्गत आगे की कार्रवाई हेतु जिला कलक्टर को प्रस्तुत किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान श्याम मिष्ठान भंडार से 2, श्याम स्वीट्स से 4, राधे मिष्ठान भंडार से 1, ओम शिव मिष्ठान भंडार से 2, बालाजी बर्गर चाऊमीन सेंटर से 1, अशोक मिष्ठान भंडार से 1 एवं कृष्णा चाट भंडार से 2 और प्रकाश मिष्ठान भंडार से 3 सिलेंडर सीज किए गए।

■ बानसूर कस्बे में विभिन्न प्रतिष्ठानों से 16 घरेलू एलपीजी सिलेंडर सीज किए

पावटा ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में साइकिल वितरण समारोह का आयोजन

पावटा। क्षेत्र के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में राज्य सरकार की योजना के तहत शिक्षा सत्र 2025-26 में राजकीय विद्यालयों की कक्षा 9 में अध्ययनरत वाली छात्राओ को निःशुल्क साईकिल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पावटा ब्लॉक की पीएम श्री राउमावि दांतिल में 21, महात्मा गांधी राउमावि दांतिल में 19, राउमावि कारौली में 10, राउमावि ठीकरिया में 13, महात्मा गांधी रावि टोरडा गुजरान में 8, राउमावि भूरी भड़ाज में 7, महात्मा गांधी रावि धालेड़ा में 17, राउमावि बुचारा में 16, राउमावि फतेह सिंह वाला में 17, राउमावि तुलसीपुरा में 5, राउमावि पंडितपुरा में 6, महात्मा गांधी रावि रामपुरा में 9, महात्मा गांधी रावि पाथरेडी में 14, राउमावि रघुनाथपुरा में 7, राउमावि पावटा में 27, राबाउमावि प्रागपुरा में 22, पीएम श्री महात्मा गांधी रावि प्रागपुरा में 5, राउप्रासंवि पावटा में 11, राउमावि भांकरी में 30, राउमावि प्रेमनगर में 7, महात्मा गांधी रावि द्वारिकापुरा में 22, राउमावि जींणगौर में 9, राउमावि कुनेड में 7, राबाउमावि पावटा में 29, राउमावि भौनावास मे 18, राबाउमावि भौनावास मे 4, राउमावि बड़नगर में 10, महात्मा गांधी रावि सुदरपुरा ढाढा में 21, राउमावि राजनौता में 19, राबाउमावि राजनौता में 15, महात्मा गांधी रावि पुरुषोत्तमपुरा में 18, राउमावि बेरी बांध में 4, रासंप्रउमावि पुरुषोत्तमपुरा में 2, राउमावि पांचूडाला में 16, महात्मा गांधी रावि फतेहपुराखुर्द में 9, राउमावि कैरोडी में 24, राउमावि जोधपुरा में 24, महात्मा गांधी रावि लाडाकाबास में 3, महात्मा गांधी रावि सुजातनगर में 4, राउमावि बीठलोदा में 5, राबाउमावि मंढा में 21, राउमावि भैंसलाना में 9, राउमावि खेलना में 12, महात्मा गांधी रावि टसकोला में -4 कुल 572 साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पात्र छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

■ कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में कुल 572 साइकिलों का हुआ वितरण

छात्राओं के चेहरों पर आई मुस्कान इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाएँ सही मायनों में जन-जन तक पहुँच रही हैं। समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सरकार की यह योजना बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दूर-दराज़ गांवों से विद्यालय आने वाली छात्राओं को अब आवागमन में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और ड्रॉपआउट दर में कमी आएगी। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

फाल्गुन महोत्सव आज

कोटपूतली। श्री श्याम संकीर्तन डुंगावाले बालाजी का द्वितीय वार्षिकोत्सव का आयोजन शनिवार को बड़े ही धुमधाम व हर्षोल्लास के साथ किया जायेगा। इस अवसर पर प्रात: 09 बजे भव्य कलश यात्रा मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करेगी एवं मंदिर प्रांगण में विशेष साज-सज्जा कर बाबा का भव्य दरबार लगाकर रात्रि 08 बजे से प्रभु इच्छा तक श्री श्याम प्रभु व बालाजी महाराज का भव्य संकीर्तन किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने किसानों, महिलाओं के नाम लिखी पाती

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा युवाओं, किसानों व महिलाओं के लिये पाती लिखी गई है। जिले में इस पाती के वितरण की शुरूआत किसानों, महिलाओं, युवाओं को पाती वितरण के साथ हुई।

उप निदेशक कृषि लीलाराम जाट ने बताया कि पाती के माध्यम से जानकारी दी गई है कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि 06 से बढ़ाकर 09 हजार रुपये की गई हैं। इससे प्रदेश के 76 लाख से अधिक किसानों को अब तक 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे बैंक खातों में प्राप्त हुई है। वीबी-जीरामजी के माध्यम से अब किसानों को 125 दिनों का रोजगार और आय सुरक्षा निश्चित होगी। राजस्थान कृषक समृद्धि योजना के तहत गेहूं खरीद पर दिए गए बोनस से 2.67 लाख किसानों को लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि किसानों को आपदा प्रभावित क्षेत्रों में 03 हजार 481 करोड़ रुपये की सहायता दी गई हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 06 हजार 415 करोड़ रुपये के दावों का भुगतान किया गया है। राज्य सरकार ने सिंचाई और ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किये हैं। करीब 01 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की नई सुविधायें विकसित की गई हैं। बिजली बिलों में 48 हजार 591 करोड़ रुपये की सब्सिडी और 02 लाख से अधिक नये कृषि कनेक्शन दिए गए हैं। किसानों की आय बढ़े तथा उन्हें मेहनत का पूरा मूल्य मिलने के साथ उनका भविष्य सुरक्षित हो यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

'पुलिस प्रशासन की सक्रियता ही लोक अदालत की सफलता का मुख्य आधार है'

किशनगढ़ बास । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं खैरथल तिजारा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शैलेंद्र व्यास के आदेशानुसार आगामी 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। सचिव रनवीर सिंह ने बैठक में स्पष्ट किया कि पुलिस प्रशासन की सक्रियता ही लोक अदालत की सफलता का मुख्य आधार है।

यह बैठक शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह की अध्यक्षता में रखी गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती जया वर्मा और अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट सहित एडीपी भी मौजूद रहे। बैठक में लोक अदालत के सफल आयोजन और प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु विस्तृत कार्य योजना पर चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव रनवीर सिंह ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि आमजन को सुलभ और त्वरित न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। बैठक में उन्होंने पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि न्यायालयों द्वारा विभिन्न प्रकरणों में पक्षकारों को जारी किए जाने वाले नोटिसों की तामील निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाए, ताकि पक्षकार समय पर उपस्थित होकर अपने विवादों का निस्तारण कर सकें।

■ प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ने की समन्वय बैठक आयोजित

सचिव रनवीर सिंह ने कहा कि विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर ही इस बार की लोक अदालत को ऐतिहासिक बनाया जा सकता है।

दिव्यांगों को बांटी ट्राईसाइकिल

टोंक। जिले के उनियारा न्यायालय परिसर में गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में नालसा मेगा विधिक सेवा एवं लोक कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को स्थानीय स्तर पर न्याय और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही मंच पर उपलब्ध कराना रहा। वर्षों बाद आयोजित इस शिविर में न्यायपालिका और प्रशासन ने मिलकर "न्याय एवं सेवा" का प्रभावी समन्वय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक के सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) दिनेश कुमार जलुथरिया ने की।, उन्होंने कहा कि समान न्याय और नि:शुल्क विधिक सहायता प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, विशेषकर महिलाओं, बच्चों, श्रमिकों, अनुसूचित जाति-जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली और पीड़ित प्रतिकर योजना की जानकारी दी गई।

सेनानी चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया

स्वतंत्रता सेनानी पं. चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

कोटपूतली। कस्बे के आजाद चौक स्थित तहसील परिसर के रामलीला मंच पर शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानी पं. चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि तीनों लोकों में शौर्य (वीरता) से बढ़कर कुछ भी नहीं है। वीर पुरुष ही सबकी रक्षा करता है और जगत उसी वीर के साहस पर टिका रहता है। पं. आजाद ने देष की आजादी के लिये अपना तन, मन व जीवन समर्पित कर दिया।

उनका अदम्य साहस, अटूट देश भक्ति और आजाद रहने का संकल्प आने वाली पीढ़ियों के लिये सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेगा। मां भारती की रक्षा और स्वाभिमान के लिये दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में अमर है।

इस दौरान तहसील ब्राह्मण सभा अध्यक्ष नवरत्न शर्मा, महामंत्री वी.के.नवल, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेष महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, के एम बंसल, शंकर लाल शर्मा, सुभाष घांघल, कपिल शर्मा, कमलेश मीणा, विजय यादव, विक्रम शर्मा, आशु शर्मा समेत अन्य मौजूद रहें।

विवाहिता ने फांसी के फंदे से झूलकर की आत्महत्या

निवाई। शहर में स्थित भट्टों के मोहल्ले में गुरुवार की देर शाम एक विवाहिता ने फांसी के फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय मृतका का पति अपनी 9 वर्षीय बच्ची के साथ बाजार गया हुआ था। बाजार से वापस लौटने पर उसकी पत्नी कमरे में फंदे से लटकी हुई मिली। पत्नी को फंदे से झूलता देखकर उसने अपने दोस्त को बुलाया और उसकी मदद से फंदे से उसे नीचे उतारा व बाइक से उप जिला अस्पताल लेकर गए। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतका के पीहर पक्ष को सूचना दी। मृतका के पति राहुल बैरवा ने बताया कि वह अपनी पत्नी पूजा बैरवा 29 वर्ष व 9 वर्षीय पुत्री के साथ भट्टों का मोहल्ला में किराए के मकान में रहते हैं। वे दोनों ही मजदूरी का कार्य कर अपना जीवन यापन करते थे। पुलिस ने बताया कि विवाहिता पूजा बैरवा का ससुराल बरोनी थाना क्षेत्र के गांव रजवास में स्थित है। ससुराल पक्ष के लोग दिल्ली में रहते हैं। पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर चिकित्सकों के द्वारा पोस्टमार्टम करवा कर शव पीहर पक्ष को सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मृग में मामला दर्ज किया है।

सार-समाचार

कार्यकारणी का गठन

निवाई। अग्रवाल समाज चौरासी युवा परिषद के ब्लॉक अध्यक्ष सुनिल भाणजा के निर्देशानुसार अग्रवाल युवा परिषद ब्लॉक निवाई की कार्यकारणी का विस्तार किया गया। प्रचार मंत्री जितेन्द्र जैन व आकाश जैन ने बताया कि कार्यकारणी में सर्वसम्मति से 31 सदस्यों की नियुक्ति की गई। जिसमें मंत्री के पद पर विनोद बनस्थली, कोषाध्यक्ष चंद्रेश शिवाड़, महामंत्री मोहित चंवरिया व राहुल बोहरा, उपाध्यक्ष महेश मोटूका, मुकेश बनेठा, पवन सांवलिया, जयंत जैन, रौनक बोहरा, राकेश डारडा, पदम सेदरिया व राहुल लावा, सहकोषाध्यक्ष अमित ललवाड़ी, संगठन मंत्री मोहित बनस्थली, दीपक कठमाणा, अंकित पराना, अविनाश कठमाणा, चिकित्सा परिषद डॉ अवधेश जैन व डॉ राहुल जैन, सहमंत्री मनीष झिलाय, ललित सिरस, विक्रम पराना व मनोज पहाड़ी, प्रचार प्रसार मंत्री जितेन्द्र झिलाय, आकाश मित्रपुरा व विशाल गिन्दोड़ी, विवाह परिषद के पद पर राकेश कठमाणा, विमल बगड़ी, राहुल माधोराजपुरा व सुनील बनेठा को नियुक्त किया गया।

महापर्व की आराधना में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। संत निवास नसिंया जैन मंदिर में संचालित आठ दिवसीय नन्दीश्वर दीप समवशरण मण्डल विधान में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोधमति माताजी संघ के सानिध्य में नन्दीश्वर दीप मण्डल विधान का शुक्रवार को समाजसेवी दिनेश चंवरिया, लीला चंवरिया, सुरेश कुमार, छुट्टन देवी माधोराजपुरा, महेंद्र चंवरिया, गुणमाला चंवरिया व सुरेश सांवलिया ने दीप प्रज्वलित कर पूजा का शुभारंभ किया। इसके बाद विधान में इन्द्र इन्द्राणियों ने नन्दीश्वर दीप मण्डल विधान की पूजा अर्चना भक्ति भाव के साथ की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि विधानाचार्य पण्डित सुरेशकुमार शास्त्री एवं अशोक भाणजा के निर्देशन में मंत्रोच्चार द्वारा विधान में श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी के कलशाभिषेक करके शांतिधारा की। विधान में सोधर्म इन्द्र सोनू गिन्दोड़ी, धनपति कुबेर इन्द्र कन्हैयालाल जैन सहित सभी इन्द्र इन्द्राणियों ने मंण्डप पर नन्दीश्वर दीप की 26 पूजाएं की। इस अवसर पर पारसमल चैनपुरा, राजेन्द्र सेदरिया, पदमचंद जैन, मनोज पाटनी, नेमीचंद सिरस, धनराज चंवरिया व ममता चंवरिया, शंभु कठमाणा व त्रिलोक रजवास सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

होली मिलन समारोह मनाया

किशनगढ़ बास। अभिभाषक संघ ने होली अवकाश से पूर्व होली मिलन सम्मान समारोह हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों को फूलमाला एवं रंगों के त्योहार होली का प्रतीक टोपी पहनाकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संघ के अधिवक्तागण, पूर्व बार अध्यक्ष अमित गौड व एडवोकेट सुनील यादव, संतोष गुप्ता, योगेंद्र चौधरी, राजकुमार सैनी, उदय यादव, अनिल गोयल, वीरेंद्र नरूका, सुधीर गुप्ता सहित समस्त स्टांप पेपर विक्रेता, टाइपिस्ट, समस्त मुंशीगण, नक्शा नवीस एवं समस्त अधिवक्ता गम मौजूद रहे।

उपखण्ड अधिकारी को सोंपा ज्ञापन

टोंक। देवली ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु और अन्य कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के विरोध में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने अपना विरोध दर्ज कराया। ज्ञापन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि युवा कांग्रेस का प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक था। उन्होंने प्रशासन द्वारा की गई इस गिरफ्तारी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों का खुला उल्लंघन बताया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए मांग की कि राष्ट्रीय अध्यक्ष और उनके साथियों को तत्काल रिहा किया जाए। उन्होंने भविष्य में शांतिपूर्ण आंदोलनों पर ऐसी दमनकारी कार्रवाई न करने की भी अपील की। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द रिहाई नहीं हुई, तो प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

नाले में अधेड़ व्यक्ति का शव मिला

बहरोड़/ नीमराना। बहरोड़ कस्बे के खेल स्टेडियम के सामने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के गंदे नाले में करीब एक सप्ताह से लापता आदमी की लाश मिली। वहीं मौके पर उपस्थित लोगों ने जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना दी तो जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बानसूर थाने में धरना प्रदर्शन करने गए परिजनों के आने के बाद आगे की कार्यवाही की। बताया जा रहा है कि बानसूर के गांव गिरुडी से करीब एक सप्ताह पहले उक्त व्यक्ति टीनू पुत्र बाबूलाल वाल्मीकि लापता हो गया था। जिसके मामले में परिजन थाने पर धरना प्रदर्शन करने गए थे।

'विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम युवाओं में जागरूकता लाने का सशक्त माध्यम है'

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं सरस डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान अध्यक्षता में गौरी देवी महाविद्यालय में शुक्रवार को माय भारत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय एवं एनएसएस के संयुक्त तत्वाधान में विकसित भारतीय युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के 84 युवाओं ने आपातकाल के 50 साल व भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से अपने विचारों की अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।

■ कार्यक्रम में युवाओं ने आपातकाल के 50 सालः भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर प्रस्तुत किए विचार

गौरी देवी महाविद्यालय में विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं प्रतिभागी छात्र-छात्राएं।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि युवा ही लोकतंत्र का भविष्य है। जिला कलेक्टर ने युवाओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम युवाओं में लोकतांत्रिक प्रणाली, संवैधानिक मूल्यों एवं मूलभूत अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने का सशक्त माध्यम है। इस प्रकार के आयोजन युवाओं को नीति निर्माण से सीधे जोड़ने का अवसर प्रदान करते है।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने 10 नव युवा मतदाताओं का अभिनन्दन किया। सरस डेयरी अध्यक्ष नितिन संगवान ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। युवा संसद का आयोजन निश्चित ही युवाओं में आत्मविश्वास का संचार करने एवं राष्ट्रीय मंच पर वैचारिक अभिव्यक्ति का अवसर प्रदान करता है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ. मंजू यादव एवं जिला युवा अधिकारी पंकज यादव, वरिष्ठ संकाय सदस्य रचना आसोपा, सैफाली बारोतिया, कार्यक्रम अधिकारी गोविंद नैनीवाल ने अतिथियों का प्लांट एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में जज के रूप में गणेश मोहन शर्मा, डॉ. आंचल मीणा, डॉ. विजय लक्ष्मी भार्गव, डॉ. पूर्णिमा कौशिक, डॉ. अभिषेक पारीक शामिल रहे।

पावटा में 75 मीटर नियम के विरोध में विधायक को सौंपा ज्ञापन

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर 75 मीटर भूमि अवाप्ति नियम के विरोध में पावटा व्यापार संघ ने जयपुर निवास पर जाकर स्थानीय विधायक कुलदीप धनकड को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों व स्थानीय निवासियों ने विधायक धनकड को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि इस नियम के लागू होने से वर्षों पुराने प्रतिष्ठान उजड़ने की कगार पर हैं और सैकड़ों परिवारों के सामने रोज़गार का संकट खड़ा हो जाएगा। व्यापार संघ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापाररियो ने विधायक को अपनी पीड़ा से अवगत कराया। ज्ञापन में मांग की गई कि 75 मीटर नियम को वापस लिया जाए अथवा विधायक धनकड से राज्य सरकार से मांग की कि वह इस निर्णय के विरुद्ध विधिक उपचार अपनाने या फिर सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश प्राप्त कर प्रभावितों को राहत दिलाए।

उनका कहना था कि यह मसला केवल कोटपूतली-बहरोड़ जिले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों परिवारों की आजीविका से जुड़ा हुआ है। वर्षों से संचालित प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की आशंका से व्यापार जगत में असुरक्षा और चिंता का माहौल है। व्यापारियों ने इसे जनहित के विपरीत बताते हुए विधायक धनकड द्वारा राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है।

■ किसी भी व्यापारी का अहित नहीं होने दिया जाएगा। विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन आमजन और व्यापारियों के हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती- कुलदीप धनकड

व्यापारियों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बिना समुचित पुनर्वास नीति के सीधे कार्रवाई करना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। व्यापारियों की पीड़ा को समझते हुए विधायक कुलदीप धनकड ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी मांग पूरी तरह न्यायसंगत है और वे इस मुद्दे को विधानसभा सहित संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा, किसी भी व्यापारी का अहित नहीं होने दिया जाएगा।

भीलवाड़ा : बेटे की गला काटकर हत्या के बाद पिता ने भी आत्महत्या की

शुरुआती जांच में सामने आया कि युवक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था

- पत्नी से चल रहे विवाद के चलते फसल काटने वाली दराती से बेटे की गला काटकर हत्या कर दी और उसके बाद में स्वयं (पिता) ने भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली
- पुलिस को मौके से एक वीडियो भी मिला है, जिसमें मृतक युवक ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं
- वीडियो में उसने अपनी पत्नी, 14 वर्षीय बेटे और 16 वर्षीय बेटी को भी अपनी स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बड़लियास थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। एक 40 वर्षीय पिता ने अपनी पत्नी से चल रहे विवाद के चलते अपने 12 साल के मासूम बेटे की गला काटकर हत्या कर दी और उसके बाद स्वयं ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से वीडियो भी मिला है, जिसमें मृतक ने अपने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

जानकारी के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह करीब सात बजे की है। शुरुआती जांच में सामने आया कि युवक का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। इसी आक्रोश में उसने घर में रखी फसल काटने वाली दराती उठाई और चारपाई पर सो रहे अपने 12 वर्षीय बेटे पर हमला कर दिया। गला कटने से बच्चे की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई। बेटे की हत्या करने के बाद पिता ने भी जान देने की कोशिश की। पुलिस जांच के मुताबिक, उसने पहले पंखे से फंदा लगाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं होने पर उसने जहर का सेवन कर लिया। पड़ोसियों की सूचना पर जब परिजन पहुंचे, तो कमरा अंदर से बंद था। दीवार फांदकर अंदर जाने पर बच्चा मृत मिला और पिता तड़प रहा था, जिसकी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

मृतक पिता का फाइल फोटो।

जानकारी में सामने आया है कि वारदात से दो दिन पहले युवक ने एक वीडियो बनाकर व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा किया था। इस वीडियो में उसने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगाते हुए बेटे सहित सुसाइड करने की बात कही थी। वीडियो में उसने अपनी पत्नी, 14 वर्षीय बेटे और 16 वर्षीय बेटी को भी अपनी स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

डीएसपी बाबूलाल बिश्नोई ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटा लिए हैं और वायरल वीडियो की भी गहनता से जांच की जा रही है।

घायल युवक की 11 दिन बाद मौत

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागड़ा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल एक बाइक सवार युवक की 11 दिन के इलाज के बाद मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामसागड़ा थाना पुलिस के अनुसार वेड निवासी तुलसी देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को वह अपने पति भोगीलाल पुत्र भैरा पांडोर के साथ गामडी अहाडा से वेड लौट रही थी। झालूकुंआ रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार गाड़ी के ड्राइवर मगन पुत्र छगन आमलिया निवासी महिपालपुरा ने लापरवाही से उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में भोगीलाल के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। उसे पहले डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, फिर उदयपुर और बाद में मोडासा (गुजरात) के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आखिरकार 11 दिन तक इलाज चलने के बावजूद भोगीलाल की हालत में सुधार नहीं हुआ। 25 फरवरी को उसे डूंगरपुर लाते समय अस्पताल परिसर के पास मौत हो गई।

फरार गौवंश तस्कर गिरफ्तार

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिला ग्रामीण के सुकेत थाना पुलिस ने तीन साल से अधिक समय से फरार चल रहे अन्तर्राज्यीय गौवंश तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक कोटा ग्रामीण सुजीत शंकर ने बताया कि थाना सुकेत पुलिस ने अन्तर्राज्यीय गौवंश तस्करी में लम्बे समय से फरार चल रहे अभियुक्त शाहरूख पुत्र सराफत निवासी लोहे का पुल अमरपुरा उज्जैन थाना खाराकुआं जिला उज्जैन मध्यप्रदेश को उज्जैन शहर से डिटेन कर गिरफ्तार किया है। अभियुक्त लम्बे समय से प्रकरण में वांछित था जिसकी पुलिस को तलाश थी। अभियुक्त शाहरूख अपने कब्जे के आईसर ट्रक पर फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर उसमें करीबन 28 गौवंश गाय-बछड़े भरकर जा रहा था जो पुलिस को देखकर लखारिया कुम्भकोट के पास सुकेत क्षेत्र में अपने वाहन में गौवंश भरे हुये को छोड़कर मौके से फरार हो गया था। जिस पर सुकेत थाना में गौवंश अधिनियम में दर्ज होकर तलाश जारी की गई।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरू

ई-44 अग्रसेन नगर चूरू

E-mail: eemhchuru@yahoo.com, फोन नं. 01562-254670

क्रमांक:प.01()/चि.स्वा./ खण्ड-चूरू/2025-26/ दिनांक :

निविदा सूचना संख्या :- 26/2025-26

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड चूरू के अन्तर्गत जिला चूरू एवं हनुमानगढ़ में उप स्वा. केन्द्रो के भवन निर्माण कार्य एवं अन्य कार्यो राशि रु. 106.00 लाख तक के कार्य के लिए निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org,http:// sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN No.

1. NRH2526WSOB02453

(इमरान खान)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड चूरू

DIPR/C/3964/2026

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर

क्रमांक :- उ.व.सं.धौ / लेखा/निविदा/2025-26/1275 दिनांक: 19.02.2026

Notice Inviting Bid

Bid for Supply and installation of modern plastic Dual desk table chair are invited from intrested bidders upto 3.00 PM, 02-03-2026. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state. The Approximate Value Of Procurement is 40.00 Lakhs.

UBN NO.:- FOR2526GLRC05743

उपवन संरक्षक
धौलपुर

DIPR/C/4038/2026

प्रधानमंत्री की जनसभा से पहले अजमेर में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता हिरासत में

- पुलिस टीम ने यूथ कांग्रेस के नेता मोहित मल्होत्रा, सागर मीणा और अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया और वाहन में बैठाकर साथ ले गई
- प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा के दौरान काले झंडे दिखाने की यूथ कांग्रेस की घोषणा के बाद पुलिस-प्रशासन सतर्क हुआ
- पुलिस प्रशासन का कहना है कि फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य है, लेकिन प्रधानमंत्री की प्रस्तावित जनसभा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है

अजमेर, (कासं)। शनिवार को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जनसभा के दौरान काले झंडे दिखाने की यूथ कांग्रेस की घोषणा के बाद पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया और एहतियातन कार्रवाई करते हुए शुक्रवार सुबह कुछ कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह पुलिस टीम सुभाष नगर क्षेत्र पहुंची, जहां से यूथ कांग्रेस के नेता मोहित मल्होत्रा, सागर मीणा और अन्य कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने सभी को अपने वाहन में बैठाकर साथ ले गई। हालांकि, उन्हें किस स्थान या थाने में ले जाया गया है, इस संबंध में अभी तक आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

हिरासत में लेने पहुंची पुलिस के सामने यूथ कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कार्रवाई का विरोध किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल के चलते उनका प्रदर्शन ज्यादा देर तक प्रभावी नहीं हो सका। इसके बाद पुलिस तीनों नेताओं को वाहन में बैठाकर ले गई। बताया जा रहा है कि अजमेर जयपुर रोड व शहर सहित विभिन्न स्थानों पर यूथ कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री की सभा के विरोध में पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाए गए और सभा के विरोध का आव्हान किया गया।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एहतियातन की गई है। वहीं यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताया है। फिलहाल शहर में स्थिति सामान्य है, लेकिन प्रधानमंत्री की प्रस्तावित जनसभा को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

हिण्डौन शहर के आबादी क्षेत्र में घुसा पैंथर, लोगों में दहशत फैली

- पुलिस व वन विभाग की टीम लैपर्ड (पैंथर) के रेस्क्यू के प्रयास में जुटी है
- ड्रोन कैमरों की मदद से भी पैंथर के मूवमेंट को ट्रैक किया जा रहा है

हिण्डौन सिटी, (निसं)। हिण्डौन में शुक्रवार सुबह घनी आबादी वाले भायलापुरा इलाके में एक लैपर्ड (पैंथर) के दिखने से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही है, लेकिन शाम तक पैंथर को पकड़ने में सफलता नहीं मिल पाई। शुरुआती कुछ सूचनाओं में दो लैपर्ड होने की बात कही गई थी, लेकिन आधिकारिक और प्रत्यक्षदर्शी स्त्रोतों से पुष्टि हुई है कि यह केवल एक ही लैपर्ड है।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 बजे भायलापुरा निवासी दीपक अपनी छत पर खड़े थे। उन्होंने बैठक वाले हनुमान मंदिर के पास गली में लैपर्ड को देखा और तुरंत आसपास के लोगों को सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लैपर्ड महज तीन सैकंड में गली से निकलकर करीब 300 मीटर दूर रामद्वारा की ओर भागा और बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने स्थित एक फैब्रिकेशन/बक्सों के गोदाम में घुसकर छिप गया।

लैपर्ड की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी महेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे और वन विभाग को सूचित किया। करौली एसपी लोकेश सोनवाल, डीएसपी मुनेश कुमार मीना, डीएफओ सुमित कुमार, तहसीलदार रेनू चौधरी सहित कई थानों (कोतवाली, सदर, सूरौठ, श्रीमहावीरजी) से पुलिस बल बुलाया गया। करौली जिले की वन विभाग की टीम द्वारा पैंथर को नहीं पकड़ पाने के बाद दोपहर बाद अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व से विशेष रेस्क्यू टीम बुलाई, जो पैंथर को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

ड्रोन कैमरों की मदद से भी पैंथर के मूवमेंट को ट्रैक किया जा रहा है। मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए, कई लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंचे, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई।

पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मौके से हटाया और लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित दूरी बनाए रखें तथा शोर-शराबा न करें, ताकि जानवर घबराकर हमला न करे। प्रशासन ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे घरों के अंदर रहें, बच्चों और पशुओं को बाहर न छोड़ें तथा किसी भी संदिग्ध मूवमेंट पर तुरंत सूचना दें। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और सफल होने पर पैंथर को सुरक्षित जंगल में छोड़ा जाएगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-करौली

क्रमांक-4798-4816 दिनांक-18.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या-17/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि के पंजीकृत संवेदकों जो कि राज्य सरकार के एए ए बी सी डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदाओं से संबंधित विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE- PWD2526A5759

UBN NO. 1. PWD2526WSOB23541, 2. PWD2526WSOB23545, 3. PWD2526WSOB23546

अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड करौली

DIPR/C/3989/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID- dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-294200

इस कार्यालय द्वारा जारी जैम पॉर्टल निविदा संख्या GEM/2026/B/7278361 एवं निविदा संख्या GEM/2026/B/7280870 द्वारा जैम पॉर्टल पर निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक बोलीदाता पोर्टल WWW.Sppp.rajasthan.gov.in एवं जैम पॉर्टल पर देख कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN NO.	अनुमानित लागत	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1.	Purchase of Secondary Sealed Cells and Batteries for Portable Application	FOR2526GSGB05911	6,00,000/-	23.02.2026	05.03.2026
2	Purchase and Installation of Solar Panel.	FOR2526GSGB05923	18,50,000/-	23.02.2026	05.03.2026

(पीयूष कुमार शर्मा)
उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय)
रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

DIPR/C/4300/2026

चोरी की वारदात का खुलासा

जोधपुर, (कासं)। देचू पुलिस ने एक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह अंतर्राज्यीय बाछड़ा गैंग से जुड़े हैं। आरोपियों ने 143 ग्राम सोना, 2.750 किलोग्राम चांदी के आभूषण और 6.20 लाख रुपये नकद चुराए थे। यह चोरी सेतरावा निवासी श्रवणकुमार पुत्र भंवरलाल खत्री के मकान में हुई थी। अज्ञात चोर रात के समय घर में घुसकर लाखों रुपये के गहने और नकदी लेकर फरार हो गए थे।

देचू थानाप्रभारी ओमप्रकाश सुथार ने बताया कि मामले में मध्यप्रदेश के नीमच जिले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें बरखेड़ा, कुकड़ेश्वर (नीमच) निवासी कारूलाल बाछड़ा और सुनील पुत्र बन्नालाल मालवीय शामिल हैं। अन्य आरोपियों में मनासा (नीमच) निवासी नरेंद्र आर्य पुत्र प्रभुलाल आर्य, जैतपुरा (नीमच सिटी) निवासी सुमीत पुत्र सुरेश बाछड़ा और तलाऊ (कुकड़ेश्वर, नीमच) निवासी पप्पू करमावत उर्फ पप्पूलाल पुत्र हजारी बाछड़ा शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

पाकिस्तान से ही भेजे गये थे ड्रोन से पिस्टल-कारतूस

- बीकानेर जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र में किसान के खेत से बीएसएफ के सर्च में मेड इन चाइना 5 पिस्टल और 325 कारतूस बरामद किये
- सुरक्षा एजेंसियां इस एंगल से भी जांच कर रही हैं कि हथियारों की यह खेप किसके लिए भेजी गई थी

बीकानेर, (निसं)। भारत-पाक सीमा से सटे बीकानेर जिले के खाजूवाला थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत 14 बीडी के चक 24 केएनडी में एक किसान के खेत से बीएसएफ को ड्रोन और हथियारों की खेप मिली। एक किसान के खेत से बीएसएफ के सर्च में 5 पिस्टल और 325 कारतूस बरामद हुए हैं। यह खेप 8 पैकेट में मिली है।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारी मात्रा में हथियार और कारतूस भारतीय सीमा में भेजे गए। सुरक्षा एजेंसियों ने मौके से मेड इन चाइना 5 पिस्टल और करीब 325 कारतूस जब्त किए हैं। एक ड्रोन भी बरामद किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि ड्रोन का वजन ही करीब सत्रह किलो के आसपास है। हथियार पाकिस्तान से ही भेजे गए हैं, ये स्पष्ट हो गया है। कार्रवाई में सीमा सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम शामिल रही। खाजूवाला सीओ अमरजीत चावला, थाना प्रभारी प्रशिक्षु आरपीएस रोहित चौधरी सहित बीएसएफ की जी ब्रांच के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

खाजूवाला थाने के थानाधिकारी रोहित चौधरी ने बताया कि हमें मौके से एक ड्रोन और कुछ पैकेट्स मिले हैं। इन पैकेट्स में पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस हैं। पूरे मामले की जांच जारी है। फिलहाल खाजूवाला पुलिस और बीएसएफ की ओर से संयुक्त रूप से सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां इस एंगल से भी जांच कर रही हैं कि हथियारों की यह खेप किसके लिए भेजी गई थी और इसके पीछे कौन सा नेटवर्क सक्रिय है। राजस्थान में सुरक्षा एजेंसियों ने पांच महीने पहले पाकिस्तान बॉर्डर पर ड्रोन से नशे की अवैध तस्करी पकड़ने के बाद हथियार डिलीवरी होने का खतरा जताया था।

पाकिस्तान-राजस्थान का बॉर्डर एक हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबा है। यहां पिछले कुछ साल में एंजेसियों ने 60 से ज्यादा ड्रोन पकड़े और नशे का सामान रिकवर किया था। राजस्थान के पाकिस्तान से सटे लंबे बॉर्डर और रेगिस्तान के कारण हथियार और ड्रग डिलीवरी में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह भी जानकारी दी कि ड्रोन की क्वालिटी और पावर में भी बदल रहा है। एजेंसियों ने बताया था कि ड्रोन अब 15 किलो तक का लोड उठाकर ला रहे हैं।

तत्कालीन आईजी एटीएस विकास कुमार ने बताया था कि पिछले तीन साल में राजस्थान ड्रोन से ड्रग तस्करी एक बड़ा क्षेत्र बन गया है।

अफीम व स्मैक की आरोपी महिला को तीन साल की सजा

- कोर्ट ने आरोपी महिला को 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा भी सुनाई

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम एवं स्मैक के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी महिला को तीन वर्ष का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने बताया कि 10 फरवरी 2013 को पुलिस थाना पीपाड़ शहर के तत्कालीन थानाधिकारी ओमप्रकाश उज्जवल ने गांव कोसाना में घर के गेट पर खड़ी संतोष देवी पत्नी अमराराम के हाथ में पकड़ी गई थैली से 590 ग्राम अफीम बरामद की थी। इसके अलावा घर में रखे पीपे में से चार अलग-अलग थैलियों में से 3.210 किलोग्राम अफीम, 1454 ग्राम स्मैक पाउडर, 171 ग्राम साबूत स्मैक और 50 ग्राम सफेद पाउडर कैफ़ीन बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था तथा बाद अनुसंधान आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

गोविन्द जोशी विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उतरोतर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों से युवाओं का भविष्य बर्बाद होने से यह अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपी महिला को कठोरतम सजा देने की मांग की, जबकि आरोपी ने नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 19 गवाह, 33 दस्तावेजी साक्ष्य और 13 आर्टिकल के आधार पर अभियुक्त संतोष देवी पत्नी अमराराम निवासी कोसांना पीपाड़ शहर, जोधपुर को अवैध मादक पदार्थ अफीम रखने के आरोप में दोषी ठहराते हुए 3 वर्ष का कठोर कारावास व 50 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. जिला खण्ड इटावा

क्रमांक: 1590 दिनांक :- 18/2/2026

निविदा सूचना संख्या 27/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो. से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 05.3.2026 को 06:00 बजे तक।

UBN No. 1. PWD2526WSOB23642, 2. PWD2526WSOB23644, 3. PWD2526WSOB23646
4. PWD2526WSOB23647, 5. PWD2526WSOB23648, 6. PWD2526WSOB23649
7. PWD2526WSOB23650, 8. PWD2526WSOB23651, 9. PWD2526WSOB23653
10. PWD2526WSOB23654, 11. PWD2526WSOB23656, 12. PWD2526WSOB23657
13. PWD2526WSOB23658, 14. PWD2526WSOB23659, 15. PWD2526WSOB23660
16. PWD2526WSOB23662, 17. PWD2526WSOB23664, 18. PWD2526WSOB23665
19. PWD2526WSOB23667

(हेमराज चौधरी)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड इटावा

DIPR/C/4064/2026

कार्यालय कमाण्डेंट, राज्य आपदा प्रतिसाद बल, जयपुर

टेलीफोन नं. 0141-2759903, ईमेल-comdt.sdrf@rajpolice.gov.in/comdtt.sdrf.raj.jpr@gmail.com

क्रमांक:- एसडीआरएफ / क्यू/2026/ दिनांक :

ई-बोली आमंत्रण सूचना- 03/2025-26

Inflatable Rubber/PVC Boat with OBM के प्रदाय (supply) हेतु ई-बोली (e-Bid) आमंत्रित की जाती है। उक्त उपकरण हेतु बोली दस्तावेजों को दिनांक 17.02.2026 को सांय 06.00 बजे से वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan. gov.in से डाउनलोड प्रारम्भ किया जा सकेगा। ई-बोली दिनांक 09.03.2026 को सांय 06.00 बजे तक निर्धारित दस्तावेजों के साथ इलेक्ट्रॉनिक फॉरमेट में उक्त वेबसाईट पर प्रस्तुत की जा सकेगी तथा दिनांक 10.03.2026 को प्रातः 09.30 बजे तक चालान (प्रति संलग्न की जानी है) नगद या बैंकर चैक या मांगदेय ड्राफ्ट या बैंक गारन्टी या ई-ग्रास या इंश्योरेंस श्योरिटी बॉन्ड या एफडीआर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में भौतिक रूप से प्रस्तुत किये जाना आवश्यक है। E-Procurement पर प्राप्त बिड दिनांक 10.03.2026 को दोपहरः 02.00 पी.एम तक खोली जानी प्रस्तावित है। विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना, बोली की मुख्य शर्तों एवं तत्सम्बंधी अन्य विवरण को वैबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा विभागीय वैबसाईटhttp://www.police.rajasthan. gov.in अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन Procurement पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in) पर देखा जा सकता है:-

NIB CODE:-SDF2526A0012

UBNNO: SDF2526GLOB00042

(राजेन्द्र सिंह सिसोदिया) कमाण्डेंट,
राज्य आपदा प्रतिसाद बल,
राजस्थान जयपुर।

DIPR/C/4042/2026

कोटा में चाकूबाजी में चार कोचिंग छात्र घायल

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में गुरूवार रात्रि को कोचिंग छात्र के एक ग्रुप ने दो अलग-अलग जगहों पर चाकू से हमला कर चार कोचिंग छात्रों को घायल कर दिया। पुलिस ने मामला सामने आने पर हमलावर छात्रों में से दो छात्रों को राउंड-अप कर लिया है, बाकि हमलावरों की तलाश जारी है। मामले में सामने आया कि छात्रों व हमलावर छात्रों में कोई रंजिश नहीं थी, मात्र कमेंट को लेकर टोकने के विवाद पर हमलावरो ने दो अलग-अलग जगहों पर दो-दो कोचिंग छात्रों को चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पीड़ित छात्रों ने इसकी शिकायत कुन्हाड़ी थाने में दर्ज कराई है।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR

No.NIT/2025-26/39569-81 **निविदा सूचना/2025-26** Date:26.02.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Construction of Mortuary, Laundry, Manifold and other Misc, work at Medical College & Upgradation of Hospital Pali. UBN: RRC2526WLOB01245	565.87 Lakh	अल्पकालीन ई-727/25-26
SITC OF 300 KLD STP and 30 KLD Effluent Treatment Plant at District Hospital, Bundi. UBN: RRC2526WSOB01257	244.81 Lakh	अल्पकालीन ई-728/25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

महाप्रबंधक

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION KHERWARA

File No. 1227 **Notice Inviting Bid** Date: 24/02/2026

Bids for Nit No 25/2025-26, (Road works) 4 Nos. are invited from interested bidders upto Date 24.02.2026, 12.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 185.27 Lacs. (4 Works)

NIB No. PWD2526A5866

UBN No.:

PWD2526WSOB24265 | PWD2526WSOB24266 | PWD2526WSOB24267 | PWD2526WSOB24268

EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION KHERWARA

DIPR/C/4340/2026

युवक की बजरी भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौत, एक घायल

- माण्डलगढ़ के बीगोद थाना क्षेत्र के जोजवा गांव में बनास नदी से अवैध बजरी भरकर सड़क पर तेज रफ्तार से जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से हुआ हादसा
- हादसे के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया और मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता की मांग की

माण्डलगढ़, (निसं)। बीगोद थाना क्षेत्र के जोजवा गांव में टेक्सटाइल फैक्टरी में जा रहे बाइक सवार दो श्रमिक युवक खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इस दौरान श्रमिकों को पीछे से आए बजरी भरी अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने मार दी। हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौक़े पर ही मौत हो गई और एक अन्य युवक गम्भीर घायल हो गया। सूचना पर बीगोद थाना पुलिस मौक़े पर पहुंची।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार सुबह श्री जोजवा श्याम गौशाला जोजवा के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से एक बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं एक युवक गम्भीर घायल हो गया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने एकत्रित होकर आक्रोश जताया और मृतक के परिजनों को मुआवजा दिलाने व हादसा कारित करने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना पर बीगोद थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और शव को सामुदायिक चिकित्सालय बीगोद में लाकर मोर्चरी में रखवाया। गंभीर घायल युवक का बीगोद में उपचार करा कर भीलवाड़ा जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

थाना प्रभारी जय सुल्तान के अनुसार श्री जोजवा श्याम गौशाला जोजवा के पास प्रातः माण्डलगढ़ में स्थित एक टेक्सटाइल फैक्टरी जा रहे बाइक सवार जोजवा निवासी उदय सिंह (27) पिता शिव सिंह कानावत की ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर सवार अन्य दीपक (22) पिता गोपाल सिंह निवासी जोजवा गंभीर घायल हो गया। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में बजरी भरी हुई थी। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली से बजरी खाली कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को डिटेन किया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हादसे के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने आक्रोश जताकर प्रदर्शन किया और मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता की माँग की।उधर श्री क्षत्रिय करणी सेना जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह खाचरोल, बृजपाल सिंह, अमरतिया, महिपाल सिंह अमरतिया, विक्रम सिंह सोनियाना, रामलाल मीणा, राजेंद्र सिंह सहित श्रमिक यूनियन ने टेक्सटाइल फैक्टरी के बाहर प्रदर्शन कर गरीब परिवार के मृतक के परिजनों को मुआवजे की मांग की। फैक्टरी प्रबंधन और भामाशाहों ने मृतक के परिजनों व घायल श्रमिक युवक को आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

बुजुर्ग की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना इलाके के कलाल घाटा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। बंद पड़ी 20 फीट गहरी खदान में हुरमा (60) गिर गया। करीब तीन फीट तक मलबा उसके ऊपर गिरा और अंदर दब गया। घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने मलबा हटाकर बाहर निकाला, लेकिन बुजुर्ग की मौत हो गई थी। बुजुर्ग बकरियां चराने गया था और इसी दौरान हादसा हुआ। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग,

प्रथम तल, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड़, जालोर

क्रमांक : अ.अ./चि.एव.स्वा/2025-26/4142-53 दिनांक : 19.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 36/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 201.68 लाख का 17 विद्युत कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डिरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधी विवरण डीआईपीआर की वैबसाईट WWW.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB No. MHS2526A4762

1	MHS2526WSOB06689	2	MHS2526WSOB06690	3	MHS2526WSOB06691
4	MHS2526WSOB06692	5	MHS2526WSOB06693	6	MHS2526WSOB06694
7	MHS2526WSOB06695	8	MHS2526WSOB06697	9	MHS2526WSOB06698
10	MHS2526WSOB06699	11	MHS2526WSOB06700	12	MHS2526WSOB06701
13	MHS2526WSOB06702	14	MHS2526WSOB06703	15	MHS2526WSOB06704
16	MHS2526WSOB06705	17	MHS2526WSOB06706		

(राम कुमार कुर्डिया)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

DIPR/C/3983/2026

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी धौलपुर पिन कोर्ड 328001 Email ID: dcfwl.ncs.forest@rajasthan.gov.in

क्रमांक- एफ ()/उवसं/वजीधौ./राचघअ./2025-26/662 दिनांक-23.02.2026

Notice Inviting Tender

Tenders are invited from eligible contractor/firm/for Various works for Range Office

क्र. सं.	सूचना संख्या मय दिनांक	कार्य का नाम	Start Date	निविदा (बोली) डाउनलोड एवं अपलोड करने की अन्तिम समय एवं दिनांक	UBN NO.	अनुमानित लागत रूपये में	निविदा संख्या
1	RajKaj Ref No. 206955871 Date 23.02.2026	ट्यूब वैल एवं अन्य प्राक्कलन अनुसार निर्माण कार्य हेतु	23.02.2026	10.30 AM 02.03.2026	FOR2526WSOB 05895	1,75,000/-	89/2025-26
2	RajKaj Ref No. 20695841 Date 23.02.2026	सोलर स्ट्रीट लाईट स्थापित एवं रख-रखाव किये जाने हेतु	23.02.2026	10.30 AM 02.03.2026	FOR2526WSOB 05899	2,25,000/-	90/2025-26
3	RajKaj Ref No 20696036 Date 23.02.2026	घडियाल और कछुए के घौंसले बनाने वाले स्थलों को शिकारियों से सुरक्षित रखने एवं अन्य प्राक्कलन अनुसार निर्माण कार्य हेतु	23.02.2026	10.30 AM 02.03.2026	FOR2526WSOB 05900	4,02,000/-	91/2025-26
4	RajKaj Ref No 20696081 Date 23.02.2026	Improvement of Basic Facilities and Maintenance of Vanvihar Kothi District Dholpur	23.02.2026	11.00 AM 05.03.2026	FOR2526WSOB 05894	16,00,000/-	86/2025-26

Tender Can be seen and downloaded at the procurement portal http:/sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state

(डॉ. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव)
राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

DIPR/C/4292/2026

आदरणीय

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

द्वारा

अजमेर की पावन धरा से राजस्थान को ढेरों सौगात

₹ 16,600 करोड़
से अधिक की
पेयजल, विद्युत,
सिंचाई, अक्षय
ऊर्जा, सड़क,
सीवरेज एवं अन्य
परियोजनाओं का
उपहार

सामाजिक
सुरक्षा पेंशन
राशि ₹ 1,000 करोड़
का हस्तांतरण

21,800 से
अधिक युवाओं
को सरकारी
नौकरी के नियुक्ति
पत्रों का वितरण

28 फरवरी, 2026 । प्रातः 9:30 बजे

स्थानः कायड़ विश्राम स्थली, अजमेर

कार्यक्रम में आप सादर आमंत्रित हैं।

ATUL

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

बचपन में मेरे पास अंग्रेजी सीखने का समय था, लेकिन मैंने उस अवसर का उपयोग नहीं किया। अब वह बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाते हैं और उन्हें उपलब्ध संसाधनों का पूरा फायदा उठाने की सलाह देते हैं। - लियोनेल मैसी

अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉलर, शिक्षा का महत्व बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी : रिंकू सिंह

भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े फिनिशर रिंकू सिंह आज खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। जिस पिता ने कंधे पर भारी गैस सिलेंडर ढोकर रिंकू के लिए क्रिकेट की किट खरीदी थी, आज उन कंधों का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। लीवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद खानचंद सिंह ने आज तड़के दुनिया को अलविदा कह दिया। रिंकू जब मैदान पर लंबे छक्के मारकर करोड़ों भारतीयों का दिल जीतते थे, तब अलीगढ़ की गलियों में सिलेंडर पहुँचाने वाले खानचंद सिंह की आँखों में गर्व के आँसू होते थे। रिंकू के लिए वे केवल एक पिता नहीं, बल्कि वह हिम्मत थे।

क्या आप जानते हैं ?... 9 गेंदों में 50 रन बनाने का 20 रिकॉर्ड नेपाल केदीपेंद्र सिंह ऐरीके नाम है, जिन्होंनेएशियन गेम्स 2023में मंगोलिया के खिलाफ यह कारनामा किया था और युवराज सिंह (12 गेंदों में 50) के रिकॉर्ड को तोड़ा था।

इंग्लैंड की जीत से पाकिस्तान की उम्मीदें कायम, न्यूज़ीलैंड को 4 विकेट से हराया

कोलंबो, 27 फरवरी। इंग्लैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप के 9वें सुपर-8 मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हरा दिया है। इस जीत ने पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखी हैं। शुक्रवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। कीवियों ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम ने 19.3 ओवर में 6 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया।

विल जैक्स प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 18 बॉल पर नाबाद 32 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से विल जैक्स ने 18 बॉल पर नाबाद 32 रन बनाए। वहीं, रेहान अहमद ने 7 बॉल पर दो छक्के के सहारे नाबाद 19 रन बना डाले। दोनों ने 7वें विकेट के लिए 16 बॉल पर नाबाद 44 रन की साझेदारी कर डाली। यही साझेदारी गेम चेंजर साबित हुई। इससे पहले सैम करन और टॉम बैंटन ने 5वें विकेट के लिए 35 बॉल पर 42 और हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल ने तीसरे विकेट के लिए 35 बॉल पर 48 रन की साझेदारियां कीं। टॉस जीतकर बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी रही।

टीम ने पावरप्ले में बिना नुकसान के 54 रन बना लिए थे। लेकिन, टीम ने बीच के ओवर्स में 4 विकेट गंवा दिए। डेथ ओवर्स में भी 3 विकेट आए। ग्लेन फिलिप्स ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। जबकि टिम साइफर्ट ने 35 रन का योगदान दिया। आदिल रशीद, विल जैक्स और रेहान अहमद को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट लियम डॉसन को मिला।

अभिषेक शर्मा का रक्षात्मक खेल देखकर हैरान हूं : गावस्कर

नई दिल्ली, 27 फरवरी। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने टी20 विश्व कप में अभिषेक शर्मा की वापसी की सराहना की है, लेकिन उनके बल्लेबाजी के नए अंदाज ने पूर्व कप्तान को अचंभे में डाल दिया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में अभिषेक की 55 रनों की पारी ने न केवल भारत को जीत दिलाई, बल्कि आलोचकों को भी करारा जवाब दिया है।

अभिषेक इस टूर्नामेंट के दौरान अस्वस्थ भी रहे और तीन मैच में वह खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की 72 रन की जीत में 30 गेंदों में 55 रन बनाकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया। गावस्कर ने जियोस्टार सेकहा, "हम जानते हैं कि अभिषेक शर्मा कितने अच्छे बल्लेबाज। जिम्बाब्वे के खिलाफ 55 रन की इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को चुप करा दिया।" "अभिषेक ने अपना स्वाभाविक खेल खेलने से पहले कुछ समय लिया। उनकी बल्लेबाजी में एक तरीका था। उन्होंने ऑफ स्पिनर का सम्मान किया, किसी भी तरह का जोखिम नहीं लिया तथा शांत और संयमित तरीके से खेले।" गावस्कर ने कहा, "इस मैच में उन्होंने वास्तव में रक्षात्मक शॉट खेले। उन्होंने कुछ गेंद को रोका भी। मुझे यह देखकर हैरानी हुई क्योंकि हम आमतौर पर अभिषेक को ऐसा करते नहीं देखते हैं।"

इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि अभिषेक के लिए यह एक सीखने का दौर है। गावस्कर ने कहा, "मुझे सच में लगता है कि यह उसके लिए सीखने का एक अच्छा मौका है। हर क्रिकेटर लगातार दो मैचों में रन न बना पाने के दौर से गुजरता है। बात सिर्फ इतनी है कि आप इससे कितना सीखते हैं। मुझे लगता है कि अभिषेक ने बहुत कुछ सीखा है और यह उसके लिए कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मुकाबले में अच्छा साबित होगा।" गावस्कर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ करारी हार के बाद भारतीय टीम ने जल्द ही सबक लिया तथा दाएं और बाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन को सुनिश्चित करने के लिए संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में वापस लेकर आया।

रणजी ट्रॉफी : जम्मू-कश्मीर को 477 रन की बढ़त मिली : कामरान इकबाल ने नाबाद 94 रन बनाए

कर्नाटक, 27 फरवरी। रणजी ट्रॉफी फाइनल में जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक पर 477 रन की बढ़त बना ली है। शुक्रवार को चौथे दिन जम्मू-कश्मीर ने दूसरी पारी में स्टंप्स तक 4 विकेट खोकर 186 रन बनाए। कामरान इकबाल 94 और साहिल लोटरा 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर कर्नाटक की टीम 293 रन पर सिमट गई। मयंक अग्रवाल ने 160 रन बनाए। इससे पहले जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में 584 रन बनाए थे। टीम से शुभम पुंडीर ने 121 रन की शानदार पारी खेली।

इकबाल 94 रन बनाकर नाबाद जम्मू कश्मीर के लिए दूसरी पारी में कामरान इकबाल सबसे ज्यादा 94 रन बनाकर नाबाद लौटे। अब्दुल समद 32 और कप्तान पारस डोंगरा 16 रन बनाकर आउट हो गए। कर्नाटक के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट चटकाए। कर्नाटक ने आज सुबह 220/5 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। टीम ने 73 रन बनाए और आखिरी 5 विकेट गंवा दिए। टीम के लिए इस पारी में मयंक अग्रवाल ने शतक लगाया है। वे तीसरे दिन 130 रन बनाकर नाबाद थे। हालांकि चौथे दिन के खेल के दौरान वह 160 रन बनाकर आउट हो गए।

बंगाल-तमिलनाडु समेत 5 राज्यों में चुनाव के चलते आईपीएल का शेड्यूल बदल सकता है

नई दिल्ली, 27 फरवरी। विधानसभा चुनावों की वजह से आईपीएल 2026 का शेड्यूल बदल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक टूर्नामेंट का आगाज अब 26 मार्च की जगह 28 मार्च को हो सकता है। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी तक नई तारीख पर अंतिम फैसला नहीं लिया है। तमिलनाडु, केरल, असम, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव कार्यक्रम के चलते कुछ शहरों में सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स की चुनौती खड़ी हो सकती है। इसी संभावित टकराव को देखते हुए बोर्ड शुरुआती मैचों की तारीख आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है। विधानसभा चुनाव वाले राज्यों में तीन ऐसे प्रमुख स्टेडियम हैं जो आईपीएल वेन्यू के रूप में इस्तेमाल होते रहे हैं। तमिलनाडु के चेन्नई स्थित एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) चेन्नई सुपर किंग्स का होम ग्राउंड है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में स्थित ईडन गार्डन्स कोलकाता नाइट राइडर्स का घरेलू मैदान है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

श्रीलंका व पाकिस्तान के बीच शाम 7 बजे

बुमराह और मो. सिराज से गेंदबाजी सीख रहे हैं : सिंह

नई दिल्ली, 27 फरवरी। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप ने कहा कि वह परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाने और बल्लेबाजों पर हावी होने के लिए अब भी अपने सीनियर साथियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज से सीख ले रहे हैं। अर्शदीप ने यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा तथा केवल 24 रन देकर तीन विकेट लिए। "मैं अपने गेंदबाजी समूह में सबसे युवा हूं। टीम मुझ पर भरोसा दिखाती है। अगर आपको पावर प्ले में दो ओवर फेंकने का मौका मिलता है तो विकेट लेने की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि उस समय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जोखिम भरे शॉट खेलने की कोशिश करते हैं।"

20वीं ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैम्पियनशिप 2025-26

जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने किया 58 अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान

जयपुर, 27 फरवरी। जयपुर सांसद श्रीमती मंजु शर्मा ने सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेली जा रही तीन दिवसीय 20वी ऑल इंडिया हनुमान सिंह महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप-2025-26 के दूसरे दिन प्रतियोगिता में भाग ले रही 58 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया। साथ ही सभी दस टीमों के प्रशिक्षकों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री राजपूत सभा, जयपुर के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई, राज्य हैंडबॉल संघ के संरक्षक जय आहुजा, महेंद्र शर्मा, हैंडबॉल के गुरु वशिष्ठ अवार्डी सुब्रत सेन, जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के संरक्षक अशोक कुमार शर्मा भी मौजूद थे।

सम्मानित खिलाड़ी - राजस्थानः- पूजा कंवर, वर्षा जाखड़, रुक्मणी बीठू, नोरती कुमारी मेवाडा, कशिश शर्मा, ममता मिठारवाल, कनिका रॉय। बीएसएफः- टीना, संजना कुमारी, आरुषि, मंजिल, अंजलि ठाकुर, प्रवेश, सपना कश्यप, मनीषा जाट, ख़ुशी, काफ़ी, ख़ुशबू, सुखप्रीत, शारदा कंवर। दिल्लीः- तनीषा। सीआईएसएफः- अंजलि ठाकुर, अनिका, रचना, अनिशा। पंजाबः- किरणजीत कौर, अर्शप्रीत कौर। हरियाणाः- मोनिका, तन्नु, प्रियंका। नॉर्दर्न रेलवेः- दीपा देवी, प्रियंका, काजल, जस्सी, गौरव, दीपा, सुमन, मोनिका, उत्तर प्रदेशः- शिवानी भारती, सुमन यादव, नैना यादव। एलपीयू-फगवाड़ाः- दीक्षा ठाकुर, प्रियंका ठाकुर, शालिनी ठाकुर, भावना, कृतिका ठाकुर, गुलशन शर्मा, हेमलता, प्रिया, पायल। हिमाचल प्रदेशः- चेतना शर्मा, शिवानी देवी, मुस्कान, कनिष्का, शिक्षा, गरिमा, वनिष्का, बबीता।

राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के मानद सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि शनिवार को सुबह के सत्र में होने वाले सेमीफाइनल मैचेज में एलपीयू-फगवाड़ा का मुकाबला बीएसएफ से तथा नॉर्दर्न रेलवे का मुकाबला मेजबान राजस्थान से होगा। शाम पाँच बजे फाइनल खेला जाएगा।

शुक्रवार को खेले गए लीग मैचों के परिणाम - एलपीयू-फगवाड़ा ने राजस्थान को 22-09 (12-06) से, सीआईएसएफ ने उत्तर प्रदेश को 20-18 (11-09) से, नॉर्दर्न रेलवे ने हरियाणा को 27-15 (11-08) से, एलपीयू-फगवाड़ा ने उत्तर प्रदेश को 12-03 (11-01) से, बीएसएफ ने पंजाब को 35-15 (18-05) से, हिमाचल प्रदेश ने हरियाणा को 25-15 (15-06) से, राजस्थान ने दिल्ली को 20-08 (16-07) से हराया। हिमाचल प्रदेश और बीएसएफ का मैच 17-17 (05-05) से बराबर रहा।

राजमाता पद्मिनी देवी ऑफ जयपुर इंटरनेशनल शील्ड एग्जीबिशन मैच आज

राजस्थान टूरिज्म पोलो कप का फाइनल कल

जयपुर, 27 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार, 28 फरवरी को एचएच राजमाता पद्मिनी देवी ऑफ जयपुर इंटरनेशनल शील्ड एग्जीबिशन पोलो मैच खेला जाएगा। यह रोमांचक मुकाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 4 बजे से टीम जयपुर और फ्रांस के बीच होगा। इस मुकाबले में पोलो के अनुभवी और दिग्गज खिलाड़ी आमने-सामने होंगे, जिससे मैच का स्तर और प्रतिस्पर्धा दोनों ही दिलचस्प रहने की उम्मीद है। टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, लांस वाटसन, कुलदीप सिंह राठौड़ और डीनो धनखड़ शामिल होंगे। वहीं, टीम फ्रांस से क्लीमेंट डेलफॉस, सेबेस्टियन सॉरबैक, रॉबर्ट स्ट्रॉर्म सहित एक अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलेंगे।

सैंटे एमईएसएमई और वी पोलो के बीच होगा फाइनल मुकाबला- जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत राजस्थान टूरिज्म पोलो कप (06 गोल्स) के लिए राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शुक्रवार शाम को रोमांचक सेमिफाइनल खेला गया। यह मुकाबला टीम जयपुर और वी पोलो के बीच खेला गया, जिसमें टीम वी पोलो ने जयपुर को 7-6.5 के स्कोर से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस कप का फाइनल 1 मार्च, रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर शाम 4 बजे से खेला जाएगा। फाइनल का मुकाबला टीम वी पोलो और सैंटे एमईएसएमई के बीच होगा। विजेता टीम वी पोलो से विशाल सिंह राठौड़ ने 4 गोल किए। वहीं, निमित मेहता ने 2 गोल और मुकेश सिंह ने 1 गोल किया। टीम से गोंजालो यांजों भी खेले। दूसरी तरफ, टीम जयपुर से लांस वाटसन ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 5 गोल हासिल किए। यहां टीम को 1.5 गोल का एडवांटेज मिला। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में मिर्ज़ा मोहम्मद बेग, प्रताप सिंह कानोता और डीनो धनखड़ शामिल रहे।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को हराया, नरेश का ऑलराउंडर खेल

जयपुर, 27 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने राजीव गांधी क्रिकेट क्लब को 4 विकेट से हराया। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिफान खान के 66 रन, आर्यन जैन के 57 रन, मनन सिंह के 36 रन, रक्षित लुनावत के 31 रन व राजवीर सिंह के 40 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 278 रन बनाए। पी एंड टी क्रिकेट क्लब के लिए नरेश गहलोत ने 53 पर 3, रजत छपरवाल में 50 पर 3, चंद्रपाल सिंह ने 65 पर 2 व रवि शर्मा ने 29 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने नरेश गहलोत के 77 रन, आदर्श शर्मा के 23 रन, रजत छपरवाल के 38 रन, सौरभ चौहान के 20 रन, विनित सक्सेना के नाबाद 39 रन व भैरा राम के नाबाद 63 रनो से 39.5 ओवर में 6 विकेट पर 279 रन बनाकर मैच जीत लिया। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब के लिए राजवीर सिंह ने 60 पर 2, अथर्व सिंह ने 61 पर 2, सौरभ यादव व रक्षित लुणावत ने एक-एक विकेट लिया। 28 फरवरी को केएल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान यूथ बनाम यूनियन क्रिकेट क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

भारती कंवर क्रिकेट लीग 20 मार्च से

जयपुर, 27 फरवरी। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 18वीं अंडर-16 भारती कंवर मेमोरियल क्रिकेट लीग का आयोजन 20 मार्च से किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में गत वर्ष की विजेता राजीव गांधी और उप-विजेता संस्कार क्रिकेट एकेडमी सहित जय भारती, नारायणा, राजस्थान यूथ, इवेंट्स और जयपुरिया क्रिकेट अकादमी साहित 10 टीमें भाग ले रही हैं। इन टीमों को 5-5 के दो पूल्स में बाँटा गया है, जहाँ प्रत्येक टीम को 4 लीग मैच खेलने होंगे। प्रतियोगिता के लिए प्रवेश शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 10 मार्च निर्धारित की गई है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को ट्रस्ट बनाने का भी विरोध किया

आरसीए पर बीसीसीआई बैन लगाने की तैयारी कर रही : टीकाराम जूली

जयपुर, 27 फरवरी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को लेकर सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले 2 साल से मौजूदा कार्यकारिणी को भंग कर बनाई गई एडहॉक कमेटी को लेकर विपक्ष ने विधानसभा में मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को ट्रस्ट बनाने का भी विरोध किया।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव हुए 2 साल का समय बीत गया है। आखिर कब तक राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव सरकार करवाएगी। सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान सरकार करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। बीसीसीआई राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन पर बैन लगाने की तैयारी कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि खेल मंत्री को बाइपास कर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को ट्रस्ट बनाने की तैयारी की जा रही है। ट्रस्ट बनाकर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को देवस्थान विभाग में रजिस्टर्ड करवाना चाहते हैं। आखिर इस तरह की नई-नई बातें कहां से निकल कर आती है, हमारी समझ से बाहर है।

यह है मामला - राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को सार्वजनिक ट्रस्ट में बदलने की कथित कोशिश को लेकर विवाद गहरा गया है। आरसीए एडहॉक कमेटी के मौजूदा कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने राजस्थान सार्वजनिक न्यास अधिनियम-1959 के तहत आरसीए को ट्रस्ट के रूप में रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आवेदन दिया। वहीं खुद को कार्यवाहक प्रमुख बताते हुए संस्था की चल-अचल संपत्तियों, बैंक खातों और अन्य परिसंपत्तियों को ट्रस्ट संपत्ति के रूप में दर्शाया।

जबकि आरसीए विधिवत पंजीकृत सहकारी संस्था है, जो राजस्थान सहकारी समितियां अधिनियम और राजस्थान खेल अधिनियम-2005 के तहत संचालित होती है। इसके नीतिगत और संपत्ति संबंधी निर्णय का अधिकार केवल इसकी साधारण सभा (जनरल बॉडी) को है। अन्य जिला क्रिकेट संघों ने भी इस कदम का विरोध करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्यालयः मुख्य अभियन्ता (फ्यूल), छठा तल, एलआईसी जीवनदीप भवन, लालकोठी, जयपुर

ऑनलाईन निविदा आमंत्रण सूचनाः TN-13 (RVU2526GLOB02448)

रा.वि.उ.नि. के कोटा/सूरतगढ़-O&M/सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल/छबड़ा-O&M/छबड़ा सुपर क्रिटिकल/कालीसिंध ताप विद्युतगृहों को वार्षिक दर अनुबंध के तहत एचएसडी (HSD) की आपूर्ति हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl, www.eproc.rajasthan.gov.in (ई-निविदा हेतु) एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/21553 RVUN/PR-4359 अधीक्षण अभियन्ता (फ्यूल)

राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
कार्यालय महाप्रबंधक लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर

क्रमांक :- एफ3( )विकास/RSFDCLROJ/2025-26/ दिनांक :- 21/02/2026

खुली बोली आमंत्रण सूचना (NIB Code) संख्या FOR 2526A4208/2025-26

महाप्रबंधक, राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, जयपुर के क्षेत्राधीन प्रादेशिक वन मण्डल जयपुर की रेंज फागी के वनखण्ड झाराना बीड के वृक्षारोपण क्षेत्र में मौजूद वनोपज प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा (विलायती बबूल) को जड़ सहित उन्मूलन हेतु दिनांक 16.03.2026 को 1:00 बजे तक खूली बोली द्वारा नीलामी की जानी है। नीलामी की अनुमानित किमत 100 लाख रूपये है। खुली बोली से संबंधित अन्य विस्तृत दस्तावेज एवं शर्ते राज्य लोक उपापन पोर्टल की बेवसाईट sppp.raj.nic.in से देखा जा सकता है।

UBN : FOR2526WSOB05827

महाप्रबन्धक
राज.संवाद/सी/25/21518 राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका सादड़ी (पाली) राजस्थान

क्रमांक : न.पा.सा./2026/5346-5348 दिनांक 24.02.2026

-::कोरीजेण्डम ई-निविदा सूचना ::-

एतद् द्वारा समस्त पंजीकृत संवेदको को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका सादड़ी द्वारा जारी ई-निविदा सूचना क्रमांक/न.पा.सा./2025-26/5151-5153 दिनांक 10.02.2026 को आमंत्रित की गई थी। उक्त ई-निविदा में किसी भी संवेदक द्वारा भाग नही लिये जाने से ई-निविदा में निम्नानुसार दिनांक बढाई जाती है। शर्ते यथावत होगी। सूचित रहे।

ऑनलाईन ई-निविदा भरने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	05.03.2026 समय सांय 6.00 बजे तक
मूल दस्तावेज, डी.डी. जमा कराने की अंतिम तिथि	06.03.2026 समय दोपहर 1.00 बजे तक
ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय	09.03.2026 समय दोपहर 4.00 बजे तक

राज.संवाद/सी/25/21471 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका सादड़ी

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा./2026/4931-4933 दिनांक 28.01.2026

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB36045

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद/सी/25/21472

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)
nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2026/11885-87 दिनांक : 25.02.2026

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 119/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 8.50 लाख रूपये से 23.22 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :- 1. DLB2526WSOB36021, 2. DLB2526WSOB36024, 3. DLB2526WSOB36025, 4. DLB2526WSOB36027

राज.संवाद/सी/25/21580 आयुक्त, नगर परिषद बारां

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद्
(ग्रामीण विकास विभाग)

No. :- F.36(38)RD/RGAVP/Non Farm/Budget Announcement/15564 Dated :- 25/02/2026

NOTICE INVITING BIDS

Online Bid for "Selection of Agency for Providing Integrated Services for Design, Development, Operation & Maintenance of E-Commerce Web Portal and Mobile Application (Android & IOS Based) for Diverse Product-Categories under the RAJSAKHI Umbrella-Brand. for Rajasthan Grameen Aajeevika Vikas Parishad (Third Floor, B- Block, Udyog Bhawan, Tilak Marg, Jaipur) by 18/03/2026 till 05:00 PM. The estimated value of procurement is Rs 2,50,00,000/-. Bid is to be applied only through e-Proc https://eproc.rajasthan.gov.in/. Other particulars of the bid may be visited on the Procurement Portal htpp://sppp.rajasthan.gov.in of the State and RGAVP portal. UBN : RGA2526SLOB00486

Project Director (Admin), RGAVP
Raj.Samwad/C/25/21529

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

बोली सूचना

निम्नलिखित बोली संख्या के अन्तर्गत इच्छुक बोलीदाताओं से 01.04.2026 (06 PM) तक बोलियां आमंत्रित की जाती हैः

(i) 220 केवी डी/सी जोधपुर-सीएचवी लाइन (वर्तमान में 132 केवी वोल्टेज स्तर पर चार्ज) के खेमे के कुएं से नगर पालिका नाला तक के भाग को 1200 वर्ग मिमी, 220 केवी एक्सएलपीई केबल प्रणाली तथा 220 केवी मोनोपोल का उपयोग करते हुए रूपान्तरण कार्य के लिए डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और आपूर्ति, जिसमें विस्तृत मार्ग सर्वेक्षण, संबंधित सहायक उपकरण/वस्तुओं और सिविल कार्यो के साथ केबल और मोनोपोल की स्थापना और कमीशनिंग शामिल है। बोली संख्या आरवीपीएन/ईएचवी/ए-एसपी/टीएन-152 (यूबीएन संख्या-VPN2526WLOB03048)

(ii) रेलवे के बडी सादड़ी नीमच सेक्शन (एनडब्ल्यूआर) (अजमेर खण्ड) के नई ब्रोड गेज रेलवे लाईन कार्य हेतु वर्तमान 132 केवी डी/सी निम्बाहेडा प्रतापगढ़ लाईन भाग (27780 व 27970) एवं छोटी सादडी सब स्टेशन के लीलो के रूपान्तरण के कार्य के लिए डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और आपूर्ति, जिसमें विस्तृत मार्ग सर्वेक्षण, संबंधित सहायक उपकरण/वस्तुओं और सिविल कार्यो के साथ मोनोपोल की स्थापना और कमीशनिंग शमिल बोली संख्या आरवीपीएन/ईएचवी/ए-एसपी/टीएन-161(यूबीएन संख्या-VPN2526WSOB03049)

उपरोक्त बोलियों के अन्य विवरण राज्य के प्रोक्यूरमेंट पोर्टल (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) तथा विभागीय वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn पर देखे जा सकते हैं।

यदि बोली जमा/बोली खोलने की तिथि में कोई संशोधन है तो उसकी सूचना http://eproc.rajasthan.gov.in; energy.rajasthan.gov.in/rrvpn एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर ही प्रकाशित की जायेगी।

अधीक्षण अभियंता
राज.संवाद/सी/25/21549 रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7398/2026 (ऑटोमेशन, एम./एम. व एस.पी.), जयपुर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति विशिष्ट श्रेणी रामगंजमंडी जिला कोटा (राज0)

क्रमांक :- 1619 - 28 दिनांक :- 25/02/2026

ई-बोली सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति, रामगंजमंडी में CORIANDER CLEANING GRADING PLANT 3TPH क्रय करने हेतु रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्म/ अधिकृत डीलरों/ विक्रेता/ विनिर्माता जो बोली लगाने से विवर्जित/ ब्लैक लिस्टेड नहीं हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- प्रोक्योरमेंट पद्धति के माध्यम से ऑनलाइन बोली आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	क्रय की जाने वाली सामग्री का विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	बोली प्रपत्र शुल्क	बोली प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि	ई-बोली दस्तावेज डाउनलोड करने की तिथि	ई-बोली दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	ई-बोली दस्तावेज भौतिक रूप से जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	ई- बोली खोलने की तिथि व समय
1	CORIANDER CLEANING GRADING PLANT 3TPH	23.20	500	500	46400	25.02.2026 से 08.03.2026 तक	09.03.2026 को 1.00 PM तक	09.03.2026 को 4.00 PM तक	10.03.2026 को 2.00 PM

नोट :- बोली पूर्व बैठक दिनांक 05.03.2026 को दोपहर 02.00 बजे मंडी समिति के सभागार में आयोजित की जायेगी जिसमें बोलीदाता आमंत्रित है।

बोली प्रपत्र शुल्क/ बोली प्रतिभूति राशि बोलीदाता द्वारा डिमांड ड्राफ्ट/ बैंकर्स चेक द्वारा Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Ramganjmandi (Payable at Ramganjmandi) के नाम से तथा बोली प्रोसेसिंग शुल्क M.D. RISL JAIPUR के नाम से कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी में निर्धारित समय पर भौतिक रूप से जमा करवाया जाना आवश्यक होगा। बोली से संबंधित शर्ते व अन्य विस्तृत विवरण राज्य लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam पर देखी व पढ़ी जा सकती है तथा उक्त प्रक्रिया के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट पद्धति से कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी स्तर पर संपन्न की जावेगी। बोली प्रपत्र ऑफलाइन स्वीकार नहीं किये जायेंगे एवं सशर्त बोली भी स्वीकार नहीं होगी। U.B.N. No. : DAM2526GLOB01301

राज.संवाद/सी/25/21547 सचिव

हमारे दो साल का मतलब, काम ज्यादा समय आधा- भजनलाल

मुख्यमंत्री का विनियोग विधेयक पर जवाबः पहली बार राज्य में प्रति व्यक्ति आय 2 लाख रूपए के पार हो गई

जयपुर, 27 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि हमारी जनकल्याणकारी नीतियों और बड़े आर्थिक सुधारों से प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना धरातल पर उतर रही है। शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का जल लाने की डीपीआर का काम पूरा होने वाला है। हरियाणा सरकार से सहमति पत्र प्राप्त हो चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब दिया।

हमारा दृष्टिकोण टकराव और विरोध का नहीं, समाधान और विकास का है।

शर्मा ने कहा कि हमारे दो साल के अब तक के कार्यकाल में पक्के इरादों और ठोस नीतियों से राजस्थान में नई कार्य संस्कृति का उदय हुआ है। आधे समय में ही हमारी सरकार में काम ज्यादा हुए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की प्रति व्यक्ति आय पहली बार बढ़ कर 2 लाख 2 हजार 349 रुपये होने जा रही है। वर्ष 2023-24 की (1 लाख 67 हजार 27 रुपये) की तुलना में इसमें लगभग 21.15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राम जल सेतु लिंक परियोजना को हम धरातल पर ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का जल लाने के लिए डीपीआर का कार्य जल्द पूरा होने वाला है। पाइपलाइन के अलाइनमेंट का सर्वे और प्रस्तावित अलाइनमेंट का फील्ड वैरिफिकेशन किया जा चुका है। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हरियाणा सरकार से सहमति पत्र प्राप्त हो चुका है।

उन्होंने कहा कि नए सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स में 10 लाख 60 हजार 625 जोड़े गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पहले दो वर्षों में 3 लाख 18 हजार 694 ही जोड़े गए।

शर्मा ने कहा कि बजट में कोई भी अतिरिक्त कर नहीं लगाकर आमजन को राहत दी गई है। वहीं "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" के लिए विभिन्न कदम उठाये गये हैं। आमजन, निवेशकों एवं उद्यमियों को स्टाम्प्स ड्यूटी में राहत दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रभावी रेवेन्यू मोबिलाईजेशन के परिणामस्वरूप राज्य की स्वयं की राजस्व प्राप्तियां (कर एवं गैर कर राजस्व) वर्ष 2023-24 की तुलना में वर्ष 2026-27 में 69 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 लाख 91 हजार 103 करोड़ रुपये होनी अनुमानित है।

बालोतरा में स्लीपर कोच ट्रेलर में घुसी, 6 की मौत

बालोतरा, 27 फरवरी (निसं)। बालोतरा जिले में शुक्रवार को नेशनल हाईवे पर सरवडी गांव के पास एक तेज रफ्तार स्लीपर कोच बस की ओवरटेक करते समय एक ट्रेलर से टक्कर हो गई, जिससे बस में सवार छह लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो मासूम भाई भी शामिल हैं।

चश्मदीदों के मुताबिक, बस की ड्राइवर साइड के परखच्चे उड़ गए।

- मरने वालों में एक परिवार के दो मासूम बच्चे भी थे।

पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंच कर क्रेन की मदद से बस को काटकर शवों को बाहर निकाला। मृतकों में जालोर और सांचौर क्षेत्र के निवासी शामिल हैं।

सबसे दुखद पहलू यह रहा कि एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की इस हादसे में मौत हो गई। नरपत राम 30 वर्ष चिमड़ावास (चितलवाना), नगाराम 38 वर्ष बोड़वा (सायला), अनुषा 22 वर्ष दांता (सांचौर), युवराज 6 वर्ष राउता (बागोड़ा), शिवराज 3 वर्ष राउता (बागोड़ा) की मौत हो गई

पुलिस ने ट्रेलर को अपने कब्जे में ले लिया है और चालक से पूछताछ की जा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने स्वदेशी कॉम्बेट हेलीकॉप्टर से उड़ान भरी

जैसलमेर, 27 फरवरी (नि.सं.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में उड़ान भरी। वे हेलिकॉप्टर प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति हैं।

राष्ट्रपति ने हेलिकॉप्टर के कॉकपिट से सैल्यूट किया। राष्ट्रपति

- उन्होंने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में वायुसेना का युद्धाभ्यास देखा

मुर्मू इससे पहले लड़ाकू विमान सुखोई और राफेल में उड़ान भरने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनी थीं।

जैसलमेर के सोनार दुर्ग के ऊपर प्रचंड हेलिकॉप्टर में उड़ान भरते हुए राष्ट्रपति ने रेडियो के माध्यम से देश के नाम संदेश दिया।

वहीं पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के मेगा युद्धाभ्यास वायुशक्ति-2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस गौरवशाली कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। उनके साथ केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथसिंह, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित, कई अतिथियों और विदेशी मेहमानों ने भारतीय सेना के इस शक्ति प्रदर्शन का अवलोकन किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड में बतौर को-पायलट उड़ान भरी।

मालपुराः साम्प्रदायिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुखलाल, छोटू, बच्छराज, किस्तुर, हीरालाल, सत्यनारायण, किशनलाल एवं एक अन्य किशनलाल को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ अपराध को साबित करने में पूरी तरह से विफल रहा है। ऐसे में आरोपियों को संदेह लाभ देना उचित होगा। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता वी.के. बाली एवं सोनल दाधीच ने पैरवी करते हुए कहा कि पुलिस की जांच में ऐसा एक भी तथ्य नहीं आया, जिससे उन्हें आरोपित अपराधों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर जोड़ सके। मामले में आरोपियों से हथियार की बरामदगी नहीं हुई है और न ही उनकी शिनाख्त परेड ही कराई गई। गौरतलब है कि मालपुरा दंगों के इस मामले में 10 जुलाई, 2000 को 10 वर्षीय जुम्मा और 14 वर्षीय ईशाक की हत्या हुई थी। इसकी रिपोर्ट उनके रिश्तेदार रूस्तम खान ने 11 जुलाई को दर्ज कराई थी। इसमें कहा कि दोनों बच्चे जंगल में बकरियां चराने गए थे। तब समुदाय विशेष के लोगों ने उनकी हत्या कर दी।

इलाहबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर रोक लगाई

प्रयागराज, 27 फरवरी। उच्च न्यायालय ने पॉस्को एक्ट में दर्ज एफआईआर मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को फिलहाल राहत मिल गई है। शुक्रवार को न्यायालय से अग्रिम जमानत पर सुनवाई के बाद अपना आदेश रिजर्व कर लिया है, लेकिन आदेश आने तक उनकी गिरफ्तार पर रोक लगा दी है।

- अदालत ने अग्रिम जमानत की पर अपना आदेश शुक्रवार को रिज़र्व रखा, लेकिन, आदेश आने तक गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

दरअसल, पॉस्को एक्ट में दर्ज मुकदमे में गिरफ्तारी से बचने के लिए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत अर्जी पेश की थी। शुक्रवार को उनकी याचिका पर सुनवाई हुई और उच्च न्यायालय ने अविमुक्तेश्वरानंद की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगाते हुए आदेश को सुरक्षित कर लिया है। गौरतलब है कि आशुतोष ब्रह्मचारी की अर्जी पर विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट के आदेश के अनुपालन में अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ बीते रविवार झूंसी थाने में पॉस्को एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

एक चरण में हो सकते हैं तमिलनाडु विधानसभा चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई की प्रेस कांफ्रेंस में संभावना व्यक्त की

चेन्नई, 27 फरवरी। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग राज्य में निष्पक्ष और सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह जुट गया है। इसी सिलसिले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चेन्नई में एक अहम बैठक की। इस बैठक के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उन्होंने बताया कि चुनाव एक ही चरण में कराए जा सकते हैं।

चेन्नई के लीला पैलेस होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ज्ञानेश कुमार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा हुई है। सभी दलों ने एक ही चरण में चुनाव कराने का सुझाव दिया है। आयोग इस पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेगा।

- मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उनकी तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों के साथ विस्तार से चर्चा हुई। सभी दलों ने एक चरण में ही चुनाव कराने का सुझाव दिया।

इससे पहले चुनाव आयोग की देखरेख में राज्य भर में चुनाव की तैयारियों को लेकर एक समीक्षा बैठक हुई। इसमें जिला कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने आयोग को सुरक्षा व्यवस्था और अन्य तैयारियों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सीईसी ने पहली बार वोट डालने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया।

ज्ञानेश कुमार ने बताया कि उम्मीदवार चुनाव आयोग के पोर्टल के जरिए ऑनलाइन नामांकन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन भरे गए नामांकन को सभी मतदाता देख सकते हैं। हालांकि, कानून के अनुसार, उम्मीदवार तय समय के भीतर रिटर्निंग आफिसर के सामने व्यक्तिगत रूप से भी फार्म जमा कर सकते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने 18 से 30 साल के युवा मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के युवा बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए आगे आए थे। उन्हें विश्वास है कि तमिलनाडु के जागरूक मतदाता भी सबसे अधिक मतदान प्रतिशत का रिकार्ड बनाएंगे।

प.बंगाल में भूकंप के तेज झटके

कोलकाता, 27 फरवरी। बंगाल की खाड़ी के निकटवर्ती क्षेत्रों में शुक्रवार दोपहर आए तेज भूकंप के झटकों ने कोलकाता सहित पूरे दक्षिण बंगाल को हिला कर रख दिया। दोपहर करीब 1.22 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई। कंपन

- भूकंप की तीव्रता 5.5 थी और लोग दफ्तर -घर से निकल कर सड़कों पर आ गए।

इतना तेज था कि लोग दफ्तरों और घरों से निकलकर जान बचाने के लिए सड़कों की ओर दौड़ पड़े।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) और नेशनल सेंटर फॉर सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप का केन्द्र पड़ोसी देश बांग्लादेश का खुलना (सतखीरा) जिला था।

यह स्थान बंगाल के सीमावर्ती शहर टाकी से मात्र 26 किलोमीटर और कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जमीन से महज 9.8 किलोमीटर नीचे केन्द्र होने के कारण झटके काफी तीव्र महसूस किए गए।

ममेरे भाई की हत्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया कि मृतक के पिता नरेन्द्र कुमार शर्मा ने 12 जनवरी 2023 को पुलिस थाने में उसके बेटे की हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि उसका बेटा रविकांत गुडगांव से किसी काम से जयपुर आया था। शाम 6.15 बजे उसके भांजे विकास की पत्नी का फोन आया कि रवि भैया घर पर आए हैं और कुछ घटना हो गई है, आप जल्द जयपुर आ जाओ, जिस पर वे रात को 10.15 बजे निर्माण नगर स्थित विकास के घर पहुंचे और वहां पर रविकांत को लहुलुहान व मृत अवस्था में पाया। तब पुलिस भी मौके पर थी और उन्होंने बताया कि रविकांत की मौत गोली लगने से हुई है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

अन्नाद्रमुक के पूर्व मुख्यमंत्री डीएमके में शामिल हुए

चेन्नई, 27 फरवरी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) के शीर्ष पद पर रहे ओ. पन्नीरसेल्वम ने पार्टी छोड़ दी है।

पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम सत्तारूढ़ पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) में शामिल हो गए हैं।

अभिनेता -नेता थलापति विजय की पत्नी ने तलाक मांगा

चेन्नई, 27 फरवरी। तमिलनाडु से एक बड़ी खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेता और टीवीके (तमिलगा वेत्रि कझगम) प्रमुख विजय की पत्नी संगीता ने चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है।

तलाक याचिका के मुताबिक, संगीता ने विजय पर बेवफाई का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि विजय का एक अभिनेत्री के साथ अवैध संबंध था।

याचिका में कहा गया है कि अप्रैल 2021 में संगीता को पता चला कि विजय एक अभिनेत्री के साथ रिश्ते में हैं। इस खुलासे से उन्हें गहरा भावनात्मक आघात पहुंचा और मानसिक पीड़ा हुई। उन्होंने वैवाहिक विश्वास का टूटना और धोखा बताया है। याचिका में आगे आरोप लगाया गया है कि विजय ने उस अभिनेत्री के साथ सार्वजनिक रूप से मेलजोल जारी रखा, जिससे संगीता को भावनात्मक कष्ट हुआ और बच्चों के सामने शर्मिंदगी भी झेलनी पड़ी।

संगीता का यह भी कहना है कि 2021 के बाद से विजय ने उनसे भावनात्मक दूरी बना ली थी। उन्होंने

- फैमिली कोर्ट में संगीता ने टीवीके प्रमुख विजय पर एक अभिनेत्री के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया
- तमिल फिल्मों के मशहूर अभिनेता विजय का विवाह संगीता के साथ अगस्त 1999 में हुआ था। उनके दो बच्चे, जेसन संजय व दिव्या शाशा हैं। लम्बे समय तक इन्हें एक खुशहाल परिवार के रुप में देखा जाता था।

कथित तौर पर पत्नी के साथ अपमानजनक व्यवहार किया और ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि संगीता को एक ही घर में अलग-थलग रहना पड़ा। याचिका में यह भी कहा गया है कि विजय उस अभिनेत्री के साथ विदेश यात्राएं और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे। संगीता ने यह भी आरोप लगाया कि वह अभिनेत्री सोशल मीडिया पर विजय के साथ अपनी आउटिंग्स की तस्वीरें नियमित रूप से पोस्ट करती थीं। उनके अनुसार, विजय ने कभी उन पोस्ट्स का खंडन या विरोध नहीं किया, जिससे यह प्रतीत होता है कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें स्वीकार किया। अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय और संगीता की शादी अगस्त 1999 में हुई थी। इस कपल के दो बच्चे हैं - जेसन संजय और दिव्या शाशा। लंबे समय तक दोनों को एक खुशहाल परिवार के रूप में देखा जाता रहा।

पति की हत्या की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पुलिस निरीक्षक बनवारी लाल मीना ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फोन पर मिली सूचना पर निवारू के गोविंद नगर-11 में जाकर देखा तो एक व्यक्ति की बोरे में लाश मिली।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक महिला एवं पुरुष कुछ दिन पहले यह बोरा यहां फैंक कर गए हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वह शव शक्ति सिंह का बताते हुए पंकज शर्मा और मृतक की पत्नी मंजू को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, मंजू के संजय शर्मा से संबंध होने के चलते दोनों में झगड़ा होता था। ऐसे में मंजू ने पंकज के साथ मिलकर शक्ति सिंह को रास्ते से हटाया।

केजरीवाल व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार हैं।" आबकारी नीति मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने की थी। इन एजेंसियों ने दिल्ली की शराब नीति बनाने और लागू करने में गड़बड़ियों का आरोप लगाया था। हालांकि ट्रायल कोर्ट ने आगे कार्यवाही के लिए पर्याप्त आधार नहीं पाया, लेकिन सीबीआई ने संकेत दिया है कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर करेगी। इससे स्पष्ट है कि कानूनी लड़ाई अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मनी लॉन्ड्रिंग कानूनों के तहत ईडी की समानांतर कार्यवाही भी जारी रहने की संभावना है।

राजनीतिक स्तर पर इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कहा है कि न्यायिक प्रक्रिया अभी जारी है और अपील के जरिए निचली अदालत के तर्कों की जांच होगी।

आम आदमी पार्टी के लिए यह फैसला कई महीनों की राजनीतिक उथल-पुथल और चुनावी झटकों के बाद बड़ी राहत लेकर आया है। केजरीवाल और सिसोदिया ने इसे केवल कानूनी राहत नहीं, बल्कि नैतिक जीत के रूप में पेश किया है। उनका कहना है कि यह मामला उनकी विश्वसनीयता खराब करने के लिए बनाया गया था।

आबकारी मामला विपक्ष के हमलों का मुख्य मुद्दा बन गया था और दिल्ली सरकार तथा केन्द्र के बीच लगातार टकराव का कारण भी रहा। आप के लिए आरोप मुक्त होना इस दलील को मजबूत करता है कि मामला राजनीति से प्रेरित था। वहीं भाजपा, जो लगातार कहती रही है कि इसमें भ्रष्टाचार हुआ है, के लिए यह मामला खत्म होने वाला नहीं है। अब उच्च न्यायपालिका इस आरोपमुक्ति को बरकरार रखती है या पलट देती है, इसी से देश की राजधानी के सबसे चर्चित राजनीतिक मामलों में आगे की दिशा तय होगी।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। पाकिस्तान के पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है, जिसमें आधुनिक थल सेना, वायु सेना, नौसेना और मरीन बल शामिल हैं। इसके अलावा, पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार भी हैं।

पाकिस्तान की सेना और अर्धसैनिक बलों की संख्या लगभग दस लाख के आसपास है, और उनके पास आधुनिक हथियार तथा मजबूत रक्षा ढांचा है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने चीन द्वारा किए गए निवेश से अपनी रक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। वास्तव में चीन और अमेरिका दोनों ही पाकिस्तान को भारत के खिलाफ एक संतुलन के रूप में देखते हैं और पाकिस्तान के माध्यम से भारत पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाते रहे हैं।

इस संदर्भ में, एक मजबूत और हथियारों से लैस अफगानिस्तान, जो पाकिस्तान के लिए वास्तविक खतरा बन सकता है, भारत के लिए पाकिस्तान से निपटने में एक महत्वपूर्ण काउन्टर फोर्स है।

हालांकि इस समय अफगानिस्तान हथियारों और सैन्य संसाधनों में कमजोर है, फिर भी वह एक मजबूत लड़ाकू देश रहा है। उसने अपनी ही जमीन पर पाकिस्तान से कहीं बड़ी और ताकतवर सेनाओं को हराया है। पारंपरिक युद्ध में अफगानिस्तान के पास पाकिस्तान जैसी ताकत नहीं है, लेकिन उसके जमीनी लड़ाके अपनी अनोखी रणनीति और गुरिल्ला युद्ध तकनीकों से दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखते हैं।

न तो सोवियत रूस की विशाल सेना और न ही यूरोप और अमेरिका की संयुक्त नाटो सेनाएं अफगानिस्तान के जिद्दी गुरिल्ला लड़ाकों के सामने ज्यादा सफलता पा सकीं। देश की भौगोलिक स्थिति भी उसे प्राकृतिक सुरक्षा देती है, जिससे वह पारंपरिक सेनाओं को आसानी से उलझा सकता है और उन्हें मात दे सकता है।

इसके अलावा, अफगान लड़ाकों को पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित, स्थानीय कबायली समुदायों का समर्थन और संरक्षण मिलता है। इनमें से कई इलाकों में पाकिस्तान की पारंपरिक सेनाओं की पहुँच भी नहीं है।

उधर, अफगान तालिबान की पहुंच स्वाभाविक रूप से पाकिस्तान के अंदर तक है, और वे पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा एजेंसियों को चुनौती दे सकते हैं। यही बात पाकिस्तान को परेशान कर रही है और वह इसे नियंत्रित करने में कठिनाई महसूस कर रहा है।

पाकिस्तान की आंतरिक सिक्यूरिटी इतनी नाज़ुक और खतरनाक है कि अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, जिनमें कुछ क्रिकेट मैच भी शामिल हैं, के लिए विदेशी टीमें सुरक्षा चिंताओं के कारण पाकिस्तान जाने से हिचकिचाती रही हैं। पाकिस्तान के सबसे नए दोस्त, अमेरिका ने भी अपने नागरिकों को बार-बार पाकिस्तान की यात्रा न करने की सलाह दी है और जो लोग वहां मौजूद हैं, उन्हें जल्द से जल्द लौटने की चेतावनी दी है।

इन चेतावनियों से पाकिस्तान की छवि एक स्थिर और सुरक्षित देश के रूप में कमजोर हुई है, और बहुत कम लोग वहां यात्रा करना या निवेश प्रस्ताव लेकर जाना पसंद करते हैं।

प्रधानमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले वाहन किशनगढ़ बाईपास से श्रीनगर और नसीराबाद बाईपास की ओर मोड़े जाएंगे।

नागौर रोड से आने वाले वाहन थांवला तिराहे से हरसौर, भकरी, बाजवास और परबतसर होते हुए रूपनगढ़ की ओर जाएंगे। रूपनगढ़ से आने वाले वाहन मकराना चौराहे से नसीराबाद बाईपास की ओर भेजे जाएंगे। शहर के भीतर भी कई स्थानों पर यातायात प्रतिबंध रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यायिक अधिकारियों को डोमिसाइल प्रमाण पत्र स्वीकार न करने का निर्देश दिया गया है। इस पर न्यायमूर्ति बागची ने कहा, "यदि हमारे आदेश में ऐसा दस्तावेज शामिल है, तो उसे देखा जाएगा।"

सिब्बल ने अनुरोध किया कि न्यायिक अधिकारियों को स्वतंत्र रूप से और निर्वाचन आयोग के निर्देशों से प्रभावित हुए बिना, फैसला करने को कहा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्य सचिव के दावे को भी अस्वीकार कर दिया गया है।

मुख्य न्यायाधीश ने उत्तर दिया कि न्यायिक अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पूरी तरह अवगत हैं और किसी अतिरिक्त स्पष्टीकरण की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, "हमारे आदेश बिल्कुल स्पष्ट हैं।" न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि एसआईआर कार्य के लिए पूरी न्यायपालिका को लगभग "खाली" कर दिया गया है।

पिछले सप्ताह अदालत ने एसआईआर प्रक्रिया में दावों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का निर्देश दिया था। यह निर्देश राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग के बीच राज्य अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर पैदा हुये विवाद को देखते हुए दिया गया था। इस सप्ताह की शुरुआत में, अदालत ने झारखंड और ओडिशा से भी न्यायिक अधिकारियों की तैनाती की अनुमति दी, क्योंकि पश्चिम बंगाल में समय सीमा से पहले काम पूरा करने के लिए पर्याप्त न्यायाधीश उपलब्ध नहीं हैं।

पाँच राज्यों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा अब जनरेटिव एआई का उपयोग करते हुए, इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और एआई एनिमेशन वाली कहानियाँ जैसे अधिक आकर्षक डिजिटल कंटेंट तैयार करने की योजना बना रही है।

इन वीडियो में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और केरल के पिनराई विजयन जैसे विपक्षी दिग्गजों के कैरीकेचर या चित्र दिखाए जाएंगे, जिनके माध्यम से उनकी नीतियों की व्यंग्यात्मक, लेकिन तथ्यात्मक आलोचना की जाएगी।

तथापि, "डीपफेक" और गलत जानकारी को लेकर बढ़ती बहस के प्रति सजग रहते हुए, पार्टी ने सख्त नैतिक नियम लागू किए हैं। एआई से बने वीडियो में स्पष्ट रूप से एक अस्वीकरण (डिस्क्लेमर) दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में भाजपा अपना यह अभियान घर-घर तक ले जाने की तैयारी कर रही है।

पार्टी हर एक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग "चार्जशीट" तैयार कर रही है। इन दस्तावेजों में स्थानीय तृणमूल कांग्रेस विधायक और राज्य सरकार की विफलताओं की सूची दी जाएगी, जिसमें महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे, भ्रष्टाचार के आरोप और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण जैसे विषय शामिल होंगे। इन चार्जशीटों को डिजिटल रूप दिया जाएगा और बड़े पैमाने पर वॉट्सऐप समूहों के माध्यम से वितरित किया जाएगा।

इस रणनीति में पार्टी ने एक नई सावधानी बरती है। असम में सोशल मीडिया टीम को अनावश्यक गलतियों से बचने के निर्देश दिए गए हैं।

ये निर्देश हाल ही में मुख्यमंत्री से जुड़े एक एआई-निर्मित वीडियो को लेकर हुए विवाद के बाद दिये गये हैं, जिसके कारण पार्टी के अंदर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की गई थी।

अब पार्टी "डेटा आधारित" चुनाव प्रचार पर जोर दे रही है, जिसमें मतदाताओं की प्रोफाइल के आधार पर संदेशों को सटीक तरीके से पहुँचाया जाएगा तथा युवाओं के लिए रोजगार, और महिलाओं के लिए सुरक्षा जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। ज्ञातव्य है कि डूरंड रेखा दोनों देशों को अलग करती है, लेकिन अफगानिस्तान ने इसे कभी आधिकारिक रूप से मान्यता नहीं दी है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908